- सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के एक साल बाद भी अदालतों में कोई तदर्थ न्यायाधीश नहीं - 12

- वेनेजुएला के तेल भंडार पर अमेरिकी नियंत्रण से भारत को होगा फायदा - 12

- गणतंत्र दिवस पर पर्यटकों को दुबई की सैर कराएगा आईआरसीटीसी - 13

- श्राची बंगाल टाइगर्स ने महिला एचआईएल मुकाबले में रांची रॉयल्स को हराया- 14

आज का मौसम

15.0° अधिकतम तापमान

6.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.07

सूर्यास्त 05.28

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष द्वितीया 09:56 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

सोमवार, 5 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 316, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूयार्क से मैनहट्टन भेजे गए मादुरो, हमले पर भारत ने जताई चिंता, चीन बोला- तुरंत हों रिहा

वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी पर अमेरिका में ही ट्रंप का विरोध, कई देशों में प्रदर्शन

- न्यूयार्क के मेयर ममदानी ने एकतरफा युद्ध का कृत्य बताया कमला हैरिस बोलीं-तेल का खेल

नई दिल्ली/काराकस/न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयार्क में अमेरिकी एजेंटों के घेरे में मादुरो। दाएं : वेनेजुएला में अमेरिका के खिलाफ प्रदर्शन करते लोग।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को लेकर एक विमान शनिवार को न्यूयॉर्क शहर पहुंचा जहां से उन्हें हेलीकॉप्टर से मैनहट्टन ले जाया गया। यहां से उन्हें अमेरिकी 'ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन' (डीईए) कार्यालय भेजा गया। इस दौरान मादुरो को संघीय एजेंटों ने घेरा हुआ था। कई एजेंटों ने अपने फोन से उनकी वीडियो भी बनाई। मादुरो की बंधक बनाए जाने पर अमेरिका में ही ट्रंप विरोध शुरू हो गया है। अमेरिका के खिलाफ कई देशों में प्रदर्शन हुए।

वहीं, भारत ने रविवार को अमेरिकी सैन्य अभियान में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़े जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की। साथ ही कहा कि तेल समृद्ध दक्षिण अमेरिकी देश में तेजी से बदल रही स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए है। वहीं चीन से अमेरिकी कार्रवाई का कड़ा विरोध जताते हुए राष्ट्रपति मादुरो को तुरंत रिहा करने की मांग की है। व्हाइट हाउस के एक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मादुरो मुस्कुराते हुए दिखाई दिए, जब दो डीईए एजेंट उनकी बांहें पकड़े हुए उन्हें कार्यालय के अंदर ले जा रहे थे। ऐसी उम्मीद है कि मुकदमा शुरू होने तक उन्हें ब्रुकलिन की एक संघीय जेल में हिरासत में रखा जाएगा। अमेरिका की यह कार्रवाई तेल समृद्ध वेनेजुएला पर महीनों से बढ़ाए जा रहे दबाव की परिणति है। यह हमला महीनों की गुप्त योजना का नतीजा है जिसे 2003 में इराक पर आक्रमण के बाद सत्ता परिवर्तन करने के लिए अमेरिका की सबसे आक्रामक कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है।

कानूनी विशेषज्ञों ने तुरंत इस बात पर सवाल उठाए कि क्या यह अभियान वैध था। अमेरिका ने शनिवार तड़के सैन्य अभियान में मादुरो और उनकी पत्नी को सैन्य अड्डे पर स्थित उनके आवास से पकड़ लिया था और उन्हें पहले एक अमेरिकी युद्धपोत पर ले जाया गया था। न्यूयॉर्क शहर के मेयर ममदानी ने इसे एक संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमले को युद्ध का कृत्य करार दिया। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से इस संबंध में सीधे बात की। वहीं पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने इसे तेल का खेल।

हमला संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों तथा सिद्धांतों का उल्लंघन : चीन

बीजिंग। चीन ने रविवार को अमेरिका से वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करने तथा संवाद व बातचीत के माध्यम से मुद्दों को हल करने का आह्वान किया। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, कि यह कदम अंतर्राष्ट्रीय कानून, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी मानदंडों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उद्देश्यों तथा सिद्धांतों का स्पष्ट उल्लंघन है। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के इस तरह के वर्चस्ववादी कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानून और वेनेजुएला की संप्रभुता का गंभीर रूप से उल्लंघन करते हैं और लातिन अमेरिकी तथा कैरेबियाई क्षेत्र में शांति व सुरक्षा को खतरा पैदा करते हैं।

वेनेजुएला की स्थिति पर भारत की नजर

भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा, हम तेजी से बदलती स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हैं। भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का भी आह्वान किया। बयान में कहा, हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे बातचीत के जरिए मुद्दों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि काराकस स्थित भारत का दूतावास भारतीय समुदाय के सदस्यों के संपर्क में है और वह उन्हें हरसंभव सहायता देता रहेगा।

कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाई गईं रोड्रिग्ज

काराकास। वेनेजुएला की सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर शनिवार देर रात उप राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने तत्काल प्रभाव से कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभाल लिया है। रोड्रिग्ज ने मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में कहा कि मादुरो ही वेनेजुएला के एकमात्र वैध राष्ट्रपति हैं। उन्होंने वेनेजुएला के लोगों से इस ऑपरेशन का विरोध करने का आग्रह किया और मध्य अमेरिकी देशों की सरकारों से इसकी निंदा करने की अपील की।

नेपाल-झारखंड के चोरों ने की थी सवा करोड़ रुपये की ज्वेलरी चोरी

- पुलिस ने अंतर्राष्ट्रीय गिरोह के चार शातिरों को नेपाल बॉर्डर से किया गिरफ्तार
- 54 ग्राम सोना और 7.245 ग्राम चांदी के साथ घटना में शामिल बोलेरो बरामद

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी में पुलिस टीम के साथ पकड़े गए चोरी के आरोपी।

अमृत विचार : पुलिस ने मुखानी स्थित राधिका ज्वेलर्स में हुई सवा करोड़ की चोरी में बड़ा खुलासा किया है। सेंधमारी की इस वारदात को नेपाल और झारखंड के दो गैंग ने मिलकर अंजाम दिया था। नेपाल समेत भारत के आधा दर्जन से अधिक राज्यों में दबिश के बाद दोनों गैंग के चार चोरों को पुलिस ने नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में झारखंड गैंग का सरगना भी है जबकि नेपाली गैंग के सरगना की अभी भी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। आरोपियों के पास से पुलिस ने लगभग 22 लाख रुपए के सोने और चांदी के जेवर बरामद किए हैं।

रविवार को पुलिस बहुउद्देशीय भवन में हुई प्रेसवार्ता में एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि मुखानी थानाक्षेत्र के कुसुमखेड़ा में ईको टाउन निवासी नवनीत शर्मा की राधिका ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। बीती 19-20 दिसंबर की रात ज्वेलरी शॉप में सेंधमारी कर चोरों ने 25 किग्रा चांदी और 400 ग्राम सोने के आभूषण चोरी कर लिए। इस वारदात को पड़ोस की दुकान किराए पर लेने वाले नेपाल मूल के जनक राज जोशी ने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया। शातिरों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों के साथ एसओजी और एसाआईटी भी गठित की गई थी। टीमों नेपाल के साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा और झारखंड में भेजा गया। जांच में सामने आया है कि वारदात में 8 से अधिक लोग शामिल थे। सीसीटीवी से कड़ियां जोड़ी तो घटना में नेपाल के साथ झारखंड गैंग का नाम भी सामने आया, जिसने गुजरात के सूरत और झारखंड में इसी तर्ज पर कई वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस ने सभी चेहरों को चिह्नित कर लिया।

घटना के बाद भागने के लिए एक बोलेरो का भी इस्तेमाल किया गया था। तलाश में जुटी टीमों ने रविवार की सुबह वारदात में शामिल चार आरोपियों को नेपाल बॉर्डर के पास चम्पावत जिले के बनबसा से धर दबोचा। आरोपियों के पास से 54 ग्राम सोना और 7.245 किग्रा चांदी के जेवर के साथ घटना में इस्तेमाल बोलेरो को भी जब्त किया है। एसएसपी ने टीम को ढाई हजार रुपए नगद पुरस्कार की घोषणा की है।

इन शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

1.मकसूद शेख पुत्र अकबर निवासी डियारा, पियारपुर, थाना उधवा राधानगर जिला साहिबगंज झारखंड 2.बसंत सिंह खत्री पुत्र चंद्र खत्री निवासी दैइजी, महेंद्रनगर, जिला कंचनपुर नेपाल 3. तनवीर अहमद पुत्र अकबर कुरैशी निवासी गुलबर्गा कुरला ईस्ट, थाना चुनाभट्टी मुंबई 4. इमरान शेख पुत्र मजबूर शेख निवासी अजुल टोला, थाना राधानगर, जिला साहिबगंज, झारखंड

यह प्रथम चरण की कार्रवाई है और अभी इस मामले में कई गिरफ्तारियां बाकी हैं। अभी नेपाल गैंग के सरगना जनक राज जोशी व वारदात में शामिल अन्य फरार हैं। इस सभी की तलाश में टीमें लगी हैं। शातिरों की गिरफ्तारी के लिए टीमें नेपाल पुलिस के साथ महाराष्ट्र, गुजरात और झारखंड पुलिस के संपर्क में भी हैं। - **मंजूनाथ टीसी**, एसएसपी नैनीताल

ब्रीफ न्यूज

बारामूला में सुरक्षा बलों ने आतंकी ठिकाना किया नष्ट

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकवादी ठिकाने को नष्ट कर दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने ठिकाने से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को बारामूला के शेरी क्षेत्र के सुचलीवरन जंगल में तलाश अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से दो हथगोले, एके-47 राइफल की 24 गोलियां, एक वायरलेस एंटीना, एक कुल्हाड़ी, तार काटने की एक मशीन और दो छाते बरामद किये।

भोगपुरम में सफलता पूर्वक उड़ान परीक्षण

विशाखापत्तनम। जीएमआर एयरो के नेतृत्व वाली जीएमआर विशाखापत्तनम इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने रविवार को आगामी भोगपुरम हवाई अड्डे पर एक वैधता परीक्षण उड़ान का आयोजन किया। इस उड़ान का संचालन एयर इंडिया के विमान द्वारा किया गया। इस दौरान केंद्रीय नागर विमानन मंत्री, आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारी और जीएमआर ग्रुप के शीर्ष अधिकारी शामिल थे।

घोस्ट सिम के माध्यम से आकाओं से जुड़े थे आतंकी

श्रीनगर/नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विस्फोट

- इसी खुलासे के बाद एप आधारित संचार सेवा को सक्रिय सिम से जोड़ने का दिया गया था निर्देश

दिल्ली के लाल किला के पास पिछले साल 10 नवंबर को हुए धमाके से जुड़े सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल की जांच में पता चला है कि इसमें शामिल चिकित्सकों ने पाकिस्तानी आकाओं से बात करने के लिए उस घोस्ट सिम कार्ड के जटिल नेटवर्क इस्तेमाल किया था जो किसी वास्तविक और सत्यापित पहचान से जुड़ा नहीं होता। इसी खुलासे के बाद दूरसंचार विभाग ने निर्देश जारी किया था कि व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी एप-आधारित संचार सेवाओं को अनिवार्य रूप से फोन में मौजूद सक्रिय और भौतिक सिम कार्ड से लगातार जुड़ा रहना चाहिए।

अधिकारियों के मुताबिक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार चिकित्सक मुजम्मिल गनई, अदील राथर और अन्य आरोपियों ने सुरक्षा एजेंसियों से बचने के लिए एक रणनीतिक डुअल-फोन प्रोटोकॉल के तहत घोस्ट सिम कार्ड का इस्तेमाल किया। लालकिले के पास विस्फोटकों से लदा वाहन चलाते समय हुए धमाके में मारे गए डॉ. उमर-उन-नबी सहित प्रत्येक आरोपी के पास दो से तीन मोबाइल हैंडसेट थे।

साइबर सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती

दूरसंचार विभाग के व्हाट्सएप, टेलीग्राम और सिग्नल जैसी एप-आधारित संचार सेवाओं को फोन में मौजूद भौतिक सिम कार्ड से लगातार जुड़े रखने के निर्देशों के पीछे एक कारण यह भी है कि यह सुविधा साइबर सुरक्षा के लिए एक चुनौती बन रही है क्योंकि इसका दुरुपयोग देश के बाहर से साइबर धोखाधड़ी और आतंकी गतिविधियों में किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर दूरसंचार सर्कल में इस निर्देश को तेजी से लागू किया जा रहा है। अधिकारी मानते हैं कि फर्जी सिम को निष्क्रिय करने में समय लगेगा, लेकिन ऐसे ढांचे पर गंभीर प्रहार किया जा सकता है।

बर्फबारी

कश्मीर घाटी के सोनमर्ग में बर्फबारी ने पूरे इलाके को सफेद बना दिया। गांदरबल जिले में पर्यटकों ने बर्फबारी का जमकर आनंद उठाया। यह क्षेत्र वर्तमान में चिल्ला-ए-कलां की चपेट में है, जो 40 दिनों की अत्यधिक ठंड की अवधि है।

दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बना भारत

- चीन को पछाड़ा, कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने की घोषणा

नई दिल्ली। चीन को पीछे छोड़ते हुए भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को इसकी घोषणा की।

कृषि मंत्री ने 25 फसलों की 184 नई किस्में जारी करते हुए कहा कि भारत 15.18 करोड़ टन के कुल उत्पादन के साथ चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन गया है। चौहान ने कहा कि इन नई उच्च उपज वाली बीज किस्मों से फसल उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ये नई किस्में किसानों तक जल्दी पहुंचें। मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विकसित 25 क्षेत्रीय फसलों की 184 उन्नत किस्मों का अनावरण किया। मंत्री ने कहा कि देश ने बीजों के विकास में बड़ी सफलता हासिल की है।

डीबीटी से लाभार्थियों के खातों में ट्रांसफर की पेंशन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री धामी ने 9.43 लाख खातों में 140.26 करोड़ रुपये भेजे

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कैंप कार्यालय से समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत चलाई जा रही विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी प्रणाली से दिसंबर माह की पेंशन किश्त का भुगतान किया। उन्होंने 9,43, 964 लाभार्थियों के खातों में कुल 140 करोड़ 26 लाख 97 हजार की राशि ऑनलाइन हस्तांतरित की।

सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार समाज के कमजोर वर्ग, वृद्धों, विधवाओं, दिव्यांगों एवं निराश्रितों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में पारदर्शी शासन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सभी प्रकार के भुगतान अब डीबीटी प्रणाली से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किए जा रहे हैं, जिससे समयबद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वृद्धावस्था पेंशन के लिए 60 साल की आयु होते ही राज्य के जो लोग पात्रता की श्रेणी में आ रहे हों, उनका 59 साल की आयु से ही चिह्नीकरण कर लिया जाए ताकि पात्रता की श्रेणी में आने पर उन्हें शीघ्र पेंशन का भुगतान किया जा सके।

सरकार का लक्ष्य है कि समाज के प्रत्येक पात्र लाभार्थी को किसी भी प्रकार की कठिनाई के बिना योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने निर्देश दिए कि पेंशन योजनाओं के अंतर्गत कोई भी पात्र वंचित न रहे इसके लिए नियमित सत्यापन एवं निगरानी की प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़ किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जनहित की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर समाज कल्याण निदेशक डॉ. संदीप तिवारी, अपर सचिव प्रकाश चन्द्र मौजूद रहे।

रुड़की में गंग नहर में डूबी कार मेरठ के दो युवकों की मौत

मुख्य संवाददाता, देहरादून/हरिद्वार

- हरिद्वार के कांवड़ मार्ग से जा रहे थे घर, तभी हुआ हादसा

अमृत विचार : रुड़की में गंग नहर में कार डूबने से मेरठ के दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक हरिद्वार के कांवड़ मार्ग से घर जा रहे थे, तभी कोहरे की वजह से कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी।

पुलिस के मुताबिक बीते शनिवार की देर रात मंगलौर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि मोहम्मदपुर झाल के पास एक कार गंगनहर में गिरी हुई है। इसकी सूचना पर मंगलौर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। टीम को मौके पर ग्रे रंग की कार गंगनहर में डूबी हुई मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने झाल कर्मियों की मदद से कार में फंसे युवाओं को निकाला और एम्बुलेंस की मदद से रुड़की के सिविल अस्पताल भिजवाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सौरभ शर्मा (25 वर्ष) पुत्र राजकुमार शर्मा और पुनीत उर्फ आयुष (25 वर्ष) पुत्र आशुतोष निवासी कुराली थाना जानी मेरठ उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने मृतकों के परिवार को घटना की जानकारी दी। कोतवाल अमरजीत ने बताया कि जांच में पता चला कि पुनीत यहां एक पीजी में रहता था, जबकि सौरभ उसका दोस्त था।

उपलब्धि गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर में विकसित की गई दस नई प्रजातियों को प्रदेश स्तर पर किया गया अंगीकार

गन्ने में लाल सड़न की विदाई, पैदावार भी 100 टन हेक्टेयर तक

श्याम मिश्र, शाहजहांपुर

- नई प्रजातियां किसानों तक पहुंचनी शुरू खेती में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद

अमृत विचार: गन्ना शोध परिषद में विकसित की गई गन्ने की दस नई प्रजातियों को प्रदेश स्तर पर अंगीकार कर लिया गया है। ये प्रजातियां गन्ने के सबसे घातक माने जाने वाले लाल सड़न रोग से मुक्त हैं और औसतन 90 से 100 टन प्रति हेक्टेयर तक पैदावार देने में सक्षम हैं। गन्ना खेती के क्षेत्र में शाहजहांपुर के लिए यह बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह उपलब्धि किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगी।

गन्ना शोध परिषद के वैज्ञानिकों ने लंबे शोध और परीक्षण के बाद इन प्रजातियों को विकसित किया है। दरअसल लाल सड़न रोग को गन्ने का कैंसर कहा जाता है जो फसल को भारी नुकसान पहुंचाता रहा है। नई विकसित किस्मों में दो वर्षों के परीक्षण और खेत स्तर पर प्रयोग के दौरान लाल सड़न रोग का प्रभाव नहीं देखा गया, जिस कारण किसानों का भरोसा इन प्रजातियों पर लगातार बढ़ रहा है। परिषद इस अवधि में लगातार इन प्रजातियों का बीज किसानों को उपलब्ध कराती रही है। विशेषज्ञों का दावा है कि जिन किसानों ने इन किस्मों की खेती की, उन्हें पारंपरिक किस्मों की तुलना में अधिक उत्पादन मिला। रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण फसल की लागत भी कम हुई है। इस वजह से किसानों में बेहतर मुनाफे की उम्मीद मजबूत हुई है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदेश स्तर पर इन दस प्रजातियों के अंगीकरण किए जाने से अब इनका विस्तार बड़े पैमाने पर किया जा सकेगा। इससे न सिर्फ शाहजहांपुर बल्कि आसपास के जिलों के गन्ना किसानों को भी लाभ मिलेगा। इसे प्रदेश में गन्ना खेती के लिए मील का पत्थर माना जा रहा है।

ये प्रजातियां की हैं विकसित

साल/प्रजाति का नाम

- 2021/ कोशा 15023
- 2022/ कोशा 17231 (बिस्मिल), यूपी 14234
- 2023/ कोशा 15233, कोशा 16233 (रोशन)
- 2024/ कोशा 18231 (अशफाक), कोलख 16202
- 2025/ कोशा 19231 (लाहिड़ी), कोसे 17451 (कृष्णा) पूर्वी उप्र, कोलख 16470 (पूर्वी उप्र)0

बड़ी चुनौती बन गया था लाल सड़न रोग

प्रदेश भर में गन्ना किसानों के लिए लाल सड़न रोग लंबे समय से गंभीर चुनौती बना हुआ था। यह रोग खेत में खड़ी पूरी की पूरी फसल को नष्ट कर देता था, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। कई इलाकों में स्थिति यह हो गई थी कि मेहनत और लागत के बावजूद किसानों के हाथ कुछ नहीं आता था। इसी कारण वैज्ञानिकों ने लाल सड़न रोग की रोकथाम के लिए गहन शोध शुरू किया जिसका लक्ष्य ऐसी नई प्रजातियां विकसित करना था जो अधिक पैदावार देने के साथ लाल सड़न रोग से पूरी तरह सुरक्षित हों।

गन्ना शोध परिषद से हर साल कोई न कोई नई प्रजाति निकलती है। नई प्रजातियों का विकास गन्ने की पैदावार बढ़ाने के लिए किया जाता है। पिछले पांच साल में दस नई प्रजातियों का विकास परिषद ने किया। इन प्रजातियों का प्रदेश स्तर पर अंगीकार किया गया है। - **एसके पाठक**, प्रसार अधिकारी, गन्ना शोध परिषद

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार,5 जनवरी 2026

स्टेट ब्रीफ

पुलिस ने जिले भर में चलाया सत्यापन अभियान

हरिद्वार : पुलिस ने जनपद हरिद्वार में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने एवं अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से रविवार को सघन सत्यापन अभियान चलाया। जिले के सभी थानों की पुलिस टीमों ने अभियान के अंतर्गत गली-मोहल्ला पहुंचकर बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों, मजदूरों एवं संदिग्ध लोगों का सत्यापन किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह है कि जनपद में कोई भी व्यक्ति बिना पहचान और सत्यापन के न रहे। सत्यापन के दौरान आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जा रही है, वहीं नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वह सत्यापन अभियान में सहयोग करें और अपने आसपास रहने वाले किरायेदारों अथवा बाहरी व्यक्तियों की जानकारी संबंधित थाने को समय पर दें।

डीएसबी ने एमबीपीजी को 1-0 से हराया

हल्द्वानी : कुमाऊं विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयी पुरुष हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम गौलापार में हुआ। उद्घाटन समारोह में उप निदेशक खेल रशिका सिद्दीकी ने मैच का शुभारंभ किया। पहला मुकाबला एमबीपीजी कॉलेज और डीएसबी कैंपस नैनीताल के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में डीएसबी कैंपस की टीम ने 1-0 से जीत हासिल की, जबकि एमबीपीजी कॉलेज की टीम उपविजेता रही।

सरकार देवभूमि की मूल पहचान, सामाजिक समरसता व विधिसम्मत शासन को संकल्पबद्ध

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शब्दोत्सव कार्यक्रम के पंचम सत्र में पहुंचे, सवालों के दिए जवाब

संवाददाता, देहरादून/नई दिल्ली

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यान चंद स्टेडियम में आयोजित शब्दोत्सव के पंचम सत्र धर्मरक्षक धामी में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य से जुड़े मुद्दों पर विचार व्यक्त किए।

सीएम धामी ने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि की मूल सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक समरसता और विधिसम्मत शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पबद्ध है। सरकारी भूमि पर सुनियोजित ढंग से अवैध कब्जा करने वाले समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। इस अभियान में अब तक 10 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाए गए। शिक्षा के क्षेत्र में 1 जुलाई 2026 के बाद केवल वही मदरसे संचालित हो सकेंगे जो राज्य शिक्षा बोर्ड की ओर से निर्धारित पाठ्यक्रम का पालन करेंगे। शिक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अब तक 250 से अधिक ऐसे मदरसों को बंद किया जा चुका है, जो नियमों और मानकों का पालन नहीं कर रहे थे। यह निर्णय किसी को निशाना बनाने के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया गया है। राज्य में किसी भी प्रकार की कट्टरवादी मानसिकता को पनपने नहीं दिया जाएगा और शिक्षा के मंदिर स्थापित किए जाएंगे।

उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े प्रश्न पर कहा कि यह विषय केवल मतदाता सूची तक सीमित नहीं है बल्कि इससे राज्य की विभिन्न योजनाओं की पारदर्शिता और वित्तीय प्रबंधन भी जुड़ा है। उदाहरण के तौर पर आयुष्मान योजना के तहत अनुमानित व्यय से कहीं अधिक खर्च सामने आया, जिससे सत्यापन की आवश्यकता और अधिक स्पष्ट हुई। राज्य में पहले ही राशन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर कार्ड के सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है, इसका उद्देश्य किसी विशेष वर्ग को लक्षित करना नहीं बल्कि प्रणाली को दुरुस्त करना है। आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में कहा कि राज्य में संगठन और सरकार निरंतर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, दंगा विरोधी कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून तथा मदरसा बोर्ड को समाप्त कर नया अधिनियम लागू किए जाना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। राज्य में केंद्र और राज्य सरकार की दो लाख से अधिक विकास योजनाएं संचालित हो रही हैं।

नई दिल्ली में शब्दोत्सव में सवालों के जवाब देते सीएम पुष्कर सिंह धामी।

600 अवैध ढांचे किए ध्वस्त

धर्मरक्षक धामी विषय पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से किए गए सभी कार्य पूरी तरह विधिसम्मत हैं। अब तक लगभग 600 अवैध ढांचों को हटाया गया है, जिनमें किसी प्रकार के वैध अवशेष नहीं पाए गए। देवभूमि के देवत्व और मूल स्वरूप की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता और व्यक्तिगत संकल्प है।

केदारखंड व मानसखंड का हो रहा समग्र विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारखंड और मानसखंड दोनों क्षेत्रों में तीर्थस्थलों का समग्र विकास किया जा रहा है। चारधाम ऑल वेदर रोड, बदरीनाथ मास्टर प्लान, भव्य केदार, दिव्य केदार परियोजना, हेमकुण्ड साहिब एवं केदारनाथ रोपवे जैसी परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कुमाऊं क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों के पुनर्निर्माण, सौंदर्यीकरण और कनेक्टिविटी पर किया जा रहा है। दिल्ली-देहरादून कनेक्टिविटी पर बताया कि एलीवेटेड रोड परियोजना लगभग पूर्ण हो चुकी है और इसके चालू होने के बाद दिल्ली से देहरादून की दूरी लगभग 2 से 2 .5 घंटे में तय की जा सकेगी। देहरादून शहर में यातायात समस्या के समाधान के लिए रिंग रोड और आंतरिक एलीवेटेड रोड परियोजनाओं पर भी कार्य प्रगति पर है, जिसमें केंद्र सरकार का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

केंद्र से जीते पुरस्कार, उपलब्धियां गिनाईं

सीएम ने बताया कि नीति आयोग की ओर से जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) इंडेक्स में राज्य ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में राज्य अचीवर्स श्रेणी में है। स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स में राज्य को देश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। सिंगल विंडो सिस्टम को भी टॉप अचीवर्स श्रेणी में सम्मानित किया गया है। बेस्ट वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन और बेस्ट एडवेंचर डेस्टिनेशन के राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कार 2024 में जाखोल, हर्षिल, गुंजी और सूपी गांव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव घोषित किया गया।

सिक्किम में राज्यपाल ओपी माथुर से मिलते कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज।

सिक्किम के गवर्नर को दिया उत्तराखंड आने का न्योता

संवाददाता, देहरादून/सिक्किम

अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री और मानव उत्थान सेवा समिति के संस्थापक सतपाल महाराज ने लोक भवन में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से शिष्टाचार भेंट की और उन्हें शीतकालीन यात्रा पर उत्तराखंड आने का न्योता दिया।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने रविवार को सिक्किम के लोक भवन में राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर को उत्तराखंड सरकार की ओर से शीतकालीन यात्रा की तैयारियों से भी अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि ऋषिकेश के शिवपुरी के पास एक पुल के ऊपर होटल द ब्रिज बनाया गया है जो एक अनोखा बुटीक होटल है, जो गंगा नदी के ऊपर स्थित है। यह प्रकृति, आध्यात्मिकता तथा शांति का अनुभव कराता है, जहां से पहाड़ों और नदी के नजारों को देखा जा सकता है। यह होटल एक परित्यक्त पुल को पुनर्जीवित करके बनाया गया है जो चारधाम यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को नदी के ऊपर ठहरने और प्रकृति का अद्भुत अनुभव देने के लिए है।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने राज्यपाल माथुर को उत्तराखंड की शीतकालीन यात्रा, बर्फ से ढके पहाड़, स्कीइंग, ट्रेकिंग (जैसे औली, केदारकंठ), शीतकालीन चारधाम यात्रा, वन्यजीव सफारी (जिम कॉर्बेट) जैसे कई गंतव्यों की भी जानकारी दी। प्रदेश में दरकोट, बिर्थी फॉल जैसे स्थान हैं तो वहीं चोपता मिनी स्विट्जरलैंड के रूप में प्रसिद्ध है। इस दौरान उनके बेटे सुयश रावत भी मौजूद रहे।

नगर निगम वन भूमि प्रकरण में बनेगा वादी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : ऋषिकेश में वन भूमि पर बसे 12 वार्डों के निवासियों के समर्थन में नगर निगम सक्रियता दिखा रहा है। इस संबंध मे महापौर शंभू पासवान की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई, जो दिल्ली जाकर उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता से कानूनी राय लेगी।

नगर आयुक्त गोपाल राम बिनवाल ने रविवार को कहा कि बैठक में वन भूमि पर काबिज लोगों की समस्याओं पर गहन विचार-विमर्श हुआ। चर्चा के बाद निर्णय लिया गया कि इन क्षेत्रों में नियमानुसार हाउस टैक्स लागू करने की प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश की जाएगी। इसके साथ ही शीर्ष अदालत द्वारा निर्माण कार्यों पर लगाई गई रोक के कारण रुके विकास कार्यों को दोबारा शुरू करने की संभावनाओं पर भी मंथन किया गया।

उन्होंने कहा कि नगर निगम इस भूमि को गैर वन भूमि घोषित करने की मांग का प्रस्ताव शासन को भेजने की तैयारी कर रहा है जिसे एक कमेटी के माध्यम से सरकार तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम स्वयं पार्टी बनकर उच्चतम न्यायालय में पैरवी करने के लिए अधिवक्ता से सलाह लेगा। इसके लिए आज रविवार महापौर की अध्यक्षता में पार्षदों का एक दल वरिष्ठ अधिवक्ता से कानूनी जानकारी प्राप्त करेगा। अधिवक्ता की फीस नगर निगम बोर्ड फंड से दी जाएगी और जनता से किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा।

कांग्रेसी नेता ने पार की अश्लीलता की हदें

हल्द्वानी : दारू के नशे में कांग्रेसी नेता ने अश्लीलता की सारी हदें लांघ डाली। दोस्त के साथ वाहन पर सवार आरोपी नेता राह चलती लड़कियों और महिलाओं पर अश्लील फब्तियां कस रहा था। इस पूरे घटनाक्रम को वह फेसबुक पर लाइव चला रहा था। वीडियो वायरल हुआ तो एसएसपी डॉ.मंजू नाथ टीसी ने संज्ञान लिया और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। जब दारू का नशा उतरा तो वह माफी मांगने लगा। एसएसपी ने बताया, अश्लीलता की हदें लांघने वाला यह वीडियो बीती 3 जनवरी को कुमाऊं कालोनी निवासी रक्षित शर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक पर पोस्ट की थी। जिसके बाद हल्द्वानी कोतवाल विजय मेहता को मामले की जांच के आदेश दिए गए। पड़ताल की गई तो पुलिस रक्षित तक पहुंच गई। उसका नशा तब तक उतर चुका था और पुलिस को देखते ही रक्षित मांफी मांगने लगा।

एसएसबी ने अदम्य साहस से की देश की आंतरिक सुरक्षा

- सीएम पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्य सेवक सदन में एक निजी फाउंडेशन के कार्यक्रम में जवानों को किया सम्मानित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्य सेवक सदन में एक निजी फाउंडेशन की ओर से आयोजित प्राइड मूवमेंट सम्मान समारोह में सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों एवं जवानों का सम्मान किया और उनके साहस, समर्पण और राष्ट्र सेवा भावना की सराहना की।

सीएम धामी ने कहा कि सशस्त्र सीमा बल ने पिछले छह दशकों से आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद, नक्सलवाद तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अदम्य साहस और समर्पण के साथ काम करते हुए देश की सुरक्षा की है। उन्होंने कहा कि एसएसबी के जवान जहां एक ओर राष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा में दिन-रात तत्पर रहते हैं, वहीं खेल, सामाजिक सरोकारों और आपदा राहत कार्यों में भी उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं।

वर्तमान में भारत रक्षा सामग्री निर्यात करने वाले प्रमुख देशों में शामिल है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के स्वदेशी हथियारों की शक्ति को विश्व ने देखा और सराहा है। राज्य सरकार सेना और अर्द्धसैनिक बलों के जवानों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए लगातार नए निर्णय ले रही है। शहीदों के परिजनों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया है। वीरता पदक से अलंकृत जवानों को मिलने वाली सम्मान राशि में भी वृद्धि की गई है।

मुख्य सेवक सदन में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एसएसबी के जवानों को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अंतर्गत सीमावर्ती गांवों के विकास और सशक्तिकरण की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। जिससे न केवल सीमांत क्षेत्रों में आवागमन सुगम हुआ है बल्कि पर्यटन, व्यापार और सामरिक विकास को भी नई मजबूती मिली है। पीएम मोदी स्वयं सीमांत क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय नागरिकों और सुरक्षा बलों के साथ संवाद स्थापित करते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं और विकास की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हैं।

इस दौरान कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, निरंजनी पीठाधीश्वर आचार्य कैलाशानन्द महाराज, डीआईजी एसएसबी सुधांशु नौटियाल, हनी पाठक मौजूद रहे।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के खेल मैदान समतलीकरण को मिले छह लाख

देहरादून, अमृत विचार : डीएम सविन बंसल ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टाईप-I, त्यूनी में खेल मैदान के समतलीकरण के लिए जिला खनिज फाउंडेशन न्यास से 10 लाख की धनराशि स्वीकृत करते हुए प्रथम किस्त के 6 लाख की धनराशि निर्गत की है। जिला विकास अधिकारी ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय त्यूनी में पूर्व में निर्मित खेल मैदान के समतलीकरण के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया था। बजट के अभाव में मैदान का समतलीकरण नहीं होने से मैदान उबड़-खाबड़ हो गया था। वर्षा में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो रही थी, जिससे छात्राओं को खेल गतिविधियों के संचालन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। चकराता बीडीओ को खेल मैदान के समतलीकरण को 9 .40 लाख की अनुमानित लागत प्रस्तुत की , जिसे जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जिला खनिज फाउंडेशन न्यास की शासी परिषद के समक्ष परीक्षण एवं संस्तुति के लिए पेश किया गया। शासी परिषद के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों ने प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान करते हुए कुल 10 लाख की स्वीकृति दी, जिसमें 60 प्रतिशत यानी छह लाख की धनराशि प्रथम किस्त के रूप में निर्गत की गई है शेष 40 प्रतिशत की धनराशि उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाने एवं तृतीय पक्ष द्वारा जांच आख्या प्राप्त होने के उपरान्त निर्गत की जाएगी। जिलाधिकारी की इस पहल से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की छात्राओं को सुरक्षित, समतल एवं उपयोगी खेल मैदान उपलब्ध होगा।

रेडियोग्राफिक टेक्नीशियनों का प्रांतीय संघ गठित

हल्द्वानी : राज्य के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत रेडियोग्राफिक टेक्नीशियनों ने एकजुट होकर उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा रेडियोग्राफिक टेक्नीशियन संघ का गठन किया है।

रामपुर रोड स्थित एक होटल में हुई बैठक में प्रदेश भर से आए टेक्नीशियनों ने सर्वसम्मति से संघ की नई कार्यकारिणी का चयन किया। इसमें दून मेडिकल कॉलेज में तैनात चमोली निवासी महेंद्र सिंह भंडारी को अध्यक्ष चुना गया। राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी में कार्यरत उपेन्द्र सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में तैनात हरिद्वार निवासी किशन पाल को उपाध्यक्ष बनाया गया। दून मेडिकल कॉलेज में तैनात उत्तरकाशी निवासी संदीप राणा को महामंत्री, रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज में कार्यरत ऋषिकेश निवासी ज्योति प्रकाश को संयुक्त सचिव और दून मेडिकल कॉलेज में तैनात टिहरी निवासी मनीष नेगी को कोषाध्यक्ष चुना गया। रुद्रपुर मेडिकल कॉलेज में तैनात कोटद्वार निवासी ऋतु उनियाल को संप्रेक्षक तथा श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में तैनात पौड़ी निवासी रंजन पवार को ऑडिटर की जिम्मेदारी सौंपी गई।

महिला कांग्रेस ने कैबिनेट मंत्री व उनके पति का पुतला फूंका

संवाददाता, लालकुआं

अमृत विचार: महिलाओं को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में महिला कांग्रेस के तत्वावधान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य और उनके पति गिरधारी लाल साहू के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला फूंका।

महिला कांग्रेस के आह्वान पर भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कोतवाली चौराहे पर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कहा कि उत्तराखंड की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू ने अत्यंत निंदनीय व महिलाओं के आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला बयान दिया है। इसके बावजूद भाजपा सरकार एवं तमाम नेता पूरे प्रकरण में चुप्पी साधे हैं। उन्होंने तत्काल रेखा आर्य को मंत्रीकैरी पद से हटाने की मांग की। पुतला दहन करने वालों में महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष बीना जोशी, राधा दानू, आशु जोशी, दीपा देवी, सरस्वती ऐरी, माया देवी, ममता बिष्ट, कुसुम देवी, लक्ष्मी देवी, ममता परिहार, नगर कांग्रेस अध्यक्ष भुवन पांडे, बिंदुखत्ता ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पुष्कर दानू, सूरज राय, हाजी अयूब अली, योगेश उपाध्याय, हेमंत पांडे, अनूप भाटिया, इमरान खान रहे।

लालकुआं में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य व उनके पति साहू का पुतला दहन करते कांग्रेसी।

धुंध छाने से सरोवर नगरी में एकाएक बढ़ी ठंड

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: सरोवर नगरी में दोपहर में छाई ठंड ने मौसम में खासी बढ़ोतरी करदी है। दिन के समय सूर्य के ताप में गर्माहट महसूस नहीं हुई तो शाम को जल्द ही लोग हीटर व आग का सहारा लेने को मजबूर हुए।

नगर में रविवार की सुबह तो उजली और ठंड से परे रही, लेकिन दोपहर धुंध ने नगर को अपने आगोश में ले लिया, तो सर्द हवाएं भी चलनी शुरू हो गई। जिस कारण जबरदस्त ठंड पढ़नी शुरू हो गई। सर्द हवा के बीच सूर्य का ताप फीका पढ़ गया। शाम ढलते ढलते धुंध छटते चली गई, लेकिन पाला गिरना शुरू हो गया। जिस कारण ठंड में अधिक बढ़ोतरी हो गई। इधर नगर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान में अधिक गिरावट आ चुकी है। स्नो व्यू में न्यूनतम तापमान शून्य के करीब पहुंचने लगा है। इधर जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 14 व न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। आद्रता अधिकतम 85 व न्यूनतम 60 प्रतिशत रही।

सिटी ब्रीफ

विनोद गौतम यूएस नगर और मोहन बागेश्वर के जिलाध्यक्ष बने

हल्द्वानी : बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहित आनंद ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार ऊधम सिंह नगर में विनोद गौतम और बागेश्वर में मोहन कोली को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। उन्होंने कहा कि दोनों नव नियुक्त पदाधिकारी संगठन को मजूबत करने के साथ ही बहन मायावती की सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय नीति को जन-जन तक पहुंचाएंगे। इस दौरान बसपा प्रभारी नौशाल अली, गिरीश चंद्र व भीम राव अम्बेडकर ने भी सभी नव मनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

उत्तरायणी के लिए मेला समिति गठन की मांग

हल्द्वानी : रानीबाग गौला नदी के तट पर लगने वाले ऐतिहासिक उत्तरायणी मेले को लेकर स्थानीय समाज में मेला समिति गठित करने की मांग उठी है। पुराणों में वर्णित इस स्थल का कत्युरी वंशजों से गहरा संबंध है और बागेश्वर के बाद कुमाऊं में इसका विशेष महत्व माना जाता है। स्थानीय शिक्षक व सामाजिक कार्यकर्ता दीपक नौगांई ने जिलाधिकारी नैनीताल व महापौर से अपील की है कि जनप्रतिनिधियों व बुद्धिजीवियों को साथ लेकर मेला समिति का गठन किया जाए। उन्होंने कहा कि चार-पांच दशक पहले तक यह मेला सांस्कृतिक कार्यक्रमों और झूलों से गुलजार रहता था, लेकिन अब केवल औपचारिकता बनकर रह गया है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान में न तो मेला समिति है और न ही प्रशासन से किसी तरह का आर्थिक सहयोग मिलता है। समिति के गठन से न केवल मेले का सुचारू आयोजन सुनिश्चित होगा, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

आज खनस्यूं तहसील में लगेगा शिविर

हल्द्वानी : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद नैनीताल के ओखलकांडा ब्लॉक में आज एक बहुद्देशीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर तहसील खनस्यूं में होगा, जिसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल करेंगे। शिविर के माध्यम से क्षेत्रीय नागरिकों को राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़े जाने के साथ-साथ उनकी समस्याओं की सुनवाई कर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका पर निर्णय आने के बाद होगी वन भूमि ट्रांसफर, बनेगी डीपीआर

तीनपानी में 10 हेक्टेयर भूमि पर आकार लेगा आईएसबीटी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बीते नौ सालों से कागजों में दौड़ रहा आईएसबीटी का प्रोजेक्ट अब धरातल पर उतरेगा। तीनपानी स्थित उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के पास 10 हेक्टेयर भूमि पर आईएसबीटी बनाया जाएगा, जिसमें 8 हेक्टेयर भूमि पर आईएसबीटी और शेष 2 हेक्टेयर भूमि पर बसों की कार्यशाला बनेगी।

बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट में आईएसबीटी से संबंधित जनहित याचिका खारिज होने और यथास्थिति बनाए रखने के निर्णय के बाद इसके निर्माण का रास्ता साफ हो चुका है। परिवहन विभाग ने इसके निर्माण के लिए कवायद शुरू कर दी है। वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके बाद डीपीआर बनाई जाएगी।

उल्लेखनीय है कि 2017 में गौलापार में आईएसबीटी के लिए 8 हेक्टेयर वन भूमि चिन्हित की थी, जिसमें करीब 75 करोड़ की अनुमानित लागत से इसका निर्माण होना था लेकिन बाद में तत्कालीन प्रदेश सरकार ने तीनपानी में आईएसबीटी बनाने का निर्णय लिया। इसे लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई, जिसमें कोर्ट ने अगस्त 2023 में याचिका खारिज करते हुए प्रदेश सरकार के निर्णय में हस्तक्षेप करने से इनकार किया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जिस पर बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय दिया है। आईएसबीटी वर्तमान में शहर की जरूरत बन गया है। हल्द्वानी बस स्टेशन 50 साल से अधिक पुराना है। यहां कम जगह होने से आए दिन जाम लगता है और बसें बहुत देर तक अपने गंतव्य को रवाना नहीं हो पाती। आईएसबीटी बनने पर यह समस्या दूर हो जाएगी। आरटीओ डॉ. गुरदेव सिंह ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद वन भूमि का ट्रांसफर परिवहन विभाग को होगा। इसके बाद विभाग की ओर से डीपीआर बनाकर शासन भेजी जाएगी।

साल दर साल बीतने पर कई गुना बढ़ेगी लागत

गौलापार में बनने वाले पुराने प्रोजेक्ट के अनुसार तीनपानी में बनने वाले आईएसबीटी में भी कमर्शियल कांपलेक्स, रोडवेज बसों के साथ ही प्राइवेट बसों और अन्य वाहनों के लिये बड़ी पार्किंग शामिल होगी। इसके साथ ही यात्रियों के लिए अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। 2017 में गौलापार में प्रोजेक्ट की लागत करीब 75 करोड़ थी। नौ साल बीतने पर अब प्रोजेक्ट की लागत भी बढ़ना तय माना जा रहा है।

सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में 9 जनवरी तक अवकाश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- **जनपद नैनीताल में घने कुहासे एवं शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए डीएम ललित मोहन रयाल ने स्वीकृत किए अवकाश**

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने शीतलहर व घना कुहासा होने पर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में नौ जनवरी तक का अवकाश घोषित किया है।

जिला मजिस्ट्रेट एवं जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष ललित मोहन रयाल ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए बताया कि जिले में शीतलहर का प्रकोप है, इसी के दृष्टिगत छोटे बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जनपद में संचालित सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में 5 से दिनांक 9 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है।

उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को निर्देश दिए हैं कि वह उक्त आदेश की सूचना सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत बच्चों के अभिभावकों तक समय से पहुंचाएं तथा उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन करेंगे। किसी भी प्रकार की शिथिलता को गंभीरता से लिया जाएगा साथ ही संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

घूम-घूम कर फल- सब्जी बेचते और बिछाते थे बिसात

पुलिस से बचने को झारखंड गैंग के सरगना मकसूद और नेपाल गैंग के सरगना जनक राज ने ओढ़ रखी थी गरीबी की चादर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

पुलिस बहुद्देश्यीय भवन में प्रेस वार्ता में जानकारी देते एसएसपी मंजूनाथ टीसी व अन्य, साथ में गिरफ्तार आरोपी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : देश भर में घूम-घूम कर सेंधमारी की वारदात को अंजाम देने वाले शातिर पेशेवर चोर हैं। रात के अंधेरे में चोर बनकर घूमने वाले ये शातिर दिन के उजाले में गरीबी का चोला ओढ़ कर घूमते थे। फल और सब्जी बेचते थे और खुद को ऐसा दीन-हीन दिखाते थे कि लोग इन पर तरस खाएं न कि शक की नजर से देखें। राधिका ज्वैलर्स में चोरी के बाद अमृत विचार इस पर एक खबर भी प्रकाशित की थी, जिस पर रविवार को मुहर लग गई।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के मुताबिक, कपड़ों का शोरूम खोलने के लिए राधिका ज्वैलर्स के बगल में दुकान किराए पर लेने वाली नेपाली मूल का जनकराज जोशी मुखानी थानाक्षेत्र के रामड़ी जसुवा में सब्जी की फड़ लगाता था। जनक राज नेपाली गैंग का सरगना है जबकि झारखंड गैंग का सरगना मकसूद शेख निवासी अमानत डियारा पोस्ट पियारपुर थाना उधवा राधानगर जिला साहिबगंज झारखंड, मुंबई में रहकर फल बेचता था।

झारखंड की राजधानी रांची और गुजरात के सूरत में कई वारदातों को अंजाम देने वाला मकसूद करीब 15 लाख रुपए का कर्जदार था। इस कर्ज से मुक्ति पाने के लिए मकसूद एक और वारदात की फिराक में था। तभी मकसूद की मुलाकात ग्राम दैइजी थाना दैइजी महेंद्रनगर जिला कंचनपुर नेपाल के बसंत खत्री से हुई। बसंत, जनक राजा जोशी का गुर्गा है। मकसूद ने योजना बताई और बसंत ने यह खबर जनक राज तक पहुंचाई।

रामड़ी जसुवा में सब्जी बेच रहे जनक राज जोशी ने योजना सुनने के बाद शहर में रेकी शुरू की और उसकी तलाश कुसुमखेड़ा में तब खत्म हुई, जब उसने राधिका ज्वैलर्स के बगल में दुकान खाली देखी। पहले वह इस दुकान में होटल खोलना चाहता था, लेकिन दुकान मालिक के मना करने पर उसने कपड़ों का शोरूम खोलने की बात कही। दुकान मालिक को मुंह मांगा किराया मिला और बिना किसी पड़ताल के उसने जगत राम को दुकान किराए पर दे दी।

मुंबई में बैठा मकसूद, जनक राज जैसे-जैसे निर्देश देता जनक राज उसी योजना के तहत षड्यंत्र को अंजाम ले जाता रहा। 19 दिसंबर चोरी की तारीख भी इसीलिए तय की गई, क्योंकि जनक को पता था कि शनिवार को बाजार बंदी होती है और अब बाजार रविवार को ही खुलेगी। जनक ने यह बात मकसूद को बताई। जिसके बाद दोनों गैंग के सरगना ने अपने-अपने गुर्गों को एकत्र किया। मुंबई से एक गैंग ट्रेन और दूसरा नेपाली गैंग बोलेरो के जरिये नैनीताल पहुंचा।

गैंग ने दो दिन नैनीताल में गुजारे और फिर वारदात की रात हल्द्वानी पहुंच गए। यहां सेंधमारी की, रास्ते में माल का बंटवारा किया और फिर जो जिस साधन से नैनीताल पहुंचा था, उसी साधन से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि सेंधमारी के दौरान 8 लोग थे, लेकिन इसमें और कई लोग शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि इन सभी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जिस गांव का मकसूद, उस पूरे गांव में चोरों की फौज

पुलिस का कहना है कि मकसूद झारखंड का नामी सेंधमार है, उसका एक बड़ा गैंग है। अभी तक की पड़ताल में सामने आया है कि मकसूद और उसकी गैंग ने रांची और सूरत में ठीक उसी तर्ज पर वारदातों को अंजाम दिया, जैसा हल्द्वानी में। मकसूद की तलाश में एक टीम को झारखंड स्थित उसके गांव अमानत डियारा पहुंची। पुलिस को पता लगा कि जिस मकसूद को पकड़ने के लिए वह मकसूद के गांव अमानत डियारा पहुंचे, दरअसल इस गांव में मकसूद के ऐसे दर्जनों लोग हैं। पुलिस का तो यहां तक कहना है कि यह पूरा का पूरा गांव की चोरी व अन्य तरह के अपराध पर ही जिंदा है।

जनक राज बताएगा क्या थी मकान मालिक की भूमिका

नेपाली गैंग का सरगना जनक राज जोशी फिलहाल पुलिस की पहुंच से बहुत दूर है। पुख्ता सूत्रों का कहना है कि जनक राज जोशी अपने गैंग के अन्य साथियों के साथ नेपाल में दुबका बैठा है। पुलिस के सामने अब सबसे बड़ी समस्या नेपाल और भारत के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जिसे भारत सरकार की अनुमति के बगैर नहीं लांघा जा सकता। हालांकि एसएसपी का कहना है कि वह नेपाल पुलिस के संपर्क में हैं और जल्द ही जनक राज समेत गैंग के अन्य सभी गुर्गों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिसके बाद ही यह पता चलेगा कि जनक राज को दुकान किराए पर देने वाले दुकान मालिक की इस पूरी घटना में क्या भूमिका है।

जिसने दबोचे नेपाल और झारखंड गैंग के गुर्गे

चोरी की घटना करने वाले नेपाल और झारखंड गैंग के गुर्गों व सरगना को गिरफ्तार करने वाली टीम में चोरगलिया थानाध्यक्ष हरपाल सिंह, मुखानी थानाध्यक्ष सुशील जोशी, मुक्तेश्वर थानाध्यक्ष जगदीप सिंह नेगी, एसओजी प्रभारी राजेश जोशी, एसएसआई रोहताश सागर, एसएसआई गगनदीप सिंह, मंगलपड़ाव चौकी प्रभारी गौरव जोशी, आरटीओ चौकी प्रभारी वीरेंद्र चंद्र, आम्रपाली चौकी प्रभारी अविनाश मौर्य, ओखलकांडा चौकी प्रभारी मोहन सिंह सौन, लामाचौड़ चौकी प्रभारी नरेन्द्र कुमार, एएसआई मंजीत सिंह, हेड कांस्टेबल त्रिलोक रौतेला, सीसीटीवी एक्सपट हेड कांस्टेबल इसरार नवी, कांस्टेबल धीरज सुगड़ा, सुनील आगरी, रविंद्र खाती, अरुण राठौर, भूपेंद्र ज्येष्ठा, तारा सिंह राणा, रोहित कुमार, दिनेश नगरकोटी, राजेश बिष्ट, अरविन्द बिष्ट, सन्तोष सिंह, अनिल गिरी थे।

रामनगर के भलोन में बाघ का हमला श्रमिक की मौत

रामनगर : रामनगर वन प्रभाग के कोटा रेंज, पाटकोट क्षेत्र अंतर्गत भलोन में रविवार शाम बाघ के हमले से एक श्रमिक की मौत हो गई। मृतक बिहार का रहने वाला था और जीवन मिशन योजना के तहत क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम कर रहा था।

जानकारी के अनुसार घटना शाम लगभग 7 बजे पाटकोट के पास पूर्व प्रधान मनमोहन पाठक की गौशाला के समीप हुई। बाघ ने अचानक श्रमिक पर हमला कर उसे उठा लिया। कुछ दूरी पर शव बरामद किया गया, लेकिन दुर्गम क्षेत्र होने के कारण समाचार भेजे जाने तक मृतक के नाम की पुष्टि नहीं हो सकी। इस घटना से आसपास के इलाके में भय का माहौल बन गया और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। मौके पर वन विभाग की टीम तुरंत पहुंच गई और सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। मुख्य वन संरक्षक डॉ. साकेत बडोला ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि क्षेत्र में अलर्ट जारी कर निगरानी बढ़ा दी गई है। उन्होंने नागरिकों से सतर्क रहने और वन विभाग के सहयोग का आग्रह किया। उधर, राज्य आंदोलनकारी अध्यक्ष नवीन नैनवाल ने वन अधिकारियों से ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बाघ को पकड़ने की मांग की है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के सामने रखी जाएंगी मंडी कारोबारियों की समस्याएं

संवाददाता, हल्द्वानी

दर्जा मंत्री शंकर कोरंगा को ज्ञापन सौंपते मंडी कारोबारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : दर्जा राज्य मंत्री शंकर कोरंगा ने रविवार को मंडी व्यापारियों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने रखा जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि धरना प्रदर्शन के दौरान मंडी विपणन बोर्ड के अध्यक्ष अनिल कपूर डब्बू की ओर से की गई भाषा के इस्तेमाल पर वह पहले ही मांफी मांग चुके हैं।

कोरंगा ने कहा कि अनिल कपूर डब्बू सार्वजनिक रूप से भी माफी मांगने के लिए तैयार हैं। वार्ता के दौरान शंकर कोरंगा ने कहा कि व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ वह स्वयं मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। इधर, आलू-फल आढ़ती एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश चंद्र जोशी ने कहा कि व्यापारी अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर विरोध कर रहे हैं। 15 जनवरी तक व्यापारियों की मांगें पूरी नहीं होने पर वह दोबारा धरना प्रदर्शन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारी संगठन व सरकार के हित में अनिल कपूर डब्बू को पदमुक्त किया जाए। उल्लेखनीय है कि मंडी आलू-फल आढ़ती व्यापारी व मर्चेंट एसोसिएशन की ओर से बीते दिनों विभिन्न मांगों को लेकर हुए मंडी बंद और अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के दौरान मंडी विपणन बोर्ड के अध्यक्ष और व्यापारियों के बीच नोकझोंक हुई। इस दौरान अध्यक्ष की ओर से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था। वार्ता के दौरान दीपक पाठक, केशवदत्त पलड़िया, सज्जाद अली, दुर्गा दत्त तिवारी, नंदाबल्लभ बृजवासी, विपिन गुप्ता, गिरीश गुप्ता, सोनू, लक्ष्मीकांत गुप्ता, देवानंद, तरुण तेजवानी, हरीश जंतवाल रहे।

23 हजार के लिए चंदन अस्पताल ने शव को बनाया बंधक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भोटिया पड़ाव में एमबी इंटर कॉलेज के पास मौजूद चंदन हॉस्पिटल में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। अल्मोड़ा निवासी एक महिला की अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में उपचार के दौरान मौत हो गई। दो घंटे के उपचार में अस्पताल ने 80 हजार रुपये का बिल बना दिया। मृतका के पति ने किसी तरह 57 हजार रुपये का इंतजाम किया लेकिन 23 हजार का बकाया नहीं देने पर अस्पताल प्रबंधन ने शव देने से मना कर दिया और मृतका के परिजनों को डराया और धमकाया। बाद में पुलिस के हस्तक्षेप के बाद परिजन को महिला का शव दिया गया।

एसएसपी नैनीताल मंजूनाथ टीसी ने मामले का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार तीन जनवरी (शनिवार) की रात्रि में नंदन विरौड़िया निवासी गोलना करड़िया धारानौला ने एसएसपी मंजूनाथ को फोन किया। उन्होंने एसएसपी को बताया कि उनकी पत्नी सीमा बिरौड़िया को बेस अस्पताल अल्मोड़ा से रेफर कर दिया गया था। वह अपनी पत्नी को उपचार के लिए पहले डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल और बाद में चन्दन अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां इमरजेंसी में उपचार के दौरान सीमा की मृत्यु हो गई। हॉस्पिटल संचालक ने कुल 80 हजार रुपये का बिल बन गया और जब तक रुपये नहीं दोगे तब तक शव नहीं दिया जाएगा। एसएसपी ने बताया कि पीड़ित को अस्पताल प्रबंधन ने काफी डराया और धमकाया। किसी तरह से आर्थिक रूप से कमजोर नंदन ने 57 हजार रुपए का इंतजाम किया और रुपये दिए लेकिन तब भी अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि पूरे रुपये लाओ तभी शव देंगे। फिर नंदन अपने रिश्तेदारों को से उधार मांगता रहा। बाकी रुपये का इंतजाम नहीं हुआ और अस्पताल प्रबंधन पहले रुपये लाओ तब मिलेगा शव की रट लगाता रहा तब जाकर पीड़ित ने सीधे एसएसपी को सूचना दी। उनके संज्ञान में मामला आया तुरंत ही सीओ सिटी अमित कुमार को चंदन अस्पताल भेजा। पुलिस ने हस्तक्षेप किया और परिजन को शव दिलवाया और साथ ही मृतका का मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी किया।

रुपयों के लिए शव को नहीं रोका गया: चंदन अस्पताल

हल्द्वानी : चंदन अस्पताल के प्रशासनिक निदेशक गणेश दुबे ने अस्पताल का पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि यह बात गलत है कि उक्त प्रकरण में शव को अस्पताल ने रुपये न चुकाए जाने की वजह से रोका था। यह अधिकार किसी के पास भी नहीं और हम भलीभांति को इसके जानते हैं। पूरा मामला केवल बिल के भुगतान को लेकर ही था और मृतका के परिजनों से यही कहा गया कि आप शव ले जाएं इसकी मना नहीं है लेकिन बिल का पूरा भुगतान करवा दें। इस मामले में पुलिस को बिल उपलब्ध कराए गए हैं। महिला गंभीर अवस्था में बेस अस्पताल अल्मोड़ा से रेफर होकर आई थी। उनके उपचार से संबंधित डॉक्टर व अन्य इंतजाम अस्पताल में मौजूद हैं इसलिए ही उनको भर्ती किया गया था। यह दुखद है कि उपचार के दौरान वह नहीं बची। अस्पताल पूरे मानकों और नियमों के साथ ही काम करता है।

रुपये नहीं दोगे तो शव का हम करेंगे इस्तेमाल

हल्द्वानी : एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने कहा कि यह बहुत ही अमानवीय कृत्य है। चंदन अस्पताल को लेकर शिकायत मिली है और उसके आधार पर कार्रवाई भी की जा रही है। कहा कि कोई भी अस्पताल बिल न चुकाए जाने पर नियमानुसार तरीका अपना सकता है लेकिन मरीज या किसी शव के साथ ऐसा बर्ताव नहीं किया जा सकता है। कहा कि अस्पताल प्रबंधन ने पीड़ित से यह भी कहा कि अगर रुपये नहीं दोगे तो शव का हम इस्तेमाल कर लेंगे। यह एक प्रकार से रंगदारी है।

> चंदन हॉस्पिटल का मामला संज्ञान में है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से कार्रवाई के आदेश के लिए अभी जिला प्रशासन ने लिखित आदेश नहीं आया है। जैसे ही आदेश आएगा स्वास्थ्य विभाग नियमानुसार कार्रवाई करेगा।
> -डॉ. एचसी पंत, सीएमओ, नैनीताल

पुलिस ने मैनेजर को लिया हिरासत में

हल्द्वानी : चंदन अस्पताल का जब यह अमानवीय कृत्य एसएसपी मंजूनाथ के सामने आया वह दंग रह गए। उन्होंने तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए। पुलिस जब अस्पताल पहुंची तो वहां पूरा माजरा समझ आया। पुलिस ने तुरंत ही चंदन अस्पताल के मैनेजर को हिरासत में भी ले लिया है।

सर्दी का सितम

पारा 2 .4 डिग्री तक पहुंचा, अभी आगे भी शीतदिवस रहने का अनुमान

सीजन का अब तक सबसे ठंडा रहा रविवार, लोग ठिठुरे

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कड़ाके की ठंड का असर बढ़ रहा है। रविवार यानी चार जनवरी इस सीजन में सबसे ठंडा दिन रहा है। हल्द्वानी में न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री तक पहुंच गया। यही हाल पहाड़ों का भी है। पहाड़ों में तापमान में भारी गिरावट हो रही है और पाला गिर रहा है।

शनिवार को जहां पूरे दिन कोहरा छाया हुआ था तो वहीं रविवार को धूप निकल आई। गुनगुनी धूप से लोगों को ठंड से काफी राहत मिली लेकिन रात के समय पारे में जबरदस्त गिरावट आ रही है। शीतलहर भी चल रही है। शीतदिवस की स्थिति बनी हुई है। हल्द्वानी में न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री दर्ज किया गया है जो सामान्य से 3.4 डिग्री कम है। अधिकतम तापमान 17.2 डिग्री के आसपास रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह का मौसम बना रहा। मैदानी इलाकों में शीतदिवस की स्थिति रहेगी। कभी-कभी धूप निकलेगी लेकिन रात के समय पारे में गिरावट आएगी। पहाड़ी इलाकों में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मुक्तेश्वर में न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री दर्ज किया गया है।

6जनवरी को पहाड़ों में बदलेगा मौसम

हल्द्वानी : राज्य में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो सकता है और उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। राज्य के उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़ जिलों में छह जनवरी को कहीं-कहीं हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है। बर्फबारी 2800 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में हो सकती है।

जोड़ों में दर्द तो वायरल फीवर से भी परेशान

हल्द्वानी : सोबन सिंह जीना राजकीय चिकित्सालय की ओपीडी में इन दिनों मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार प्रतिदिन करीब 200 मरीज ठंड से जुड़ी बीमारियों की शिकायत लेकर उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें बुजुर्गों, बच्चों और पहले से सांस या हृदय संबंधी रोगों से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक है। चिकित्सकों का कहना है कि कोहरे और ठंड के कारण दमा, ब्रोंकाइटिस और अन्य श्वसन संबंधी रोगों के मरीजों को विशेष परेशानी हो रही है। वहीं, ठंड के चलते गठिया और जोड़ों के दर्द से पीड़ित रोगियों की तकलीफ भी बढ़ गई है। इस संबंध में चिकित्सक डॉ. जितेंद्र भट्ट ने बताया कि बदलते मौसम में लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनें, सुबह-शाम के समय कोहरे में बाहर निकलने से बचें और सर्दी-खांसी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें। साथ ही बुजुर्गों और बच्चों को विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

दुकान में लगी आग, बैट्रियां हुई खाक

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

देवलचौड़ में दुकान का हाल दिखाते दुकान मालिक शंकर भगत। ● अमृत विचार

अमृत विचार : रामपुर रोड पर बैट्री की एक दुकान पूरी रात सुलगती रही और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। सुबह जब दुकान मालिक दुकान पहुंचे तो उनके होश फाख्ता हो गए। दुकान में रखा लगभग सारा माल राख में तब्दी हो चुका था।

टीपीनगर पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर शंकर भगत की बैट्री की दुकान है। छठ पूजा सेवा समिति के उपाध्यक्ष शंकर भगत ने बताया कि शनिवार रात करीब 8 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। रविवार सुबह लोगों ने बताया कि दुकान से धुंआ निकल रहा है। सूचना मिलते ही शकंर दुकान पहुंचे और शटर उठाया तो उनके होश फाख्ता हो गए। दुकान के अंदर रखा सारा माल जल चुका था। उन्होंने बताया कि 50 से ज्यादा बड़ी, कार और बाइक की 40 से ज्यादा बैट्री, रैक, 12 से ज्यादा इन्वर्टर, इलेक्ट्रानिक तौल मशीन, पांच हजार से ज्यादा नगदी भी जलकर राख हो गई।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार,5 जनवरी 2026

नैनीताल

नैनीताल में विधायक आर्य का आवास घेरा

अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का नैनीताल में प्रदर्शन

संवाददाता, नैनीताल

अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग को लेकर नैनीताल में प्रदर्शन करतीं महिला कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की मांग को लेकर सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नैनीताल क्लब चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस और जिला कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान सभा में महिला कांग्रेस प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष जया कर्नाटक ने कहा कि वर्ष 2022 में अंकिता भंडारी की निर्मम हत्या हुई थी, लेकिन इतने वर्षों बाद भी पीड़िता को न्याय नहीं मिल पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में भाजपा सरकार की भूमिका शुरू से ही संदिग्ध रही है। जया कर्नाटक ने कहा कि हत्याकांड में एक वीवीआईपी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है और साक्ष्यों को जानबूझकर बुलडोजर चलाकर नष्ट किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि आज तक उस वीवीआईपी का नाम सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नैनीताल की विधायक ने इस गंभीर मामले में चुप्पी साध रखी है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। जया कर्नाटक ने चेतावनी दी कि जब तक अंकिता भंडारी को न्याय नहीं मिलेगा, वीवीआईपी का नाम उजागर नहीं किया जाएगा और उसे जेल नहीं भेजा जाएगा, तब तक कांग्रेस पूरे प्रदेश में चरणबद्ध तरीके से धरना-प्रदर्शन जारी रखेगी।

इस दौरान जया कर्नाटक ने भाजपा की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाल साहू के विवादित बयान का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि साहू ने बिहार की बेटियों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया, लेकिन भाजपा सरकार ने इस पर कार्रवाई करने के बजाय यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि गिरधारी लाल पार्टी से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह तर्क पूरी तरह से खोखला है, क्योंकि उनकी पत्नी न केवल भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता हैं, बल्कि उन्हें बाल एवं महिला विकास और महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जया कर्नाटक ने बताया कि इस संबंध में नैनीताल विधायक को पहले ही ज्ञापन सौंपा जा चुका है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष खष्टी बिष्ट ने कहा कि अंकिता भंडारी एक गरीब परिवार की बेटी थी, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक रिसॉर्ट में नौकरी कर रही थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि अंकिता की हत्या के बाद साक्ष्यों को मिटाने की साजिश रची गई। उन्होंने कहा कि बिस्तर जलाना और होटल को तोड़ना इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि मामले में गंभीर अपराध को छिपाने का प्रयास किया गया। खष्टी बिष्ट ने कहा कि आज उत्तराखंड की महिलाएं सड़कों पर उतरकर अंकिता को न्याय दिलाने की मांग कर रही हैं। उन्होंने धामी सरकार से मांग की कि सभी आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार जब सबूत मांगती है, तो उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि सबूत पहले ही बुलडोजर चलाकर खत्म कर दिए गए।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जेल में बंद पुलकित आर्य केवल एक मोहरा है और इस हत्याकांड के असली चेहरे अब तक सामने नहीं लाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि "गट्टू-बट्टू" कौन हैं और उनके नाम आज तक सार्वजनिक क्यों नहीं किए गए। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक अंकिता भंडारी को न्याय नहीं मिल जाता और सभी दोषियों को सजा नहीं दी जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

सिटी ब्रीफ

बास्केटबॉल के लिए 6 छात्र-छात्राओं का चयन

रामनगर : एमपी हिन्दू इंटर कॉलेज के विद्यार्थी खेल जगत में नित नए आयाम अपने नाम करते जा रहे हैं । इसी के तहत अब 6 छात्र-छात्राओं का चयन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत 69 वें राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित बास्केटबॉल प्रतियोगिता हेतु हुआ है। विद्यालय के मीडिया प्रभारी हेम चन्द्र पाण्डे ने बताया कि कक्षा 10 में अध्ययनरत प्रमोद कांडपाल का चयन अंडर - 17 बालक वर्ग में और कक्षा 11 की बालिकाएं माही, गायत्री रौतेला, दीपाक्षी बिष्ट, वैष्णवी और कक्षा 12 की बालिका निहारिका गोस्वामी का चयन अंडर- 17 बालिका वर्ग में चयन हुआ है । प्रतियोगिता 11 से 15 जनवरी 2026 तक राजनंद गांव, छत्तीसगढ़ में आयोजित होगी। खेल अध्यापक प्रकाश रावत, प्रधानाचार्य संजीव शर्मा, चारु तिवारी, गौरव शर्मा, केसी त्रिपाठी, प्रभाकर पाण्डे, नीलम सुन्दरियाल, नेहा गुप्ता आदि ने छात्रों को शुभकामनाएं दी।

पर्यटन को हो रहे नुकसान पर जताई चिंता

भीमताल : प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तराखंड के सह प्रभारी अखिलेश सेमवाल ने नव वर्ष पर नैनीताल में पर्यटकों की अपेक्षाकृत कम आमद पर चिंता जताई है। उन्होंने बताया कि इस बार क्रिसमस से नव वर्ष तक नैनीताल की माल रोड, भीमताल, भवाली और आसपास के प्रमुख बाजार अपेक्षाकृत खाली नजर आए, जिससे व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं को नुकसान हुआ। कहा कि सीमा क्षेत्रों पर अनावश्यक रूट डायवर्जन, बैरियरों पर वाहनों को बार-बार रोकना और कई जगहों पर टूरिस्ट वाहनों को शहर से बाहर ही रोकना, शहर के सभी व्यापारियों के लिए हानिकारक साबित हुआ है। सप्ताहांत एवं अवकाश के दिनों में लागू बाध्यकारी शटल सेवा ने भी पर्यटकों को बाजार तक पहुंचने से रोक दिया। अखिलेश सेमवाल ने पुलिस प्रशासन से अनुरोध किया कि बैरियरों पर वाहनों को बिना कारण रोका या वापस न किया जाए, और रूट डायवर्जन एवं शटल सेवा की व्यवस्था ऐसी हो कि यातायात नियंत्रण के साथ-साथ पर्यटकों की शहर तक सहज पहुंच सुनिश्चित हो।

मेहरा गांव में तेंदुए की उपस्थिति से दहशत

भीमताल : नगर क्षेत्र के मेहरा गांव में एक बार फिर से तेंदुआ नजर आया है। क्षेत्र के सभासद नीरज रैकुनी ने बताया कि आबादी के बीच में तेंदुए की दहाड़ से लोगों में दहशत है। तेंदुए ने एक पालतू कुत्ते को भी अपना निवाला बना दिया। बताया कि तेंदुआ पिछले छह माह के भीतर कई पशुओं को भी मार चुका है।

कोतवाली में पदोन्नत दरोगाओं के साथ अन्य अधिकारी। ● अमृत विचार

पांच पदोन्नत दरोगाओं के कंधों पर सजे स्टार

संवाददाता, रामनगर

● सीओ और कोतवाल ने कंधों पर लगाए स्टार

अमृत विचार: कोतवाली में आयोजित एक कार्यक्रम के तहत सीओ सुमित पांडे, कोतवाल सुशील कुमार ने कोतवाली एवं सीओ पेशी में पदोन्नत हुए पांच पुलिस दरोगाओं के कंधों पर स्टार लगाकर उन्हें बधाई दी।

सीओ सुमित पांडे ने बताया की कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल नसीम अहमद, तालिब हुसैन, प्रकाश चंद्र सनवाल, सुभाष चौधरी एवं पेशी में तैनात महिमन कुमार को पदोन्नति मिलने के बाद उनके कंधों पर स्टार लगाकर उन्हें उत्तराखंड पुलिस में आज से नई पारी की शुरुआत करने पर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उनसे अपेक्षा की गई की पदोन्नत कर्मचारी अब जनता के बीच जाकर उत्तराखंड मित्र पुलिस के स्लोगन को सार्थक बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से करेंगे। इस दौरान कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक महेंद्र प्रसाद, वरिष्ठ उप निरीक्षक दीपक बिष्ट, मालधन पुलिस चौकी इंचार्ज धर्मेन्द्र कुमार,स्पेशल ब्रांच के इंचार्ज शेर बहादुर,एसआई धर्मवीर सिंह, कांस्टेबल महबूब आलम,कांस्टेबल संजय कुमार, कांस्टेबल शेखर बिष्ट, कांस्टेबल पुष्पेंद्र रावत मौजूद रहे।

109.77 लाख रुपये से बनेंगे तीन आंतरिक मार्ग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर विधान सभा क्षेत्र में 109.77 लाख रुपये के आंतरिक मार्गों की स्वीकृति शासन से मिल चुकी है। यह जानकारी विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने दी।

उन्होंने बताया कि विधानसभा रामनगर में राज्य योजना के अंतर्गत चिल्किया नैनी. सीड्स होते हुए मोटर मार्ग राशि 41.11 लाख, ग्राम बसई मंशाधाम कालोनी में आंतरिक मार्गों के निर्माण हेतु 44.68 लाख व जिला खनिज न्यास निधि से चिल्किया में कालूसिद्ध मोटर मार्ग के सुधारीकरण हेतु 23.98 लाख यानी तीनों मार्गों के लिए कुल109.77 लाख रुपये की स्वीकृति करवाई गई है। शीघ्र ही विभागीय कार्यवाही उपरान्त मार्गों के कार्यों को शुरू कराया जायेगा। मार्गों की स्वीकृति कराने पर चिल्किया ग्राम प्रधान तनुप्रिया, बसई ग्राम प्रधान रचना रावत, रवि विनय, जसवंत सिंह, सलिल गुप्ता, दिनेश नौटियाल, ब्रजेश ध्यानी, सुनील साह, आकाश कश्यप, बसंती राणा, अंशिका मेंदौलिया, पुष्कर चौहान, संजय भंडारी, विजय सिंह आदि ग्रामवासियों ने विधायक का आभार जताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की है।

मो. इमरान बने बस यूनियन के उपाध्यक्ष

रामनगर: रामनगर, काशीपुर, जसपुर एवं हल्द्वानी बस यूनियन की एक महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से बस यूनियन अध्यक्ष अभय क्वीरा ने मोहल्ला गूलरघट्टी निवासी मोहम्मद इमरान को यूनियन का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनकी नियुक्ति पर यूनियन पदाधिकारियों व बस ऑपरेटरों में हर्ष है। मोहम्मद इमरान लंबे समय से परिवहन क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। वह संगठन क्षमता व व्यवहार कुशलता के लिए जाने जाते हैं। नवनियुक्त उपाध्यक्ष मोहमद इमरान ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे यूनियन की जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाएंगे। यहां सभासद शमीम अहमद, बाबर खान, मोहसीन रहे।

बुलडोजर बेदखली का होगा पुरजोर विरोध

रामनगर, संवाददाता

रामनगर में आयोजित जन सम्मेलन में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भवानीगंज रामलीला मैदान में आयोजित जन सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए जन संगठनों और राजनीतिक दलों के नेताओं ने भाजपा सरकार द्वारा बुलडोजर चला कर लोगों को बेदखल करने की कार्रवाई को जनविरोधी, संविधान विरोधी और गैरकानूनी करार दिया। उन्होंने इसके खिलाफ एकजुट होकर सड़क पर संघर्ष तेज करने और उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी करने का निर्णय लिया। सम्मेलन में आगामी एक माह के भीतर गढ़वाल में भी बुलडोजर राज के खिलाफ जन सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव पारित किया गया।

सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता रविंद्र गढ़िया ने कहा कि जनता ही जमीन की वास्तविक मालिक है और प्रशासन का काम उनका संरक्षण करना है, न कि बेदखल करना। उन्होंने वनाधिकार कानून 2006 को लागू करने, हटाए गए लोगों का पुनर्वास और जंगली जानवरों से सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई। सम्मेलन में जनवादी संगठनों के कई प्रतिनिधि मौजूद रहे। इसमें जन कवि बल्ली सिंह चीमा, महिला किसान अधिकार मंच की हीरा जंगपांगी, वन पंचायत संघर्ष मोर्चा के तरुण जोशी, चेतना आंदोलन के शंकर गोपाल, उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के प्रभात ध्यानी, महिला एकता मंच की सरस्वती जोशी, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की तुलसी छिंबाल और अन्य शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन रेनू सैनी और ललित उप्रेती ने किया।

स्कूल की आधारशिला रखते बोर्ड सचिव वीपी सिमल्टी। ● अमृत विचार

सांवल्दे में सायंकालीन स्कूल की आधारशिला रखी

रामनगर : रचनात्मक शिक्षक मंडल की पहल पर सांवल्दे पश्चिम क्षेत्र में 2000 से अधिक बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यहां जोतीबा फुले-सावित्रीबाई फुले सायंकालीन स्कूल की स्थापना की जा रही है, जिसकी विधिवत आधारशिला रविवार को उत्तराखंड शिक्षा परिषद के सचिव वीपी सिमल्टी ने रखी। इस अवसर पर बोर्ड सचिव वीपी सिमल्टी ने रचनात्मक शिक्षक मंडल द्वारा शुरू की जा रही इस शैक्षिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह सायंकालीन स्कूल क्षेत्र के ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शिक्षा का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रयास बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। रचनात्मक शिक्षक मंडल के संयोजक नवेंदु मठपाल ने बताया कि सांवल्दे पश्चिम एवं आसपास के लगभग 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले दो हजार से अधिक बच्चों को इस शैक्षिक अभियान से जोड़ा जाएगा।

हैंडबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

लालकुआं, संवाददाता

हैंडबॉल खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरेंद्र बोरा।

अमृत विचार: आदर्श इंटर कॉलेज, संजय नगर, बिंदुखत्ता में तीन दिवसीय अंतर राज्यस्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरेंद्र बोरा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की प्रतियोगिताओं के आयोजन से प्रतिभाओं को सामने आने का मौका मिलेगा।

कांग्रेस के पीसीसी सदस्य नरेंद्र सिंह बोरा ने भी कहा कि जहां आज की युवा पीढ़ी शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नशे की ओर आकर्षित हो रही है, ऐसे समय में खेलकूद कार्यक्रम युवाओं के विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में हल्द्वानी, रानीखेत, ओखल कांडा, कोटद्वार, देहरादून, बुलंदशहर, मेरठ, बरेली, रुद्रपुर, मुरादाबाद और अलीगढ़ सहित कुल 13 टीमें भाग ले रही हैं। पहले दिन हुए मुकाबलों में हल्द्वानी की टीम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने में सफल रही, जबकि रानीखेत आर्मी ने अलीगढ़ को तीन गोल से हराया। बिंदुखत्ता हैंडबॉल समिति के आयोजक सचिन बथ्याल ने बताया कि विजेता टीम को 15,000, द्वितीय रही टीम को 7,500 तथा तृतीय स्थान प्राप्त टीम को ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। यहां कुंदन सिंह मेहता, धर्म सिंह शाही, दुर्गा सिंह बथ्याल, और बिंदुखत्ता हैंडबॉल समिति के धीरज बिष्ट, नरेश शाही, धीरज मेहता रही।

चुरगुन क्षेत्र में 1.40 करोड़ से कई कार्य पूरे

भीमताल : भीमताल क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड संख्या दो, साकेत कॉलोनी चुरगुन क्षेत्र में एक करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से सड़क, सीवर लाइन एवं पेयजल लाइन के सभी कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष डीके डालाकोटी ने बताया कि यह उपलब्धि एक वर्ष के प्रयासों का परिणाम है। बताया कि 63.70 लाख रुपये अल्पसंख्यक कल्याण मद से सड़क एवं सीवर लाइन का कार्य कराया गया, जबकि 45 लाख रुपये जिला योजना मद से सीवर लाइन तथा 30 लाख रुपये नगर पालिका मद से पेयजल लाइन के कार्य पूरे किए गए हैं। क्षेत्रवासियों ने नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पालिकाध्यक्ष सीमा टम्टा, आयुक्त दीपक रावत का आभार जताया।

जानवरों से परेशान ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: पिछले दिनों अपर जिलाधिकारी नैनीताल शैलेंद्र सिंह नेगी द्वारा रात्रि विश्राम कार्यक्रम के तहत चौपाल का आयोजन किया गया था। इस दौरान ग्रामीणों ने कृषि भूमि को जंगली जानवरों से बचाने तथा बंदरों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की शिकायत की थी।

चौपाल के दौरान अपर जिलाधिकारी ने दूरभाष के माध्यम से सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) नैनीताल को बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके पश्चात ग्राम प्रधान राधा कुल्याल ने भी वन क्षेत्राधिकारी (रेंज अधिकारी) विजय मेलकानी से बंदरों को पकड़वाने की मांग की, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी ग्राम पंचायत क्षेत्र में कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति रोष है। इसी क्रम में ग्राम प्रधान राधा कुल्याल के नेतृत्व में ग्राम पंचायत में बैठक की गई, जिसमें वन विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई गई। बैठक में ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो रेंज कार्यालय भवाली का घेराव किया जाएगा। बैठक में राजेंद्र सिंह कुल्याल, नारायण सिंह कुल्याल, मनोज कुमार सिंह, चंदन सिंह कुल्याल, बालम सिंह कुल्याल, हरेंद्र सिंह कुल्याल आदि रहे।

आयोजन | नाबार्ड द्वारा चेष्टा विकास संस्था के सहयोग से रामलीला मैदान, शीशमहल में पांच दिनी शीत महोत्सव का आयोजन

महिला उद्यमी मेला शुरू, हस्तनिर्मित उत्पादों की धूम

संवाददाता, भीमताल

हस्तनिर्मित उत्पादों के बाजार का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भीमताल क्षेत्र की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने तथा उनके द्वारा निर्मित उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नाबार्ड द्वारा चेष्टा विकास संस्था, ज्योलिकोट के सहयोग से रामलीला मैदान, शीशमहल काठगोदाम में पांच दिवसीय शीत महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नैनीताल विधायक सरिता आर्य एवं भीमताल ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर विधायक सरिता आर्य ने महिला उद्यमियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं। ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने कहा कि पहाड़ों में अपार संभावनाएं हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद यहां की महिलाएं आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही हैं। ऐसे मेलों के आयोजन से महिलाओं की आजीविका में निश्चित रूप से वृद्धि होगी। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मुकेश बेलवाल ने बताया कि नाबार्ड ग्रामीण विकास में अहम भूमिका निभा रहा है। इसके सहयोग से कृषि, पशुपालन, बागवानी सहित अनेक रोजगारपरक योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में दिया जा रहा है। मेले में महिला उद्यमियों द्वारा निर्मित हस्तनिर्मित उत्पादों के 25 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। विधायक एवं ब्लॉक प्रमुख ने स्टॉलों का निरीक्षण कर आम जनता से अधिक से अधिक खरीदारी करने की अपील की, ताकि स्वयं सहायता समूहों की आय में वृद्धि हो सके। कार्यक्रम का संचालन वित्तीय जागरूकता सलाहकार बीडी नैनवाल ने किया। इस दौरान महिलाओं एवं लोक संस्कृति टीम, खुरपाताल द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक कृष्ण कुमार ने बैंक की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, सरकार द्वारा संचालित रोजगारपरक ऋण योजनाओं तथा नारी सशक्तिकरण की दिशा में बैंक द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

इस अवसर पर चेष्टा संस्था की अध्यक्ष सुमन अधिकारी, दीपक बिष्ट, रैना, क्षेत्र पंचायत सदस्य हरीश पलड़िया, नवीन पांडे, गौरव रमोला, ग्राम प्रधान प्रेमलता, नवीन पलड़िया, ललित मोहन, महेश भंडारी, कुंदन जीना, धीरेन्द्र सिंह, कमल दीपक सहित अनेक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं उपस्थित रहीं।

वीकेंड पर नैनीताल में उमड़े पर्यटक

संवाददाता, नैनीताल

नैनीताल में नौकायन करते पर्यटक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: नये साल के बाद पहले वीकेंड पर सरोवर नगरी नैनीताल एक बार फिर पर्यटकों से गुलजार नजर आई। शनिवार और रविवार को देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में सैलानी नैनीताल पहुंचे, जिससे शहर सहित आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों में रौनक लौट आई।

वीकेंड का आनंद लेने पहुंचे पर्यटकों की भीड़ से होटल, रेस्टोरेंट, टैक्सी, नाव संचालन समेत पर्यटन से जुड़े व्यवसायों में खासा उत्साह देखने को मिला। पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों के चेहरे खिले नजर आए। रविवार को नैनीताल के प्रमुख पर्यटक स्थलों स्नो व्यू प्वाइंट, हिमालय दर्शन, हाई एल्टीट्यूड जू, केव गार्डन, बॉटनिकल गार्डन, वाटरफॉल, हनुमानगढ़ी और सरिताताल में दिनभर पर्यटकों की आवाजाही बनी रही। सैलानियों ने ठंडे मौसम और पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता का जमकर आनंद लिया। माल रोड पर भी देर शाम तक चहल-पहल देखने को मिली, जहां पर्यटक खरीदारी करते और नैनी झील के किनारे टहलते नजर आए। नैनी झील में नौकाविहार करने वालों का पूरे दिन तांता लगा रहा। नाव चालकों एसोसिएशन के अध्यक्ष राम सिंह ने बताया कि वीकेंड के चलते अन्य दिनों की तुलना में यात्रियों की संख्या में अच्छी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शहर के साथ-साथ आसपास के पर्यटन स्थलों पंगोट, मुक्तेश्वर, रामगढ़, भीमताल, सातताल, कैंची धाम और भवाली में भी पर्यटकों की भीड़ बढ़ी रही।

सिटी ब्रीफ

यूसीसी कैंप में 57 लोगों ने कराया पंजीकरण

हल्द्वानी : राजेन्द्र नगर वार्ड 12 में यूसीसी विवाह पंजीकरण का निशुल्क कैंप आयोजित किया गया। कैंप में कुल 57 लोगों ने विवाह पंजीकरण कराया। पार्षद प्रीति आर्या ने बताया कि समय-समय पर इस तरह के कैंप आयोजित किए जाते हैं ताकि आम लोगों को सुविधा मिल सके। 10 जनवरी को पुन : यूसीसी विवाह पंजीकरण का निशुल्क कैंप आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर हेमंत साहू, राम लाल गुप्ता, विशाल आर्या, रविन्द्र नाथ गोस्वामी, प्रीति पाल, करन त्यागी, नरेंद्र कुमार आदि रहे।

कार मैकेनिक पर किया धारदार हथियार से हमला

हल्द्वानी : दुकान को अतिक्रमण बता कर कुछ लोगों ने एक कार मकैनिक पर हमला कर दिया। धारदार हथियार से हुए हमले में मकैनिक लहूलुहान हो गया। आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल ने काठगोदाम पुलिस को तहरीर सौंपी है। काठगोदाम निवासी बबलू कार मकैनिक है। बबलू का आरोप है कि दो दिन पहले उसकी दुकान पर चार गाड़ियों से 15 से 20 युवक आए। युवकों ने दुकान को अतिक्रमण बताते हुए दुकान खाली करने को कहा। इस पर विवाद हो गया और आरोपी युवकों ने धारदार हथियार से बबलू पर हमला कर दिया। पड़ोसी दुकानदारों ने बबलू को अस्पताल पहुंचा। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। उसने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

संस्कृति और पहचान के संरक्षण को निकाला पहाड़ी पथ संचलन

बड़ी संख्या में बुजुर्गों, युवाओं, महिलाओं व बच्चों ने उत्साह के साथ लिया संचलन में भाग

संवाददाता, हल्द्वानी

हीरानगर स्थित गोल्ज्यू मंदिर से पहाड़ी नगर पथ संचलन निकालते पहाड़ी आर्मी संगठन के सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शहर में रविवार को पहाड़ी संस्कृति, बोली, भाषा, रहन-सहन, लोकगीत, लोक देवता और लोक परंपरा को संरक्षित करने के उद्देश्य से पहाड़ी नगर पथ संचलन निकाला गया। इस संचलन में हजारों लोग, बुजुर्गों, युवाओं, महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में शामिल हुए और अपनी सांस्कृतिक को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया।

पहाड़ी आर्मी के संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत ने बताया कि लगातार पहाड़ की संस्कृति विलुप्त हो रही है। युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के लिए यह पथ संचलन कार्यक्रम किया गया। उनका कहना था कि कार्यक्रम का उद्देश्य अपने बुजुर्गों की बनाई गई परंपराओं का पालन करना, पहाड़ के लोक देवता, लोक नृत्य, लोक कला और लोक भाषा के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना है। पहाड़ी पथ संचलन की शुरूआत गोलू देवता मंदिर हीरानगर से शगुन-आखर गाते हुए हुई और यह जेल रोड, कालू सिद्ध मंदिर होते हुए डीडी पंत पार्क में समाप्त हुआ। संचलन में शामिल रैलीमें लोगों के हाथों में अपने त्योहार, अपनी कला, अपने ईष्ट देवता और अपनी शैली के पोस्टर थे। संचलन में पहाड़ी आर्मी उत्तराखंड के गेरुआ झंडे और पहाड़ी हिंदू सशक्तिकरण अभियान झंडों के साथ लहराते दिखे। सभी पुरुषों ने पहाड़ की परंपरा अनुसार सफेद टोपी और हाथों में लाठी लेकर शामिल हुए महिलाओं ने पारंपरिक पहाड़ी शैली में कमर में रस्सी और दरांती, पहाड़ी आभूषण पहनकर भाग लिया। इस अवसर पर माता जिया रानी और रानी कर्णावती मुख्य आकर्षण के केंद्र रहे। बच्चियों ने पहाड़ की वीर नारियों की वीरता को दर्शाया। महिला दीपा पांडे और प्रेमा मेर ने कहा कि अपनी संस्कृति और सभ्यता को संजो कर रखना हमारे लिए गर्व की बात है। पथ संचलन का नेतृत्व पहाड़ी आर्मी के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कांडपाल ने किया। संचलन में हरेन्द्र राणा, गीता बिष्ट, बसंत सिंह, मोहन सिंह बुरा, नीला बिष्ट सहित सैकड़ों लोग रहे।

विनियमितीकरण के लिए कटऑफ तिथि 31 दिसंबर की जाए

हल्द्वानी : विनियमितिकरण नियमावली की कटऑफ तिथि 31 दिसंबर 2025 करने की मांग प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत संविदा और गेस्ट प्राध्यापक लगातार कर रहे हैं। प्राध्यापकों ने रविवार को डॉ. प्रदीप पांडे के नेतृत्व में सांसद अजय भट्ट से मुलाकात की।

उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ने यूजीसी व शासन के नियमानुसार 2014-2015 में गेस्ट प्राध्यापकों की नियुक्ति की थी। संविदा व गेस्ट फैकल्टी (2014-2015) को 10 साल शिक्षण कार्य करते हुए पूरा हो चुके हैं।

उल्लेखनीय है कि सरकार भी संविदा में कार्य करते हुए 10 साल पूरे करने वाले कार्मिकों को नियमित कर रही है। लेकिन शासन ने 4 दिसंबर 2018 कट ऑफ डेट निर्धारित कर विनियमितीकरण नियमावली बनाई है, जिसका लाभ 2014-2015 में लगे गेस्ट फैकल्टी को नहीं मिल रहा है। प्राध्यापकों ने विनियमितिकरण नियमावली की कटऑफ तिथि 31 दिसंबर 2025 करने की मांग की है, ताकि पिछले 10 सालों से संविदा में कार्य कर रहे युवा इसके दायरे में आ सकें।

महिलाओं को रोजगार कौशल का मिला मंच

महोत्सव में दर्जा राज्य मंत्री रेनू अधिकारी व जिला पंचायत सदस्य छवि कांडपाल।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : चेष्टा विकास संस्था व नाबार्ड के सहयोग से आयोजित शीत महोत्सव का रविवार को चौथा दिन रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूह की 25 से अधिक महिलाओं ने अपने स्वनिर्मित अचार, मसाले, दालें, ऊनी कपड़े और वुडन क्राफ्ट सहित अन्य उत्पादों का विपणन किया।

रविवार को मुख्य अतिथि दर्जा राज्य मंत्री रेनू अधिकारी ने सभी समूहों की महिलाओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें अधिक से अधिक सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य डॉ. छवि कांडपाल ने भी उपस्थित होकर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मुकेश बेलवाल भी उपस्थित रहे। चार दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रथम दिवस पर उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक कृष्ण कुमार और प्रबंधक दीपक पांडे ने महिलाओं को रोजगार के क्षेत्र में दिए जा रहे वित्तीय सहायता और सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

साथ ही वित्तीय जागरूकता सलाहकार बीडी नैनवाल ने महिलाओं को मोबाइल बैंकिंग और डिजिटल बैंकिंग के लाभ व सावधानियों से अवगत कराया। इसके साथ ही शीत महोत्सव में ऐपण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें 30 से अधिक महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

बसंत अध्यक्ष कमलेश बने महासचिव

एनएचएम जिला कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा कर्मियों की जिला स्तरीय बैठक हुई। जिला कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया व राज्य सरकार से विनियमितिकरण और समायोजन की मांग की।

नवाबी रोड स्थित एक धर्मशाला में एनएचएम संविदा कर्मी जिला नैनीताल की कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया। सर्वसम्मति से बसंत गोस्वामी को अध्यक्ष और कमलेश बचखेती को महासचिव चुना गया। कार्यकारिणी में दीपक कांडपाल को उपाध्यक्ष, राधा मेहता को महिला उपाध्यक्ष, हेम सिंह जलाल को कोषाध्यक्ष, पारस साह को ऑडिटर की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा गीता देव को सचिव, डॉ. संजय जनोटी को संगठन मंत्री (पुरुष), स्मिता तिवारी को संगठन मंत्री (महिला) चुना गया। प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी प्रमोद भट्ट और दीवान सिंह बिष्ट को सौंपी गई। जिला यूनियन के संरक्षक डॉ. कृष्ण मुरारी गुप्ता और मदन मेहरा रहेंगे। प्रबंधकारिणी सदस्य दिनेश रावत, जितेंद्र गुणवंत, डॉ. पीसी पांडेय रहेंगे। कोर कमेटी में डॉ. संजय चौहान, पंकज तिवारी, सरयू नंदन जोशी, प्रताप सिंह बिष्ट, दिनेश मठपाल और शिकायत प्रकोष्ठ में पूनम कठायत, डॉ. रमेश चंद्र सिंह राना, मेघा गुरुरानी भट्ट, सुरेन्द्र सिंह बिष्ट व वीरेंद्र रावत रहेंगे। नव निर्वाचित अध्यक्ष बसंत गोस्वामी ने कहा कि जिले में करीब 500 कर्मचारी संविदा और आउटसोर्स से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न पदों पर सेवा दे रहे हैं।

परिचालक ने परिवार के साथ बस से उतारा यात्री

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हल्द्वानी से दिल्ली जा रही काठगोदाम डिपो की अनुबंधित बस में कंडक्टर की ओर से यात्रियों के साथ अभद्रता करने का मामला सामने आया है। परिचालक ने यात्री के परिवार को बीच रास्ते की सवारी होने की बात कह कर जबरन बस से उतार दिया। शिकायत के बाद रोडवेज प्रबंधन ने जांच शुरू कर दी है।

रविवार सुबह एक व्यक्ति अपने परिवार के साथ काठगोदाम रूट की दिल्ली जा रही बस में बैठा। परिचालक को सवारी के रामपुर तक जाने के बारे में पता चला तो उसने पहले कहा कि बस ऑनलाइन फुल हो चुकी है। जब व्यक्ति ने अन्य यात्रियों से पूछा तो उन्होंने बताया कि उन्होंने ऑफ लाइन टिकट लिया है।

इसके बाद परिचालक ने बीच रास्ते की सवारी नहीं बैठाने की बात कह कर पूरे परिवार को बस से नीचे उतार दिया।

परिचालकों की मनमर्जी से यात्री रहते हैं परेशान

रोडवेज के परिचालकों की मनमर्जी से आए दिन यात्री परेशान रहते हैं। परिचालक कई बार बस में चढ़ते ही बीच के रूट के यात्रियों को बस में नहीं बैठने के लिए कहते हैं। आए दिन यात्रियों को स्टेशन पर उतरने पर मजबूर किया जाता है। रूट में निर्धारित स्टॉप पर बसों को नहीं रोका जाता है। यात्री इसकी शिकायत पूर्व में भी कई बार निगम प्रबंधन से कर चुके हैं।

भाजपा ने कांग्रेस का पुतला फूंका

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा महिला मोर्चा ने रविवार को नैनीताल रोड स्थित बुद्ध पार्क में कांग्रेस का पुतला दहन किया। उन्होंने अंकिता भंडारी हत्याकांड में कांग्रेस की ओर से लगाए जा रहे आरोपों के विरोध में कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट ने कांग्रेस पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में लिप्त होने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि सत्ता से बाहर होने के बाद कांग्रेस मुद्दा विहीन हो गई, अंकिता भंडारी हत्याकांड जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर लगातार तथ्यहीन, भ्रामक और घृणित राजनीति कर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं पर निराधार आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। सरकार ने इस जघन्य अपराध में त्वरित, निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई करते हुए दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ, अफवाह और सोशल मीडिया के सहारे प्रदेश का वातावरण बिगाड़ने का प्रयास कर रही है। यदि कांग्रेस के पास इस मामले से संबंधित कोई ठोस सबूत हैं, तो उन्हें सार्वजनिक बयानबाजी के बजाय कोर्ट में पेश करना चाहिए। इस दौरान प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल, विधायक सरिता आर्य, दर्जा मंत्री सुरेश भट्ट, शंकर कोरंगा, जिला महामंत्री रंजन बर्गली एवं विनीत अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष नवीन भट्ट, प्रताप सिंह बोरा, प्रतिभा जोशी, नीरज बिष्ट, जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कंचन उप्रेती, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष गणेश साह, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र बाली, विनोद तिवारी रहे।

बुद्ध पार्क में कांग्रेस का पुतला फूंकते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

हल्द्वानी के बचीनगर में लोगों की समस्याएं सुनते विकास भगत। ● अमृत विचार

विकास भगत ने बचीनगर में सुनीं जनसमस्याएं

हल्द्वानी, अमृत विचार : भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं विधायक प्रतिनिधि विकास भगत ने रविवार को कालाढूंगी विधानसभा के हल्द्वानी ब्लाक के बचीनगर ग्राम सभा में प्रधान भीम बिष्ट के साथ हरकपुर क्वीरा में जनता की समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास भगत ने कहा की विधायक बंशीधर भगत के प्रयासों से बची नगर के हरकपुर क्वीरा एवं बोरा कॉलोनी की मुख्य सड़कों को स्वीकृति प्रदान की गई है। हरकपुर क्वीरा की खराब सिंचाई गूल का भी दोबारा निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। क्षेत्र की तमाम अन्य समस्याओं के समाधान के प्रयास भी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार में तेजी से विकास कार्य किये जा रहे हैं जिनको जल्द धरातल पर देखा जा सकेगा।

सृष्टि ने राष्ट्रीय कराटे में जीते तीन पदक

हल्द्वानी : द आनंदा अकादमी की कक्षा 6 की छात्रा सृष्टि थापा ने दिल्ली में आयोजित तीसरी राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कूल और जिले का नाम रोशन किया।

राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में सृष्टि ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर अपनी कड़ी मेहनत का सबूत पेश किया। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर अकादमी प्रबंधक भूपेंद्र सिंह बिष्ट, निदेशक दीक्षा बिष्ट, प्रधानाचार्या माया बिष्ट और शिक्षक मंडली ने उन्हें बधाई दी। प्रबंधक भूपेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा, सृष्टि ने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से यह साबित किया कि युवा प्रतिभा अगर सही दिशा में मार्गदर्शन और समर्थन पाएं तो राष्ट्रीय स्तर पर भी नाम रोशन कर सकती है।

सीएम धामी से की वन्यजीवों के आतंक से निजात दिलाने की मांग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

सीएम पुष्कर सिंह धामी को पत्र सौंपते विधायक राम सिंह कैड़ा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने रविवार को देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। उन्होंने भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा, धारी, रामगढ़ व भीमताल के विभिन्न गांवों में बढ़ते आदमखोर बाघ या तेंदुए के हमलों की जानकारी दी।

विधायक ने सीएम को बताया कि बीते दिनों धारी के तल्ली दिनी व ओखलकांडा के चमोली में 2 दो महिलाओं को बाघ/तेंदुए ने अपना निवाला बना दिया है इन घटनाओं से ग्रामीण काफी भयभीत हैं। वे घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। गांव-गांव में डर का माहौल निरंतर बना हुआ है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से आदमखोर बाघ या तेंदुए को यथाशीघ्र मारने के लिए निजी शिकारियों की टीम को भेजने, जंगल से लगी ग्राम सभाओं में सोलर स्ट्रीट लाईटों लगावने, गांव में चारे की व्यवस्था, उपरोक्त घटना में बाघ या गुलदार से निवाला बनाए मृतकों के परिवारों में से एक सदस्य को मृतक आश्रित के रूप में नौकरी देने व गांवो में सोलर फेंसिंग लगवाने के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित करने का आग्रह किया। इस पर सीएम ने वन विभाग को उचित कार्यवाही के निर्देश दिए।

मंडी में नई दुकानें निशुल्क आवंटित करने की मांग

- देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के संस्थापक अध्यक्ष हुकुम सिंह कुंवर ने विपणन बोर्ड अध्यक्ष डब्बू से की वार्ता

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के संस्थापक अध्यक्ष हुकुम सिंह कुंवर ने मंडियों में बनी नई दुकानों को लंबे समय से काम कर रहे दुकानदारों को निशुल्क आवंटित किए जाने की मांग की। उन्होंने इसे लेकर मंडी विपणन बोर्ड के अध्यक्ष अनिल कपूर डब्बू से वार्ता की।

कुंवर ने कहा कि पुराने दुकानदारों के किराए में बढ़ोतरी न कर उन्हें टैक्स फ्री किया जाए। यदि किसी ने दुकानें दो मंजिला बनाई हैं तो उसे दुकानदार के नाम रेगुलर किए जाए। इस पर अनिल कपूर डब्बू ने सहमति जताते हुए कहा कि लंबे समय से काम कर रहे दुकानदारों व किसानों को सस्ती दरों में दुकानें आवंटित किए जाने का प्रस्ताव सरकार के सामने रखा जाएगा।

हुकम सिंह कुंवर ने कहा कि वह इस संबंध में शीघ्र मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मिलकर मंडियों में निशुल्क दुकानों के आवंटन, पुराने दुकानदारों को टैक्स फ्री करने और दो मंजिला दुकानों को रेगुलर करने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल हमेशा व्यापारी हितों के लिए संघर्ष करता रहेगा।

क्रिकेट | टी-20 लीग में कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके बीच 18 रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे

अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में पहली बार टी-20 लीग का आयोजन

- इंदिरा गांधी खेल परिसर के क्रिकेट मैदान में खेले जाएंगे मैच
- लीग के आयोजन से खेल गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : क्रिकेट प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। इस माह जनवरी में एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग (ईवीसीएल) का आयोजन किया जाएगा। इस टी-20 लीग में कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके बीच 18 रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। लीग के सभी मैच गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर के क्रिकेट मैदान में आयोजित किए जाएंगे।

ईवीसीएल में स्टैलन राइडर, हल्द्वानी टाइगर, मसूरी किंग्स, दिल्ली नाइट, वाराणसी चाइपर और यूपी किंग्स की टीमें प्रतिभाग करेंगी। लीग में उत्तर भारत के कई उभरते और अनुभवी खिलाड़ी अपना दमखम दिखाएंगे। गौलापार के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में वर्ष 2016 में क्रिकेट मैदान का निर्माण किया गया था। लगभग नौ साल पहले बने इस मैदान में क्रिकेट प्रेमियों के लिए 10 हजार से अधिक दर्शक क्षमता वाला भव्य पवेलियन भी मौजूद है। आधुनिक सुविधाओं से लैस यह मैदान पहले भी कई बड़े खेल आयोजनों का गवाह बन चुका है। ईवीसीएल का उद्देश्य क्षेत्रीय क्रिकेट को बढ़ावा देना और स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। लीग के आयोजन से न केवल खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र में खेल पर्यटन को भी नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

ईवीसीएल से उत्तराखंड के क्रिकेट को मिलेगी नई पहचान: राशिका सिद्दीकी

उप निदेशक खेल कुमाऊं राशिका सिद्दीकी ने बताया कि यह हर्ष का विषय है कि गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में पहली बार इतनी बड़ी क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग जैसे आयोजन से न केवल स्थानीय और उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलेगा, बल्कि उत्तराखंड के खेल ढांचे को भी नई पहचान मिलेगी। यह मैदान आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है और ऐसे आयोजनों के लिए पूरी तरह सक्षम है। हमें उम्मीद है कि ईवीसीएल के माध्यम से क्षेत्रीय क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं में खेल के प्रति उत्साह और बढ़ेगा।

कैबिनेट मंत्री के पति पर हो कार्रवाई

हल्द्वानी में कोतवाल को ज्ञापन सौंपते उक्रांद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उत्तराखंड क्रांति दल ने कोतवाली में लिखित शिकायत पत्र दिया जिसमें कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या के पति गिरधारी लाल साहू के एक बयान पर गैर-जिम्मेदाराना बताया है।

यूकेडी केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल ने कहा कि उनका बिहार की महिलाओं के संदर्भ दिया गया बयान अत्यंत निंदनीय है और मानव तस्करी, महिलाओं के शोषण, जबरन विवाह जैसे गंभीर अपराधों की ओर सीधा संकेत करता है। यदि यह कथन सत्य है तो यह संगठित अपराध की श्रेणी में आता है और यदि असत्य है तो यह समाज में भय और भ्रम फैलाने वाला गैर-जिम्मेदाराना बयान है। पुलिस से मांग की गई है कि इस बयान का तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष हरीश चंद्र जोशी, काजल खत्री, कोषाध्यक्ष हरीश पांडे, मनमीत सिंह, करण जोशी, सावन उनियाल आदि रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , सोमवार,5 जनवरी 2026

रुद्रपुर

विधायक चैंपियनशिप के अंतिम दिन खिलाड़ियों ने जीते मेडल

तीन दिवसीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल व मुर्गा झपट की स्पर्धाओं में दिखाया दमखम, हासिल किए पदक

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय विधायक चैंपियनशिप ट्रॉफी के अंतिम दिन जेनेसिस इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खेल मैदान में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। रविवार को अंतिम दिन खिलाड़ियों में उत्साह व रोमांच चरम पर रहा। एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल व मुर्गा झपट की स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने दमखम दिखा पदक हासिल किए। अंडर-19 बालिका वर्ग की 800 मीटर दौड़ में पीएम श्री नेहरू राइका की शालिनी ने गोल्ड जीता। वहीं विभिन्न विधाओं में हासिल पदकों की चमक से खिलाड़ियों के चेहरे खिल उठे।

ब्लॉक खेल समन्वयक केशव सिंह ने बताया कि 100 मी फर्राटा दौड़ में निकिता सैनी ने स्वर्ण, पायल ने रजत, व जयसंतोषी ने कास्य पदक जीता। 200 मीटर दौड़ में निकिता कुमारी, खुशी व जय संतोषी क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में निकिता कुमारी ने सोना, शालिनी ने चांदी व गुनगुन ने तांबा जीता । 800 मीटर दौड़ में शालिनी ने गोल्ड, नीतू चौहान ने सिल्वर व वंशिका ने कास्य पदक जीता। 1500 व 3000 मी दौड़ में तारा ने गोल्ड पदक हासिल कर जीत दर्ज कराई। इसी स्पर्धा में पीएम श्री नेहरू राइका की लक्ष्मी ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया । लंबी कूद में निकेता सैनी ने स्वर्णिम छलांग लगाई। जबकि सिमरन व खुशी क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रही। चक्का थ्रो एवं गोला क्षेपण में वर्णिका त्यागी ने गोल्ड जीता । पीएम श्री नेहरू राइका की पायल ने सिल्वर व नरगिस ने कास्य पदक जीता। भाला फेंक में कनिष्का चौधरी ने स्वर्ण और अंशिका चौहान ने रजत जीता। कबड्डी की स्पर्धा में न्याय पंचायत अहमदनगर विजेता व न्याय पंचायत पूरनपुर का पीएम श्री नेहरू राइका उपविजेता रहा। खो-खो में न्याय पंचायत मेघावाला ने न्याय पंचायत पूरनपुर को हराकर स्वर्ण जीता। वॉलीबॉल की स्पर्धा में जेनेसिस सीनियर सेकेंडरी स्कूल व जीजीआईसी जसपुर के बीच हुए कड़े मुकाबले में जेनेसिस स्कूल ने विजय प्राप्त की। मुर्गा झपट में दीक्षा देवी ने गोल्ड जीता। प्रतियोगिता के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे राजकीय शिक्षक संघ के पूर्व महामंत्री डॉक्टर सोहन सिंह माजिला ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उन्हें राज्य स्तरीय स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान विजेताओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

यहां क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अमित कुमार सैनी, केशव सिंह, सुभाष चंद्र, शमशेर अहमद, तस्लीम अहमद, अनूप सिंह, संजय वर्मा, अजय सैनी, विजय राज सैनी, दुष्यंत कुमार, विजेंद्र सिंह, ताविंदाअली, नीतू चौधरी, लता रानी, नूतन रवि, अलका सक्सेना, श्वेता नेगी, केवल सिंह, धीरेंद्र सिंह, धर्म सिंह विवेक कुमार, मनीष चौहान, कपिल सैनी आदि मौजूद थे।

जसपुर में विजयी खिलाड़ियों के साथ मुख्य अतिथि, शिक्षक एवं कोच। ● अमृत विचार

मुरादाबाद और कुंडेश्वरी ने जीते अपने मैच

काशीपुर : कुंडेश्वरी फुटबॉल क्लब की ओर आयोजित शहीद स्मृति राज्य स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट रविवार को किसान इंटर कॉलेज खेल मैदान में करीब तीन बजे टूर्नामेंट शुरू हुआ। नैनीताल और मुरादाबाद की टीम के बीच पहला मैच खेला गया। इस दौरान शानदार प्रदर्शन कर मुरादाबाद ने नैनीताल को 2-0 से करारी शिकस्त दी। दूसरा मैच कादराबाद और कुंडेश्वरी के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया और दोनों टीमें बराबर रही। पेनल्टी शूटआउट से कुंडेश्वरी ने 4 गोल व कादराबाद ने 3 गोल किए और कुंडेश्वरी मैच जीतने में कामयाब हुई। समिति संरक्षक भूपेंद्र सिंह अध्यक्ष राकेश मोहन लखेड़ा, उपाध्यक्ष महक सिंह, गजेंद्र सिंह, हिमांशु नौगाईं, यश चौधरी, अनुराग कुमार, भूपेंद्र सिंह, वीरेंद्र बिष्ट, मनोज रावत, भगत प्रधान आदि मौजूद रहे।

जीपीएस क्रिकेट अकादमी ने कर्मा क्रिकेट अकादमी को 8 विकेट से किया पराजित

किच्छा : क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ ऊधमसिंह नगर के तत्वावधान में जिले में चल रहे जिला क्रिकेट लीग के मुकाबले में जीपीएस क्रिकेट अकादमी और कर्मा क्रिकेट अकादमी की टीमें आमने-सामने हुईं।जीपीएस क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और कर्मा क्रिकेट अकादमी को पहले बल्लेबाजी करने का मौका दिया। निर्धारित 40 ओवर के मैच में कर्मा क्रिकेट अकादमी की पूरी टीम 99 रन पर सिमट गई। टीम के बल्लेबाज अंकित ने 33, अभय ने 24 और अनीश बत्रा ने 16 रन बनाए। जीपीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से जीवांश यादव और सिमरन ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि दीपक आर्य ने दो विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए जीपीएस क्रिकेट अकादमी ने 11 ओवर में 8 विकेट से जीत दर्ज की। टीम के खिलाड़ी एकम बेहड़ ने 50 और मोहम्मद अब्बास ने 33 रन बनाए। कर्मा क्रिकेट अकादमी की ओर से अनीश बत्रा और दीपक ने एक-एक विकेट लिया। इस जीत के साथ जीपीएस क्रिकेट अकादमी ने दो अंक अपने नाम कर लिए। इस मौके पर कई खेल प्रेमी भी मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

सरकारी अस्पताल में ईएनटी सर्जन ने चार्ज संभाला

मरीज का परीक्षण करतीं डॉ. हर्षिता।

जसपुर : आंख, नाक, गले के मरीजों के लिए यह राहत भरी खबर है। ईएनटी सर्जन हर्षिता ढींगरा ने स्वा. केंद्र में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है। डॉ. हर्षिता ढींगरा ने कार्यभार ग्रहण करते ही अपनी सेवाएं देना शुरू कर दिया है। उन्होंने आंख, नाक, गले के मरीजों का परीक्षण कर उन्हे दवा लिखी।

सीएमएस डॉ. धीरेंद्र गहलोत ने उन्हे चार्ज ग्रहण कराया। सीएमएस डॉ. धीरेंद्र गहलोत ने बताया कि पिछले काफी समय से आंख, नाक, गले के मरीज परेशान थे और अस्पताल में ईएनटी विशेषज्ञ की मांग की जा रही थी। उन्होंने बताया कि मुख्य चिकित्साधिकारी केके अग्रवाल के सहयोग से उन्हे ईएनटी सर्जन मिल गयी है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में ईएनटी सर्जन की नियुक्ति होने से स्थानीय लोगों को काफी लाभ मिलेगा। अब उन्हें अपने इलाज के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा।

बैठक के दौरान मौजूद पदाधिकारी। ● अमृत विचार

श्रीराम लीला मानस कार्यक्रम के आय-व्यय का लेखा प्रस्तुत किया

रुद्रपुर : उत्तरायणी कौतिक कमेटी की बैठक में श्रीराम लीला मानस कार्यक्रम के आय व्यय का हिसाब किताब का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया। जिसे सर्वसम्मति से बैठक में उपस्थित सदस्यों ने पास किया। साथ ही उत्तरायणी कौतिक के आयोजन पर विचार विमर्श किया गया। रविवार को आयोजित बैठक के दौरान में उत्तरांचल संगम पंतनगर के संस्थापक सदस्य दान सिंह नयाल के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। बैठक में उत्तरायणी कौतिक कमेटी के अध्यक्ष दीवान सिंह कार्की, सचिव हरीश भट्ट, कोषाध्यक्ष त्रिभुवन कार्की, जीवन सिंह नेगी, योगेश पंत, गणेश भट्ट, प्रभाकर जोशी, आनंद बिष्ट, लक्ष्मी डिमरी, कैलाश भट्ट, जगदीश भट्ट, नंदू पांडे, राजेंद्र भट्ट, ललित सनवाल समेत कई लोग मौजूद रहे।

पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष का बेहड़ ने किया स्वागत

● भूतपूर्व सूबेदार मेजर लाल सिंह कोरंगा के आवास पहुंचे विधायक

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने शांतिपुरी सैनिक संगठन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सूबेदार मेजर लाल सिंह कोरंगा के आवास पर पहुंचकर शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक बेहड़ ने सैनिक संगठन की नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों की यह टीम समाज और संगठन के साथ-साथ सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों के हित में बेहतर कार्य करेगी। विधायक बेहड़ ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह सदैव सैनिकों और पूर्व सैनिकों के साथ खड़े रहेंगे तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे। इससे पूर्व विधायक बेहड़ ग्राम जवाहर नगर निवासी पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्या लता पटवाल के भतीजे एवं हरिओम पटवाल के पुत्र 14 वर्षीय रौनक पटवाल के निधन पर शोक व्यक्त करने उनके आवास पहुंचे। उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देते हुए इस दुःख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। उल्लेखनीय है कि हरिओम पटवाल के 14 वर्षीय पुत्र रौनक पटवाल की आग से झुलसने के बाद उपचार के दौरान बीते शनिवार को दिल्ली एम्स में मृत्यु हो गई थी। इस दौरान नारायण सिंह बिष्ट, हेम सिंह नेगी, बिशन सिंह कोरंगा, कमल पटवाल, मोहन सिंह कोरंगा, देवकी कोरंगा, शुभम कोरंगा, रजेन्द्र पटवाल आदि मौजूद रहे।

शांतिपुरी में नव निर्वाचित सैनिक संगठन अध्यक्ष कोरंगा का स्वागत करते विधायक बेहड़। ● अमृत विचार

देवनगर व इस्लामनगर ने दर्ज की शानदार जीत

संवाददाता, शक्तिफार्म

अमृत विचार: राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित शक्तिफार्म प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबलों में देवनगर इलेवन ने सिसौना गॉडफादर को जबकि इस्लामनगर ने बैकुंठपुर स्क्वाड को पराजित किया। देवनगर इलेवन के हर्ष पांडे और इस्लामनगर के शैयद मो. असद को प्लेयर ऑफ द मैच की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

रविवार को खेले गए पहले मुकाबले में बल्लेबाजी करते हुए देवनगर इलेवन ने निर्धारित 10 ओवरों में 7 विकेट खोकर 111 रन बनाए। शाने आलम ने 42 रन और हर्ष पांडे ने 29 रनों का योगदान दिया। सिसौना गॉडफादर की ओर से रोहित भट्ट और संजय सिंह ने तीन-तीन विकेट झटके। जवाब में सिसौना गॉडफादर की टीम 8 विकेट खोकर 96 रन ही बना सकी। देवनगर इलेवन के हर्ष पांडे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट चटकाए। दूसरे मुकाबले में बल्लेबाजी करते हुए बैकुंठपुर स्क्वाड की टीम संजीत के 24 रनों की बदौलत सभी विकेट खोकर 68 रन ही बना सकी। इस्लामनगर की ओर से कमल ने तीन विकेट लिए, जबकि चंदू पंत एवं प्रशांत ने दो-दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए इस्लामनगर ने शैयद मो. असद के 43 रनों की मदद से 7 विकेट से आसान जीत दर्ज की। मैच में नरेश राय एवं प्रशांत अंपायर रहे, विक्रम सिंह ने कमेंट्री की तथा सुजीत सरकार स्कोरर रहे।

किच्छा हाईवे पर बाइक ठेला चालक गिरा, मौत

रुद्रपुर: किच्छा हाईवे पर भदईपुरा निवासी एक व्यक्ति का बाइक ठेला पलट गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भदईपुरा वार्ड 14 निवासी 40 वर्षीय तीरथ कुमार पुत्र छेदा लाल सब्जी मंडी रुद्रपुर में आलू प्याज की सब्जी का ठेला लगाता है। बताया जा रहा है कि रविवार शाम साढ़े चार बजे के आसपास वह भदईपुरा से अपनी बाइक ठेली में सात-आठ कुंतल आलू प्याज लेकर सब्जी मंडी की ओर आ रहा था। इस बीच किच्छा हाईवे पर पुराने ट्रंचिंग ग्राउंड के पास उसकी बाइक ठेली पलट गयी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के दौरान ठेली में रखे गए आलू और प्याज भी सड़क पर बिखर गए। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। आनन-फानन में पहुंचे पुलिस कर्मी उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ हुई धक्का-मुक्की की कड़ी निंदा की

संवाददाता, रुद्रपुर

● प्रदेश सरकार पर लगाया तानाशाही का आरोप

● कहा-कांग्रेस कार्यकर्ता डरने वाले नहीं, आंदोलन किया जाएगा तेज

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ममता रानी।

अमृत विचार: कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ममता रानी ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की मांग को लेकर हुए आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा की गयी धक्का-मुक्की की निंदा की है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया है।

रविवार को बयान जारी कर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ने कहा कि किच्छा विधायक तिलक राज बेहड़ के नेतृत्व में शनिवार को कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन किया जा रहा था। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और महिलाओं के साथ पुलिस कर्मियों ने धक्का मुक्की की। इससे पूर्व कांग्रेस पार्षद मोहन कुमार समेत कई कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों का खुला उल्लंघन है। जनता की आवाज को दबाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि बीते तीन वर्षों से अंकिता भंडारी का परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है, लेकिन भाजपा सरकार चुप्पी साधे बैठी है।

अब जब मामले में एक वीआईपी नाम सामने आया है, तो सरकार बैकफुट पर आ गई है। इसी के विरोध में पूरे प्रदेश में कांग्रेस द्वारा धरना-प्रदर्शन किए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता डरने वाले नहीं हैं और अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सत्कर्म से ही मानव जीवन का कल्याण संभव

शक्तिफार्म : राधे-राधे मंदिर में आयोजित भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक पंडित रविनंदन शास्त्री ने वर्तमान युग में प्रभु मिलन का मार्मिक वर्णन किया। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के इस अवसर पर पंडित रविनंदन शास्त्री ने प्रवचन देते हुए कहा कि निरंतर संकीर्तन करना, भागवत गीता का प्रतिदिन पाठ करना और सत्कर्मों का पालन करना मानव जीवन के उद्धार एवं मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग है। उन्होंने बताया कि भागवत कथा का श्रवण प्रभु मिलन का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर कमेटी अध्यक्ष रिपु सुदन मंडल, विपिन डालमिया, डॉ. नारायण सरकार, अजीत हालदार, सुमिरन मंडल, गोविंद पोखरिया, रविंद्र अग्रवाल, सूरज देवनाथ, तारक प्रमाणिक, किशन शर्मा, प्रकाश सरकार, नारायण खान, अजय मल्लिक, हजारी कीर्तनीय, निखिल कुमार, सुनील विश्वास सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

तीन सूत्रीय मांग पर बनी सहमति 23 माह बाद किया धरना समाप्त

संवाददाता, सितारगंज

● तहसीलदार के आश्वासन के बाद लिया निर्णय

अमृत विचार: गोठा लौका के ग्रामीणों का तीन सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले 23 माह से चल रहा अनिश्चितकालीन धरना प्रशासन से वार्ता के बाद समाप्त कर दिया है। रविवार को भीम आर्मी जिलाध्यक्ष सतेंद्र कुमार ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की है। कहा कि प्रशासन ने दो मांगों पर सहमति जता दी है।

गोठा लौका के ग्रामीणों को काबिज भूमि पर भूमिधरी अधिकार देने, उप जिला चिकित्सालय की स्थापना करने व पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग को लेकर 18 जनवरी 2024 से नगर पालिका परिसर के पास अनिश्चितकालीन दिन-रात धरना शुरू किया था।

इस दौरान कई बार तिरंगा चौक व मुख्य चौक पर भी प्रदर्शन किया था। शनिवार को तहसीलदार हिमांशु जोशी ने पुलिस अधिकारियों, खुफिया विभाग के अफसरों के साथ प्रदर्शनकारियों से वार्ता कर उनकी मांगों को गम्भीरता से सुना। दिन-भर प्रशासन के साथ बैठक होती रही। जिसमें तहसीलदार ने ग्राम लौका गोठा में सप्ताह में दो दिन स्वास्थ्य विभाग व डॉक्टरों की टीम भेजकर ग्रामीणों का इलाज करने व नियमित पुलिसिंग व्यवस्था करने पर सहमति जाते हुए सम्बंधित विभाग के अफसरों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। जिस पर प्रदर्शनकारियों ने तहसीलदार के दिए आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त करने पर सहमति जताई। रविवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष सतेंद्र कुमार ने बताया कि सहमति के आधार पर आंदोलन स्थगित कर दिया है। शासन तीन माह में स्थाई व्यवस्था करें। अन्यथा पुनः आंदोलन किया जाएगा।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

नाम परिवर्तन

मेरे पहचान संबंधित प्रपत्रों व अभिलेखों में मेरा नाम प्रेरणा जोशी पुत्री कैलाश जोशी दर्ज है किसान विकास पत्रों में पूजा जोशी दर्ज है उक्त दोनों नाम प्रेरणा जोशी व पूजा जोशी दोनों मेरे ही नाम है वर्तमान में मेरा नाम प्रेरणा जोशी के नाम से जाना पहचाना व पड़ा लिखा जाए । **प्रेरणा जोशी पुत्री कैलाश जोशी ग्राम धुलई मेहरा गांव पोस्ट ऑफिस भवाली तहसील व जिला नैनीताल (उत्तराखंड)।**

हल्द्वानी

छात्रों को फील्ड व गैलुवा थ्योरी के बारे में दी जानकारी

● एमबीपीजी कॉलेज में राष्ट्रीय कार्यशाला में आईआईए के पूर्व वैज्ञानिक, इलाहाबाद विवि के प्रोफेसर सहित अन्य ने लिया भाग

संवाददाता, हल्द्वानी

कार्यशाला में मौजूद प्रतिभागी छात्र और प्राध्यापक। ● अमृत विचार

अमृत विचार : एमबीपीजी कॉलेज में रविवार को गणित के फील्ड और गैलुवा थ्योरी पर राष्ट्रीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दीपक कुमार की अध्यक्षता में हुई। जिसमें मुख्य अतिथि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स के पूर्व वैज्ञानिक प्रो. भुवन भट्ट ने अंतरिक्ष में इसरो और अन्य भारतीयों के योगदान के बारे में बताया। उन्होंने सटीक गणनाओं के लिए गणित की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। विशिष्ट वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ. स्वप्निल श्रीवास्तव ने फ्रांसीसी गणितज्ञ गैलुवा के जीवन और उनके गणित में योगदान के बारे में बताया। इलाहाबाद विवि के डॉ. रोहितेश ने रिंग थ्योरी की आवश्यकता और उसके विभिन्न एप्लीकेशंस पर चर्चा की। उमिया विश्वविद्यालय स्वीडन से आई डॉ. शिवांगी जोशी ने द्वाराहाट से स्वीडन तक की अपनी गणित यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने फाइनाइट एलीमेंट मैथड के गणित में प्रयोग के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला का आयोजन एमबीपीजी और बीएल शर्मा हायर मैथमेटिक्स ट्रस्ट प्रयागराज की ओर से किया गया। इस मौके पर डॉ. नरेंद्र सिजवाली, भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. चारु चंद्र ढोंढियाल, डॉ. दीपक उप्रेती, डॉ. मुकुल तिवारी, डॉ. सुरेंद्र धपोला, डॉ. रिचा तिवारी, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. सुंदर कुमार आदि मौजूद रहे।

शीतलहर और ठंड के कारण यात्री घटे

संवाददाता, रुद्रपुर

● रुद्रपुर डिपो को हो रहा प्रतिदिन लाखों का नुकसान

● लक्ष्य के सापेक्ष 60 प्रतिशत ही हो पा रही आय

मैदानी इलाकों में कोहरे और शीत लहर के कारण लोग बस से यात्रा कम कर रहे हैं। इससे परिवार निगम को यात्री नहीं मिल रहे हैं। इसका खामियाजा रुद्रपुर डिपो को भुगतना पड़ रहा है। डिपो की लक्ष्य 15.79 लाख रुपए के सापेक्ष मात्र 60 प्रतिशत की ही आय हो रही है, जबकि डिपो को प्रतिदिन 40 प्रतिशत राजस्व का नुकसान हो रहा है। होली पर्व पर लक्ष्य प्राप्त होने की उम्मीद है। - **श्रीराम कौशल**, सहायक महाप्रबंधक, रुद्रपुर डिपो

अमृत विचार: मैदानी इलाकों में शीत लहर के साथ कोहरा लगने से यात्री सफर करने से बच रहे हैं या फिर सुरक्षित यात्रा के लिए ट्रेनों में सफर कर रहे हैं। इसका खामियाजा रुद्रपुर डिपो को भुगतना पड़ रहा है। डिपो को प्रतिदिन 40 प्रतिशत राजस्व का नुकसान हो रहा है।

यहां बता दें कि रुद्रपुर शहर औद्योगिक नगरी के चलते यहां से हजारों यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से तराई में शीत लहर और कोहरा लगने के साथ ही मैदानी इलाकों में भी कोहरा लगने के कारण यात्री सफर करने से बच रहे हैं या फिर ट्रेन में सफर करने के लिए बाध्य हैं। यात्रियों के नहीं निकलने से परिवहन निगम को काफी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। बात करें तो रुद्रपुर डिपो की तो यहां से प्रतिदिन दिल्ली मार्ग पर 15 से 20 बसों का संचालन होता है। इसके अलावा बरेली, लखनऊ, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, देहरादून आदि मार्गों पर भी बसों का संचालन होता है। सामान्य दिनों में डिपो की शत प्रतिशत आय होती है। वही इन दोनों डिपो को प्रतिदिन लक्ष्य के सापेक्ष 40 प्रतिशत राजस्व का नुकसान उठाना पढ़ना है। डिपो अधिकारियों के अनुसार जनवरी माह में डिपो को 15.79 लाख के राजस्व का लक्ष्य मिला हुआ है। लेकिन डिपो को लक्ष्य के सापेक्ष 60 प्रतिशत राजस्व प्राप्त हो रहा है, जबकि 40 प्रतिशत राजस्व का नुकसान हो रहा है।

ब्रीफ न्यूज

चुनावी रंजिश में युवक को पीटा, प्राथमिकी दर्ज

सितारगंज : छात्रसंघ चुनाव में उपजी रंजिश के चलते दो लोगों ने एक युवक को पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गांव अरविंद नगर निवासी हिमांशु गिरी ने बताया कि 31 दिसंबर की रात को वह गांव कुसमौठ के पास स्थित एक ढाबे पर चाय पीने गया था। तभी वहां पहले से मौजूद पहाड़ी बसघर निवासी गौरव सिंह फर्त्याल और हेमंत फर्त्याल ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से जमकर पिटाई कर दी। जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। बताया कि उप जिला अस्पताल सितारगंज में प्राथमिक उपचार करने के बाद उसने सितारगंज के एक निजी अस्पताल में इलाज कराया। जहां डॉक्टरों ने बताया कि उसका कंधा डिसलोकेट हो गया है। इधर, मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अफवाह निकली वन विभाग की टीम पर हमले की सूचना

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम मडैया हट्ट में वन विभाग की टीम पर हमले की सूचना मिलने से पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कोतवाली बाजपुर व बेरिया दौलत चौकी की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची, लेकिन जांच के दौरान किसी भी प्रकार की मारपीट या हमले की पुष्टि नहीं हो सकी।

बता दें कि शनिवार देर रात करीब 11 बजे एक व्यक्ति ने फोन कर वन विभाग की टीम पर हमला होने की सूचना दी थी। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन वहां कोई भी व्यक्ति मौजूद नहीं मिला। आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ करने पर ग्रामीणों ने बताया कि शराब के नशे में आए एक वन दरोगा व बीट वाचर द्वारा कुछ लोगों के साथ बदसलूकी की गई थी। इसी दौरान दोनों वन कर्मी पुनः मौके पर पहुंचे। पुलिस के अनुसार बेरिया दौलत चौकी प्रभारी नरेश मेहरा द्वारा पूछताछ किए जाने पर दोनों वन कर्मियों के मुंह से शराब की दुर्गंध आ रही थी। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे अपने निजी वाहन से आए थे, जिसका पिछला शीशा किसी अज्ञात व्यक्ति ने तोड़ दिया था। पुलिस को मौके पर कोई वाहन नहीं मिला और न ही घटना को अंजाम देने वाला कोई व्यक्ति मिला। मौके पर कोतवाली बाजपुर पुलिस के साथ ही वन विभाग के अन्य अधिकारी भी पहुंचे। जांच में स्पष्ट हुआ कि किसी प्रकार की मारपीट या हमले जैसी कोई घटना नहीं हुई है।

हजारों किमी की लंबी उड़ान के बाद धौरा एवं बैगुल जलाशय पहुंचे प्रवासी पक्षियों का चार से पांच माह तक रहेगा बसेरा

विदेशी मेहमान पक्षियों से गुलजार हुए धौरा एवं बैगुल जलाशय

मुकेश कुमार, शक्तिफार्म

अमृत विचार: ठंड का मौसम शुरू होते ही धौरा एवं बैगुल जलाशय क्षेत्र एक बार फिर देश-विदेश से आने वाले प्रवासी पक्षियों का पसंदीदा ठिकाना बन गया है। सर्दी का मौसम आरंभ होते ही हजारों किलोमीटर की लंबी उड़ान भरकर आए विदेशी पक्षियों ने जलाशयों और आसपास के क्षेत्रों में डेरा डाल लिया है।

वन विभाग एवं स्थानीय जानकारों के अनुसार इन क्षेत्रों में राजहंस (बार-हेडेड गूज), ग्रे लैग गूज, ब्राह्मणी बतख, नॉर्दर्न पिनटेल, कॉमन टील, गैडवाल, शॉवेलर, पॉचर्ड तथा कूट (जल कौआ) जैसी अनेक प्रजातियों के पक्षी देखे जा रहे हैं। सुबह और शाम के समय इन पक्षियों की मौजूदगी से पूरा इलाका गुलजार नजर आता है। अक्टूबर के अंत और नवंबर की शुरुआत में इन पक्षियों का आगमन शुरू हो जाता है और ये सामान्यतः मार्च के अंत तक बैगुल व धौरा जलाशय में ठहरते हैं। प्रवासी पक्षियों का किसी क्षेत्र में आना वहां के स्वच्छ जल और अनुकूल पर्यावरण का प्रमाण होता है। बैगुल एवं धौरा जलाशय का प्राकृतिक वातावरण, विस्तृत जल क्षेत्र और शांत परिवेश इन पक्षियों के लिए सुरक्षित आश्रय प्रदान करता है।

विदेशी मेहमान पक्षियों से गुलजार हुआ बैगुल जलाशय। ● अमृत विचार

इन देशों से पहुंचते हैं मेहमान पक्षी

शक्तिफार्म : प्रवासी पक्षियां मुख्य रूप से साइबेरिया, मंगोलिया, रूस, कजाकिस्तान, तिब्बत एवं मध्य एशियाई देशों से यहां आती हैं। अपने मूल क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड और जलस्रोतों के जम जाने के कारण भोजन की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिसके चलते ये पक्षी अपेक्षाकृत गर्म और सुरक्षित क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं।

चार माह तक डेरा जमाए रहते हैं मेहमान पक्षी

शक्तिफार्म : बैगुल एवं धौरा जलाशय में आने वाले प्रवासी पक्षियों का आगमन अक्टूबर के अंत से शुरू हो जाता है। नवंबर तक इनकी संख्या में लगातार बढ़ोतरी होती है। ये पक्षी यहां मार्च के अंत तक डेरा जमाए रहते हैं। इस दौरान लगभग चार से पांच माह तक जलाशय और आसपास का क्षेत्र इन मेहमान पक्षियों का सुरक्षित आश्रय बना रहता है। प्रवासी पक्षियों का लंबे समय तक ठहराव क्षेत्र में स्वच्छ जल, पर्याप्त भोजन और अनुकूल पर्यावरण होने का संकेत देता है।

तीन उप निरीक्षकों का स्थानांतरण इधर से उधर

रुद्रपुर : एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने ऊधमसिंह नगर में तीन उप निरीक्षकों का स्थानांतरण इधर से उधर कर दिया है। उन्होंने उप निरीक्षक केसी आर्या का स्थानांतरण कोतवाली काशीपुर से कोतवाली रुद्रपुर किया है, जबकि उप निरीक्षक नवीन बुधानी का स्थानांतरण कोतवाली रुद्रपुर से कोतवाली काशीपुर किया है। इसी तरह उप निरीक्षण अनिल जोशी का स्थानांतरण कोतवाली रुद्रपुर से किच्छा कोतवाली किया है। एसएसपी ने तीन उप निरीक्षकों को तत्काल नई तैनाती स्थल पर ज्वाइन करने के निर्देश दिए हैं।

इंटरार्क कर्मचारी की मौत के मामले में केस दर्ज

किच्छा : पुलभट्टा थाना अंतर्गत क्षेत्र में दो दिन पूर्व हुई सड़क दुर्घटना में इंटरार्क कंपनी के कर्मचारी की मौत के मामले में पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में ग्राम पृथ्वीपुर, थाना बहेड़ी, जिला बरेली निवासी सुमित पुत्र स्व. सतीश कुमार ने बताया कि उसके पिता सतीश पुत्र मदन लाल विगत एक जनवरी की सुबह करीब 6:45 बजे बाइक से ईंटरार्क कंपनी से घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन में उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। पीड़ित के अनुसार घटना में गंभीर रूप से घायल सतीश को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल पुलिस ने सुमित की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सांसद भट्ट ने किया 10 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

रुद्रपुर के विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा समेत कई पदाधिकारी रहे कार्यक्रम में मौजूद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सांसद अजय भट्ट ने नववर्ष पर रुद्रपुर क्षेत्र को 10 करोड़ की लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी है। इसका उन्होंने लोकार्पण शिलान्यास भी किया। इस दौरान विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा भी मौजूद रहे।

रविवार को कार्यक्रम के दौरान सांसद भट्ट ने कहा कि रुद्रपुर क्षेत्र में एक के बाद एक बड़े कार्य हमारी सरकार द्वारा निरंतर करवाए जा रहे हैं। रिंग रोड बनने के बाद दिल्ली, देहरादून से आने वाले लोग सीधा हल्द्वानी नैनीताल की ओर जा सकेंगे।

वहीं मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की कक्षा 2026 में प्रारंभ होने जा रही है। कामकाजी महिलाओं के छात्रावास का कार्य भी तेजी से चल रहा है। साथ ही किच्छा में सेटेलाइट एम्स भी बहुत जल्द बन कर तैयार होगा। जो स्वास्थ्य के क्षेत्र में कुमाऊं के लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में भी हमने निकाय पंचायत चुनाव में भाजपा का परचम लहराया यह बताता है जनता का विश्वास भाजपा के साथ है। तीसरी बार भी उत्तराखंड में भाजपा ही जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे युवा मुख्यमंत्री प्रदेश के विकास के लिये पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं।

विभिन्न कार्यों का लोकार्पण शिलान्यास करते सांसद अजय भट्ट। साथ ही विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा।

जल्द शुरू होगा काशीपुर बाईपास रोड का निर्माण कार्य: अरोरा

रुद्रपुर : विधायक शिव अरोरा ने कहा कि रुद्रपुर विधानसभा क्षेत्र के राज्य योजना, जिला योजना विधायक निधि के 10 करोड़ के विकास कार्य को सांसद अजय भट्ट ने रुद्रपुर की जनता को समर्पित किए गए जिनमें से अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुके हैं। कई कार्य अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में विकास कार्यों को और तेजी से धरातल पर लाने का कार्य किया जाएगा। जाम मुक्त रुद्रपुर बनाने के लिए इंदिरा चौक से अटरिया मोड़ तक सौंदर्यकरण चौड़ीकरण के प्रथम चरण का कार्य आरंभ कर दिया है। वहीं अगले कुछ दिनों में काशीपुर बाईपास रोड का निर्माण कार्य का आरंभ हो जाएगा।

जल्द शुरू होगा अटरिया मोड़ नाले को कवर करने का काम: महापौर

रुद्रपुर : महापौर विकास शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सांसद अजय भट्ट के नेतृत्व में लगातार विधायक शिव अरोरा व हम रुद्रपुर को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। आने वाले दिनों में अटरिया मोड़ नाले को कवर करने, मुख्य बाजार में शेष बचे नाला निर्माण कार्य, गंगापुर रोड चौड़ीकरण, किच्छा बाईपास चौड़ी जैसी कई बड़े कार्य करने जा रहे हैं।

- किच्छा में सेटेलाइट एम्स भी बहुत जल्द बन कर होगा तैयार
- उत्तराखंड में जीत का किया दावा

यह रहे मौजूद

भाजपा नेता सुरेश कोली, उपेंद्र चौधरी, मंडल अध्यक्ष मुकेश पाल, धीरेश गुप्ता, वेद ठुकराल, शालनी बोरा, राजेश बजाज, वेद ठुकराल, गजेंद्र प्रजापति, मोर सिंह यादव, किरन विर्क, रजनी रावत, कपिल शर्मा, जीतेंद्र संधू, पिंटू पाल, प्रीत ग्रोवर, अनमोल विर्क, सचिन छाबड़ा, सतनाम सिंह, गोविंद राय, मनोज छाबड़ा, सुनील यादव, विजय तोमर, नवीन पांडेय, गिरीश पाल, रोहित गुप्ता, राजकुमार कोली, चंद्रसेन चंदा, रश्मि रस्तोगी, महेंद्र आर्य, मनीष गोस्वामी, भीमसेन गुप्ता, चंद्रपाल, रचित सिंह, प्रमोद शर्मा, जॉनी भाटिया, गुन्नू चौधरी, स्वाति शर्मा, प्रीति धीर, राधेश शर्मा, दिलीप अधिकारी, मयंक कक्कड़, एमपी मौर्य, कैलाश राठौर, सुभाष यादव, दजजोत बाजवा, अंकित सिंह, देव मेनन, राज कोली आदि।

9.2 ग्राम हेरोइन के साथ नेपाली युवक गिरफ्तार

खटीमा में हेरोइन के साथ पकड़ा गया नेपाली युवक, साथ में पुलिस व एसएसबी के जवान।

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नेपाल से तस्करी कर लाई जा रही हेरोइन के साथ एक नेपाली युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। टीम ने आरोपी के कब्जे से 9.20 ग्राम हेरोइन बरामद की है।

एसएसबी 57वीं वाहिनी के कमांडेंट मनोहर लाल के निर्देशन में सीमा चौकी मेलाघाट और थाना झनकईया पुलिस की संयुक्त गश्ती टीम गठित कर सुंदर नगर क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान नेपाल की ओर से आ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से 9.20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में युवक ने अपना नाम रोशन चंद पुत्र बहादुर चंद निवासी नेपाल बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में एसएसबी के सहायक कमांडेंट सुरेंद्र सिंह, उप निरीक्षक सुंदर सिंह, प्रवेश, सुधीर, उज्ज्वल, अजय, प्रदीप आदि रहे।

7.11 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को दबोचा

सितारगंज : रात्रि गश्त के दौरान पुलिस ने 7.11 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया है। शनिवार रात को गांव 12 फैमली, बैकुंठपुर निवासी ध्रुव हालदार (24) को पुलिस ने कुशमौठ से आगे सिरसा सड़क से 7.11 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने बताया कि वह स्मैक का नशा करता है। गांव पिपलिया निवासी अमन से उसने स्मैक खरीदा था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है।

दबंगों ने दो भाइयों को पीटकर किया घायल

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: दबंगों ने युवक के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। युवक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में डायनेमिक गार्डन सिटी, रुद्रपुर निवासी कंचन कुमार पुत्र स्व. भान प्रकाश ने बताया कि उसका पुत्र नैतिक दिल्ली में पढ़ाई कर रहा है और छुट्टियों पर घर आया हुआ है। बताया कि विगत दिवस शाम करीब 4 बजे उसका पुत्र नैतिक बाइक लेकर घर वापस लौट रहा था, इसी बीच ग्राम बगवाड़ा के निकट बाइक सवार तीन युवकों के बाइक को लहराकर चलाए जाने पर नैतिक गिरते-गिरते बचा। उनको टोकने पर बाइक चालकों ने अपने साथियों के साथ नैतिक एवं उसके दोस्त को मेरायाया रोड, लालपुर में घेरकर पीट दिया। आरोपियों के अन्य साथी भी हथियार लेकर मौके पर पहुंच गए। पुत्र नैतिक द्वारा घर पर फोन करने पर उसका दूसरा पुत्र स्वर्ण कुमार भी मौके पर पहुंच गया। आरोप है कि आरोपी संदीप, कुलविंदर, शानू, सूरज सिंह, अर्जुन सिंह, करण सिंह, राजा सिंह, सूरज पाल, रांझा सिंह सहित अन्य आधा दर्जन आरोपियों ने दोनों भाइयों के साथ बुरी तरह मारपीट कर गंभीर घायल कर दिया। जिससे दोनों पुत्रों के सिर सहित पूरे शरीर में गंभीर चोटें आईं हैं।

45 लीटर कच्ची शराब के साथ दबोचा

किच्छा: दरऊ चौकी पुलिस ने गश्त के दौरान नशा तस्कर राजन को 45 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ दबोच लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली अंतर्गत दरऊ चौकी प्रभारी उप निरीक्षक पवन जोशी के नेतृत्व में पुलिसकर्मी उमेश सिंह एवं उमेद गिरि की टीम अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं संदिग्ध वांछितों की जांच एवं धरपकड़ के लिए क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इस दौरान ओम होटल के निकट पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में पकड़े गए संदिग्ध ने अपना नाम पता ग्राम टिब्बा लालपुर, थाना किच्छा निवासी राजन बताया। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहम केस दर्ज किया गया है।

ब्रिगेड ऑफ गार्ड्स का स्थापना दिवस मनाया

- तेरहवीं बटालियन ब्रिगेड ऑफ गार्ड्स का 58वां स्थापना दिवस

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: तेरहवीं बटालियन ब्रिगेड ऑफ गार्ड्स के पूर्व सैनिकों ने 58वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ बटालियन गीत हम हैं गॉड्स मैन, गरुड़ का हूँ, बोल प्यारे से हुआ। इस अवसर पर कैप्टन दीवानी चंद द्वारा रचित पुस्तक ज्ञान के मोती का विमोचन किया गया।

टनकपुर रोड स्थित निजी प्रतिष्ठान के सभागार में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैप्टन विक्रम सिंह बसेड़ा ने की। इस अवसर पर बटालियन के शहीदों को दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 58वां स्थापना दिवस पर केक काटकर एक दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम अध्यक्ष कैप्टन बसेड़ा व कैप्टन दीवानी चंद ने बटालियन के पराक्रम व इतिहास के संबंध में विचार साझा किये।कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों के लिए मनोरंजन प्रोग्राम आयोजित हुए। कार्यक्रम का भारत माता व बटालियन के जयकारों के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर शोवन सिंह, महेंद्र सिंह जेठी, हीरा सिंह ज्याला, विजय सिंह, वीरेंद्र सामंत, शंकर दत्त पांडे, शंकर चंद, जसपाल सिंह धामी आदि मौजूद रहे।

खटीमा में केक काटकर 13वीं बटालियन ब्रिगेड ऑफ़ गार्ड्स का स्थापना दिवस मनाते पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

पति-पत्नी से मारपीट पीड़ित ने दी तहरीर

बाजपुर : ग्राम बन्नाखेड़ा पुलिस चौकी क्षेत्र में पंचायत के दौरान पति-पत्नी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। ग्राम टांडा अमीचंद निवासी जसपाल सिंह पुत्र सुच्चा सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि तीन जनवरी को वह अपनी पत्नी छिंदो कौर के साथ ग्राम प्रधान सूरज सिंह के घर मौजूद थे। यहां पूर्व में हुए एक विवाद को लेकर ग्राम प्रधान की मौजूदगी में पंचायत चल रही थी। आरोप है कि इसी दौरान ग्राम सिसई टांडा अमीचंद निवासी दो लोग मौके पर पहुंचे और पंचायत स्थल पर पहुंचते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने जसपाल सिंह के साथ लात-घूंसों से मारपीट कर दी, जिससे उन्हें अंदरूनी चोटें आईं। बीच-बचाव करने पर आरोपी गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने पीड़ित को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराकर मेडिकल परीक्षण करा तहरीर सौंपी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

कार्यक्रम

प्रांत महिला प्रमुख व जिला महिला प्रमुखों को दिया जा रहा प्रशिक्षण, प्रशिक्षित प्रमुख बाद में महिला किसानों को देंगी प्रशिक्षण

किसान संघ उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: भारतीय किसान संघ उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड की सभी प्रांत महिला प्रमुख और जिला महिला प्रमुखों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग शुरू हो गया है। इस दौरान प्रांत महिला प्रमुख और जिला महिला प्रमुखों को संघ की रीति-नीति, उद्देश्य और मूल संकल्पना के बारे में जानकारी दी गयी। वहीं उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री शिवकांत दीक्षित ने ध्वजारोहण कर प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया।

रविवार को ग्राम फौजी मटकोटा में प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भारत का मजबूत स्तंभ किसान महिला है। आर्थिक उन्नति के लिए अगर महिला किसान काम कर रही हैं तो भारतीय किसान संघ का कर्तव्य है कि ऐसी महिलाओं को प्रशिक्षण देना। इसमें वे कैसे घर बैठे अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती है। इसके बारे में जानकारी दी गयी।

वहीं प्रशिक्षण उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की प्रांत महिला प्रमुख और जिला महिला प्रमुखों को बताया कि उन्हें ग्राम समितियों में जाकर संघ की मुख्य इकाई किसानों को प्रशिक्षण देना है। ताकि ग्रामों का विकास हो सके और किसानों का विकास हो सके। इसके अलावा जैविक खेती के साथ किसान कैसे उन्नति करेंगे इसका भी प्रशिक्षण महिला प्रमुखों द्वारा दिया जाएगा। वहीं प्रशिक्षण शुरू होने से पहले महिलाओं ने कलश यात्रा भी निकाली। इस अवसर पर अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष सुशीला बिश्नोई, अखिल भारतीय महिला प्रमुख मंजू दीक्षित, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य चंद्रकला चौहान, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राम मौर्य, उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के सभी प्रांत महिला प्रमुख और जिला महिला प्रमुख आदि उपस्थिति रहीं।

प्रशिक्षण से पूर्व कलश यात्रा निकालतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

अवैध खनन में लिप्त वाहन को किया सीज

सितारगंज : रनसाली रेंज के रेंजर महेंद्र सिंह रैकुनी के निर्देशन में वन विभाग की टीम ने अवैध खनन में संलिप्त एक वाहन को पकड़कर सीज कर दिया। सूचना के अनुसार खनन माफिया ट्रैक्टर में कराह लगाकर आरबीएम एकत्र कर वाहनों में भरकर ले जा रहे थे। उकरौली और साधूनगर क्षेत्र में निजी खनन पट्टे हैं, लेकिन शनिवार रात केएमवीएन के पट्टे के पास अवैध खनन किया जा रहा था। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने एक ट्रैक्टर को पकड़ लिया तथा आरबीएम एकत्र करने में प्रयुक्त कराह भी जब्त कर ली। वहीं खनन में संलिप्त लोग अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। रेंजर महेंद्र सिंह रैकुनी ने बताया कि वाहन को सीज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पार्षद सौरभ की तहरीर पर तीन के खिलाफ केस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: दो दिन पूर्व कांग्रेस महिला महानगर अध्यक्ष के बेटे के साथ हुई मारपीट के मामले में कांग्रेस पार्षद सौरभ बेहड़ की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि दो दिन पूर्व किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ के पुत्र एवं वार्ड 39 के पार्षद सौरभ राज बेहड़ ने पुलिस को तहरीर सौंपी थी। तहरीर में उन्होंने बताया कि दो जनवरी की शाम वह आवास विकास चौकी गए हुए थे। उसी दौरान कांग्रेस महिला महानगर अध्यक्ष मोनिका ढाली अपने बेटे के साथ हुई मारपीट की तहरीर देने चौकी पहुंची थीं।

इसी बीच जगतपुरा निवासी राधेश शर्मा अपने साथियों अजय शर्मा और नवीन उर्फ शाबू के साथ वहां पहुंचा। आरोप है कि तीनों ने मिलकर पार्षद सौरभ राज बेहड़ के साथ धक्का-मुक्की करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। मौके पर मौजूद रंजीत राणा, संजय जुनेजा, मोहन खेड़ा एवं अन्य लोगों ने बीच-बचाव किया, जिसके बाद आरोपी धमकी देते हुए वहां से चले गए। इसके पश्चात पार्षद ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष ट्रांजिट कैंप मोहन पांडे ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

जसपुर पुलिस ने तीन वारंटी गिरफ्तार किए

जसपुर : एसएसपी द्वारा वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। रविवार को पुलिस अधीक्षक काशीपुर एवं क्षेत्राधिकारी तथा अपर पुलिस अधीक्षक काशीपुर के निर्देशन में एसआई संतोष देवरानी और हरीश आर्य की टीम ने न्यायालय द्वारा जारी वारंट के आधार पर धरपकड़ करते हुए आबकारी आदि मामलों में वांछित गोविंद सिंह पुत्र राम किशोर सिंह निवासी मोहल्ला नत्था सिंह, गुरदास सिंह पुत्र राजू सिंह निवासी ग्राम कलियावाला तथा राजेन्द्र सिंह पुत्र महीलाल निवासी ग्राम सन्यासियोवाला को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए सभी वारंटियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

जसपुर : एक जंग नशे के विरुद्ध अभियान में कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला नशा तस्कर के बेटे को स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कोतवाली पुलिस ने मोहल्ला नत्था सिंह निवासी राजेन्द्र कुमार पुत्र पृथ्वी सिंह को 07 .25 ग्राम स्मैक, इलेक्ट्रॉनिक तराजू एवं नकदी के साथ गिरफ्तार किया। कोतवाल राजेंद्र सिंह डांगी ने बताया नशा तस्करों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह डांगी, एसएसआई जावेद मलिक, एसआई हरीश आर्य, मदन लाल, कुलदीप सिंह, विनीत चौधरी रहे।

दो पक्षों में मारपीट पुलिस को सौंपी तहरीर

काशीपुर : आईटीआई थाना क्षेत्र के गांव शिवलालपुर अमरझंडा में दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। जिसमें दोनों पक्ष के कई लोग घायल हो गए। गांव निवासी सुरेश गोसांई, रवि गोसांई, मोहित गोसांई, दिग्विजय गोसांई ने पैगा पुलिस चौकी में तहरीर सौंपी है। गांव के ही निवासी जगत यादव, विकास यादव के परिवार से सड़क पर गंदगी फैलाने को लेकर कहासुनी पर मारपीट का आरोप लगाया। दोनों पक्ष ने पुलिस में तहरीर सौंपकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं।

ब्राह्मण उत्थान महासभा ने जताया शोक

काशीपुर : अखिल ब्राह्मण उत्थान महासभा के संरक्षक विमल गुड़िया के भाई अनिल गुड़िया की पत्नी राजरानी गुड़िया के आकस्मिक निधन पर शोक सभा आयोजित की गई जिसमें दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई। शोक सभा में महानगर अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार मिश्रा, उमेश जोशी, संदीप चतुर्वेदी, भास्कर त्यागी, विमल गुड़िया आदि मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने फूंका कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला

कांग्रेस पार्टी पर अपनी राजनीति चमकाने के लिए अंकिता भंडारी प्रकरण का सहारा लेने का आरोप लगाया, कहा- कांग्रेस के पास नहीं कोई मुद्दा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष आकांक्षा ठाकुर की अगवाई में रविवार को बड़ी संख्या में भाजपाई महिला-पुरुष महाराणा प्रताप चौक पर एकत्र हुए। यहां पर कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। साथ ही राहुल गांधी का पुतला दहन किया। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कांग्रेस पार्टी अपनी राजनीति चमकाने के लिए अंकिता भंडारी प्रकरण का सहारा ले रही है।

वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सत्ता पर काबिज होने के लिए एक बहन अंकिता जो अब इस दुनिया में नहीं है, उसका सहारा लेकर ओछी राजनीति कर प्रदेश का माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रही है। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने कहा कि अंकिता भंडारी मामले में कानून अपना काम कर रहा है। न्याय प्रक्रिया के तहत दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई जा चुकी है। भाजपा महिला मोर्चा ने चेतावनी दी कि बेटियों के सम्मान से खिलवाड़ और न्याय प्रक्रिया पर राजनीति कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, मेयर दीपक बाली, पीसीयू चेयरमैन राम मेहरोत्रा, खिलेंद्र चौधरी, ब्लाक प्रमुख चंद्र प्रभा, प्रियंका अग्रवाल, ऋष्टि आहूजा, कल्पना राणा, वैशाली गुप्ता रहे।

काशीपुर एमपी चौक में रविवार को नारेबाजी करते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कैंडल मार्च में शामिल पूर्व विधायक ठुकराल व स्थानीय लोग। ● अमृत विचार

अंकिता भंडारी की आत्मा को अपमानित करना बंद करे कांग्रेस: विनीता सक्सेना

खटीमा : भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने कांग्रेस पर अंकिता भंडारी प्रकरण को उछालकर दिवंगत बिटिया को लेकर बिना किसी सबूत के गलत बयानबाजी करने की कड़ी निंदा की है। उन्होंने मुख्य चौक पर कांग्रेस का पुतला फूंका। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉ. विनीता सक्सेना के नेतृत्व में महिला मोर्चा ने हाथों में तख्तियां लेकर कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया और मुख्य चौक पर पहुंचकर कांग्रेस का पुतला फूंका। जिलाध्यक्ष सक्सेना ने कहा कि कांग्रेस बिना किसी सबूत के अंकिता भंडारी की आत्मा का अपमान कर रही है। विरोध प्रदर्शन में नीलू गुप्ता, अंजू देवी, अनीता ज्याला, इंदिरा चंद, भावना चंद, तारा बिष्ट, वंशिका शुक्ला, श्यामली सरकार, पुष्पा सक्सेना, विनीता देवी, कविता जोशी, पूजा, भूमि, रमेश चंद जोशी, शशांक वर्मा, सूरज धामी, जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे, विवेक रस्तोगी, रविंद्र राणा, रवीश भटनागर, मोहन चुफाल, तारिक मलिक, संतोष अग्रवाल, नवीन बोरा, अमित जोशी, दीपक सावंत आदि उपस्थित रहे।

खटीमा में कांग्रेस का पुतला फूंकते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

शैल संस्कृति समिति के पदाधिकारियों व स्थानीय लोगों ने निकाला कैंडल मार्च

रुद्रपुर : उत्तराखंड के चर्चित अंकित भंडारी हत्याकांड में सोशल मीडिया पर कुछ वीआईपी का नाम सामने आने के बाद लोगों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी क्रम में अंकिता के परिजनों को न्याय दिलाने और सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर शैल संस्कृति समिति ने कैंडल मार्च निकाला। इसमें पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल भी शामिल रहे।रविवार देर सांय गंगापुर रोड स्थित दक्ष चौक से एक कैंडल मार्च निकाला गया। यह मार्च गंगापुर रोड से होते हुए न्याय के देवता भगवान गोलज्यू देवता मंदिर पहुंचा। जहां लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर अंकिता के लिए न्याय की गुहार लगाई। साथ ही अंकिता को न्याय दो, और दोषियों को फांसी दो के नारे लगाए। इस दौरान लोगों ने कहा कि यदि मामले में प्रभावशाली और रसूखदार लोगों को बचाने की कोशिश की गई तो जनता चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और राजनीतिक दबाव से मुक्त न्याय की मांग की। साथ ही कहा कि यदि अंकिता भंडारी के परिवार को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस अवसर पर दिनेश बम, हरीश दनाई, धीरज पांडे सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

जसपुर में कोतवाल को तहरीर देते ग्रामीण। ● अमृत विचार

धर्म के विरोध में प्रचार पर ग्रामीणों में रोष, सौंपी तहरीर

जसपुर : सनातन धर्म के विरोध में कुछ लोगों द्वारा प्रचार करने पर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया। गुस्साए ग्रामीणों ने कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। रविवार को नगर पंचायत महुवाडाबरा में कुछ महिला एवं पुरुष सनातन धर्म के विरोध में प्रचार-प्रसार कर पुस्तके बांटने लगे। आरोप है कि संबंधित पुस्तकों में हिन्दू धर्म के देवी-देवताओं के बारे में अनुचित वर्णन किया गया है। सूचना पर एकत्रित हुए ग्रामीणों ने उनका विरोध करना शुरू कर दिया तथा कोतवाली पहुंच कर मास्टर धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र सिंह डांगी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि आसपास क्षेत्र से आए यह लोग हिंदुओं को गुमराह कर रहे हैं। कोतवाल ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। यहां खुशीराम, दिनेश चंद्र वर्मा, दीपेंद्र सैनी, आदित्य, चेतराम सिंह व संजीव कुमार आदि रहे।

डॉ. रवि आईएपी उत्तराखंड के अध्यक्ष बने

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) उत्तराखंड स्टेट ब्रांच की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। जिसमें काशीपुर के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि सहोता को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. रवि सहोता देश में आईएपी की किसी राज्य शाखा के सबसे युवा अध्यक्षों में से एक हैं, जो उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है।

नई कार्यकारिणी में डॉ. राकेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, जॉली ग्रांट मेडिकल कॉलेज देहरादून को सचिव तथा डॉ. अशोक कुमार, प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष बाल रोग विभाग, दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

● राज्य शाखा को लगातार दो वर्षों में राष्ट्रीय पुरस्कार

डॉ. रवि सहोता।

यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब आईएपी उत्तराखंड ने लगातार दो वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त किए हैं, जो राज्य शाखा की अकादमिक उत्कृष्टता, संगठनात्मक मजबूती और जन-स्वास्थ्य गतिविधियों की निरंतर सफलता को दर्शाता है।

पिछले दो वर्षों में आईएपी उत्तराखंड को उच्च स्तरीय सीएमई कार्यक्रमों, नवजात एवं निवारक बाल स्वास्थ्य पहलों, जन-जागरूकता अभियानों तथा दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों तक सक्रिय सहभागिता के लिए राष्ट्रीय मंच पर विशेष सराहना मिली है।

नियुक्ति के बाद डॉ. रवि सहोता ने कहा कि उनका कार्यकाल निवारक बाल चिकित्सा, साक्ष्य-आधारित उपचार, बाल रोग विशेषज्ञों के कौशल विकास तथा राज्य के वंचित क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर केंद्रित रहेगा। टीकाकरण, पोषण, नवजात देखभाल, प्रारंभिक विकासात्मक जांच, किशोर स्वास्थ्य और अभिभावक शिक्षा पर उनका प्रमुख फोकस होगा।

चोरों ने स्कूल की रसोई का दरवाजा तोड़ सामान चुराया

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: खड़कपुर देवीपुरा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की रसोई का दरवाजा तोड़कर सामान चोरी करने वालों के खिलाफ विद्यालय के प्रधानाध्यापक नारायण सिंह ने आईटीआई थाना पुलिस को तहरीर सौंपी है।

तहरीर में बताया गया है कि बीती 2 जनवरी की शाम बच्चों ने उन्हें सूचना दी कि विद्यालय की रसोई का दरवाजा टूटा हुआ है। इसके बाद उन्होंने 3 जनवरी की सुबह करीब 7.30 बजे इस संबंध में विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक नंदराम सिंह, वेदप्रकाश तथा खड़कपुर देवीपुरा के पार्षद अभिषेक कुमार वर्धन को जानकारी दी। इसके पश्चात सभी लोग विद्यालय पहुंचे, जहां जांच करने पर रसोई घर से 84 स्टील की गोल थालियां, एक प्रेशर कुकर, एक बड़ा भगोना, दो भगोनों के ढक्कन, एक गैस सिलेंडर, दो गैस चूल्हे तथा दो बाल्टी चोरी होना पाया गया। प्रधानाध्यापक ने बताया कि इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि चोरी किया गया सामान चंद्रपाल सिंह निवासी केहरीपुर, थाना रेहड़, जिला बिजनौर (वर्तमान निवासी खड़कपुर देवीपुरा) के घर में छिपाकर रखा गया है। सूचना पर वह पार्षद के साथ चंद्रपाल के घर पहुंचे, जहां दिनेश कुमार निवासी खड़कपुर देवीपुरा तथा एक नाबालिग भी मौजूद मिला। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई

काशीपुर में सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाते समिति के सदस्य। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: अंबेडकर पार्क जनकल्याण सेवा समिति द्वारा रविवार को समिति अध्यक्ष चंद्रहास गौतम के निवास पर सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के सदस्यों द्वारा गौतम बुद्ध, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, छत्रपति शाहूजी महाराज एवं महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

समिति अध्यक्ष चंद्रहास गौतम ने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका थीं। उन्होंने पुणे में महिलाओं के

● वक्ताओं ने सावित्रीबाई फुले के योगदान को गिनाया

लिए पहला विद्यालय खोला तथा विधवा महिलाओं के लिए आश्रय स्थल स्थापित किए। इसके साथ ही उन्होंने बीमार और जरूरतमंद लोगों के निशुल्क इलाज में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन इंद्रजीत अंबेडकर एवं पूर्व ग्राम प्रधान अशोक कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर रंजन बौद्ध, कृपाल बौद्ध, ज्ञानचंद, रेवीराम, राम सिंह, पंकज गौतम, कैलाश बौद्ध, धर्मपाल सिंह, रानी कुसुम, सुमन गौतम, आशीष गौतम, दीपेंद्र गौतम, हरि प्रसाद, चरण सिंह, धर्मेंद्र प्रधान, ममता, कालूराम, सौदान सिंह, रेखा अरोड़ा, परशुराम सहित कई लोग उपस्थित रहे।

खेल महाकुंभ में विजेता जीनियस ग्लोबल स्कूल के बच्चों को पुरस्कृत करते अतिथि।

जीनियस ग्लोबल अकादमी के छात्रों जीते 46 पदक

बाजपुर : खेल महाकुंभ न्याय पंचायत स्तर की प्रतियोगिता में जीनियस ग्लोबल अकादमी के छात्र-खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 46 पदक अपने नाम किए। विद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए छात्रों ने 30 स्वर्ण, 13 रजत एवं 3 कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया।स्वर्ण पदक विजेताओं में मनप्रीत कौर, पलविंदर कौर, गुरसेवक सिंह, हसदीप, जयदीप जसलीन, अक्सा, हर्षदीप, प्रबल गुरमन, तरणप्रीत, आरीश, पवन, यशराज, हर्ष एवं विशाल शामिल रहे। वहीं, वॉलीबॉल प्रतियोगिता में बालक वर्ग की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय की निर्देशिका रेखा पासी, प्रधानाचार्य योगेश कुमार सहित कोच अर्जुन सिंह, आकाश रावत एवं रंजीत राणा ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

समिति की बैठक में उठीं समस्याएं

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: पूर्व अर्धसैनिक कल्याण समिति की बैठक में सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया गया। बैठक में वक्ताओं ने संगठन की मजबूती पर बल दिया।

तहसील के सभागार में संगठन के वरिष्ठ संरक्षक पूर्व कमांडेंट जीएस बिष्ट की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन अध्यक्ष पूर्व इंस्पेक्टर शेर सिंह कन्याल ने पूर्व सेवानिवृत अधिकारियों का सम्मान किया। योजनाओं की जानकारी देते हुए कन्याल ने बताया कि काठगोदाम में हुए सम्मेलन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में कल्याण निदेशालय गठित करने, राष्ट्रपति पुलिस मेडल गैलंट्री अवॉर्ड प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को राज्य

खटीमा में पूर्व अर्धसैनिक कल्याण समिति की बैठक में उपस्थित पूर्व अर्धसैनिक।

सरकार की ओर से पांच लाख रुपये की सम्मान निधि देने, पूर्व कर्मियों व भूमिहीन वीरांगनाओं को पहली बार भूमि खरीदने में स्टांप शुल्क में 25 प्रतिशत छूट देने व उनके बच्चों की शादी के लिए वित्तीय सहायता देने की घोषणा की थी। उन्होंने सीजीएचएस हॉस्पिटल खोलने हेतु भूमि चयन करने संबंधी आदेश भी निर्गत किए थे। बैठक में सहायक कमांडेंट डीएन शर्मा, सहायक कमांडेंट शेर राम, निरीक्षक रविंद्र सिंह कन्याल, उप निरीक्षक महेंद्र सिंह भंडारी, भगवान सिंह ज्याला, भगवान सिंह सामंत, विक्रम चंद आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम | 15 जनवरी को सेना दिवस पर भव्य आयोजन का लिया निर्णय

पूर्व सैनिक सम्मेलन में सेना दिवस पर मंथन

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: पूर्व सैनिक संगठन के मासिक सम्मेलन में सेना दिवस के भव्य आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सम्मेलन में हाल ही में सेवानिवृत्त होकर आए पूर्व सैनिकों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

ब्लॉक सभागार में आयोजित सम्मेलन में साइबर ठगों द्वारा सैनिकों के साथ की जा रही धोखाधड़ी से सतर्क रहने और संगठित रहने के लिए जागरूक किया गया। कैप्टन नारायण सिंह सौन ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य 15 जनवरी को सेना दिवस को भव्य रूप से मनाने के लिए सभी पूर्व सैनिकों को अवगत कराना था। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी से पूर्ण सहयोग की अपील की। ब्लॉक प्रतिनिधि नायब सूबेदार कुंदन राम ने हाल ही में सेवानिवृत्त हुए सैनिकों को जिला सैनिक कल्याण बोर्ड में पंजीकरण की प्रक्रिया तथा आगे की आवश्यक कार्रवाई की जानकारी दी। सेना दिवस को भव्य रूप से आयोजित करने के लिए उपस्थित पूर्व सैनिकों ने सर्वसम्मति से सहमति व्यक्त की। सम्मेलन के अंत में संगठन अध्यक्ष कैप्टन गंभीर सिंह धामी ने सभी को नववर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए संगठित रहने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सेना दिवस के अवसर पर समस्त वीर नारियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से सम्मेलन स्थल पर प्रवेश के लिए टोकन प्रणाली लागू की गई है, ताकि असामाजिक तत्वों की घुसपैठ रोकी जा सके। कार्यक्रम का संचालन धन सिंह सामंत ने किया। इस अवसर पर नेत्र सिंह ज्याला, मनोहर सिंह ज्याला, आनंद सिंह धोनी, देवेंद्र सिंह कन्याल, धन सिंह बोरा, कल्याण सिंह भंडारी, फकीर सिंह ज्याला, भूपेंद्र सिंह खोलिया, त्रिलोक सिंह जेठी, किशन सिंह चौहान, आन सिंह, राजेंद्र सिंह बसेड़ा, जीत सिंह गोबाड़ी, नरेंद्र सिंह, इंद्र सिंह कुंवर, लाल सिंह रावत, लक्ष्मण सिंह कठायत, गणेश चंद, लाल सिंह नेगी, रुद्र सिंह, जगदीश सिंह बोरा, टिकेंद्र सिंह मेहता, भूपेंद्र चंद, गोविंद थापा, एम.डी. अवस्थी, कुंदन राम, त्रिलोक सिंह धामी सहित अनेक पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

इनका हुआ स्वागत

16 कुमाऊं रेजीमेंट से कैप्टन नंदन सिंह, 18 महर रेजीमेंट से सुबेदार भगवान सिंह सामंत, 12 कुमाऊं रेजीमेंट से सुबेदार भीम सिंह गोबाड़ी, 6 कुमाऊं से कैप्टन राजेन्द्र सिंह भंडारी, 13 महर से कैप्टन रमेश सिंह खोलिया, 20 कुमाऊं से हवलदार नरेंद्र सिंह और हवलदार हयात सिंह, बंगाल इंजीनियरिंग से लक्ष्मी दत्त पांडे तथा 21 जैक राइफल से नायक रमेश सिंह खड़का शामिल हैं।

सभासद प्रतिनिधि विष्णु शील को पितृ शोक

दिनेशपुर : नगर पंचायत वार्ड-7 के सभासद प्रतिनिधि विष्णु शील के पिता एवं समाजसेवी मधु शील (65) का रविवार को आकस्मिक निधन हो गया। समाजसेवी मधु शील की पुत्रवधू, वार्ड-7 की सभासद रेखा शील के आवास पर शोक व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। दोपहर एक बजे नगर के मोक्षधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। शोक व्यक्त करने वालों में भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, नपं. के पूर्व अध्यक्ष कांबल सिंह विर्क, विधायक अरविंद पांडेय, नगर पंचायत अध्यक्ष मनजीत कौर, आप नेता सुभाष व्यापारी, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, कांग्रेस नेत्री ममता हालदार, हिमांशु सरकार, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश नारंग, विश्वजीत मंडल, राजेंद्र बिष्ट, निखिल बढ़ई, अनिल रौतेला, पत्रकार मनोज अधिकारी, सुरेंद्र बिष्ट, मुकेश रहे।

मधु शील (फाइल)

नैनीताल स्टेट हाईवे पर लगा लंबा जाम

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: रविवार को लगने वाले साप्ताहिक हाट के चलते नैनीताल स्टेट हाईवे व बेरिया रोड की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। इंदिरा कॉलोनी क्षेत्र स्थित लेवड़ा पुल के दोनों ओर सड़क किनारे फड़-ठेलों और ई-रिक्शों की कतारें लगने से अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। वाहनों की लंबी कतारें लगने से राहगीरों को भारी जाम से जूझना पड़ा।

हालांकि नैनीताल-बाजपुर मुख्य मार्ग के शहरी क्षेत्र में ई-रिक्शों व फड़-ठेलों पर प्रतिबंध के बाद सामान्य दिनों में यातायात व्यवस्था काफी हद तक नियंत्रित रहती है, लेकिन साप्ताहिक हाट के दिन स्थिति फिर से बिगड़ जाती है। रविवार को मुख्य मार्ग के साथ ही बेरिया रोड

बाजपुर में नैनीताल स्टेट हाईवे पर लगे भीषण जाम में फंसे वाहन चालक।

पर भी जाम की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया। लेवड़ा पुल के आसपास सुबह से शाम तक फड़ लगने और ई-रिक्शों के अनियंत्रित संचालन के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित रही। कई बार तो दोपहिया वाहन चालकों को भी निकलने में भारी परेशानी हुई और कुछ स्थानों पर लोगों को पैदल रास्ता तलाशना पड़ा। बाजार में खरीदारी के लिए आए महिला-पुरुषों और बच्चों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि साप्ताहिक हाट के दिन यातायात नियंत्रण के लिए प्रशासन को अतिरिक्त पुलिस बल और विशेष व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि जाम से राहत मिल सके।

ब्रीफ न्यूज

अवैध खनन पर कार्रवाई पोकलैण्ड मशीन जब्त

लोहाघाट : तहसीलदार बाराकोट भीम कुटियाल ने बताया कि तहसील बाराकोट अंतर्गत राजस्व निरीक्षक बाराकोट, राजस्व उप निरीक्षक बाराकोट एवं राजस्व उप निरीक्षक दयारोली द्वारा ग्राम–बौतड़ी, सरयू नदी क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सरयू नदी के किनारे पोकलैण्ड मशीन को अवैध खनन करते पाया गया। राजस्व टीम को देख पोकलैण्ड मशीन का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। उक्त खनन पट्टे की देखरेख कर रहे संबंधित व्यक्ति खनन तथा वैध अभिलेख प्रस्तुत करने में असमर्थ रहे। निरीक्षण में पाया गया कि पोकलैण्ड मशीन द्वारा आरबीएम खनन किए जाने से 3 गड्ढे बनाए गए हैं। निरीक्षण के समय खनन किया गया आरबीएम मौके पर नहीं पाया गया तथा खनन क्षेत्र में सीमा स्तम्भ भी नहीं मिले।

सावित्रीबाई फुले जयंती धूमधाम से मनाई गई

बनबसा : भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले व फातिमा शेख की जयंती बड़े हर्षोल्लास और सम्मान के साथ मनाई गई। वार्ड नंबर 5 में सुमन देवी के आवास पर बामसेफ, शिक्षक संगठन व जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए कार्यक्रम में सावित्री बाई फुले के जीवन पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में वामसेफ के कार्यकर्ता मनोज कुमार जाटव ने कहा कि नारों से नहीं बल्कि शिक्षा से ही नारी सशक्तिकरण सम्भव है। इस अवसर पर वीरवती श्रीवास्तव, रामप्यारी राठौड़, पुष्पा सागर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विमला साजवान, बसपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता राम नरेश, रामभज, मो .उमर, सुमन देवी, मनोज जाटव, धीरज सिंह, कैलाश सागर, केशव राम, खीम राम आर्या, सुनील वाल्मीकि,अशोक सागर आदि उपस्थित रहे।

खेल प्रतियोगिताएं 6 से 9 जनवरी तक

चम्पावत : जनपद चम्पावत में मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी–2025 (खेल महाकुम्भ 2025) के अंतर्गत विधानसभा स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 6 जनवरी से 9 जनवरी तक गोरलचौड़ मैदान, चम्पावत में किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सभी संबंधित विभागों, अधिकारियों एवं संस्थाओं को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए हैं। डीएम ने कहा है कि आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था खेल संचालन, सुरक्षा, चिकित्सा, पेयजल, स्वच्छता एवं यातायात–समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की जाए।

द्वाराहाट में सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोग

अंकिता हत्याकांड में वीआईपी को बचाने का आरोप, मामले की सीबीआई जांच कराने की उठाई मांग

- कांग्रेस विधायक मदन बिष्ट के नेतृत्व में किया जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता, रानीखेत

द्वाराहाट में रविवार को अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले को लेकर आयोजित प्रदर्शन में शामिल महिलाएं व कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अंकिता हत्याकांड को लेकर रविवार को कांग्रेस ने द्वाराहाट में विधायक मदन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की।

घटगाड़ पुल से हाथों में पोस्टर बैनर लेकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने मुख्य चौराहा तक आक्रोश रैली निकाली। जिसमें विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भागीदारी कर सरकार के विरुद्ध मोर्चा खोला। बाद में मुख्य चौराहे पर सभा को संबोधित करते हुए मदन सिंह बिष्ट ने भाजपा सरकार पर जमकर प्रहार किए।

विधायक ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड के तुरंत बाद कांग्रेस ने मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी। तब अपने नेताओं को बचाने के भरपूर प्रयास किए गए। अब पार्टी का पूर्व विधायक और उसकी कथित पत्नी अपने नेताओं के नाम सार्वजनिक कर रहे हैं, तो सच्चाई सामने आ चुकी है। सरकार में थोड़ी सी भी शर्म बाकी है तो उक्त प्रकरण की सीबीआई जांच करवाए। सब दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। ब्लाक प्रमुख डा. आरती किरौला तथा नगर पंचायत अध्यक्ष संगीता आर्या ने भी भाजपा पर जमकर प्रहार किए। सरकार और पार्टी को महिला विरोधी बताया। कहा कि इनके राज में कोई भी सुरक्षित नहीं। कई अन्य कार्यकर्ताओं ने भी संबोधित कर अंकिता भंडारी के स्वजनों को न्याय दिलाने की आवाज बुलंद की। कहा कि अंकिता हत्याकांड में सरकार को पता था कि मामले में उनके अपने नेता संलिप्त हैं। इसीलिए बुल्डोजर चला रातों रात सुबूत नष्ट कर दिए गए। भाजपा सरकार में बेटियां, नौकरियां, जमीन, जंगल कुछ भी सुरक्षित नहीं हैं। जिलाध्यक्ष जगदीश रौतेला, राज्य आंदोलनकारी बीरेंद्र बजेठा, सुशील साह, बिपिन पंत, कुंदन बिष्ट, चतुर सिंह किरौला रहे।

मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही भाजपा

अल्मोड़ा : कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने जारी एक बयान में कहा कि अंकिता हत्याकांड में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा कांग्रेस का पुतला दहन किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, शर्मनाक और जनभावनाओं का अपमान है। कहा कि मामले को भाजपा भटकाने की कोशिश कर रही है। भाजपा को कांग्रेस पर उंगली उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। पहले वह यह बताए कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में प्रभावशाली लोगों को संरक्षण क्यों दिया गया। चेतावनी दी कि यदि भाजपा ने इस संवेदनशील मामले में राजनीति करना बंद नहीं किया और दोषियों को बचाने का खेल जारी रखा तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

द्वाराहाट में अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर विधायक मदन बिष्ट के नेतृत्व में आक्रोश रैली निकालते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

बागेश्वर में विपक्ष का पुतला फूंकते भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

भाजपा महिला मोर्चा ने फूंका विपक्ष का पुतला

बागेश्वर, अमृत विचार : अंकिता हत्याकांड पर भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए विपक्षी दलों का पुतला फूंका। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा गोस्वामी के नेतृत्व में महिलाओं ने रविवार को एसबीआई तिराहे पर कांग्रेस का पुतला फूंका। इस दौरान जिलाध्यक्ष रेखा गोस्वामी ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा ऐतिहासिक विकास कार्य किए हैं। लव जेहाद, थूक व लैंड जेहाद के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। यूसीसी लागू करके देश में अलग पहचान बनाई है। जिसकी लोकप्रियता से बौखलाकर कांग्रेस अनर्गल बयानबाजी कर रही है। साथ ही प्रदेश के माहौल को अशांत करना चाह रही है। वक्ताओं ने कहा कि जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों व अन्य कार्यों को देखकर दोबारा सत्ता भाजपा को सौंपनी चाहती है जिससे कांग्रेस बौखला गई है। इस दौरान पूर्व जिपं अध्यक्ष दीपा आर्या, ममता गड़िया, भावना रावत, सुनीता टम्टा, जीवंती कांडपाल आदि उपस्थित थे।

भाजपा ने अंकिता मामले में कांग्रेस का पुतला फूंका

- कांग्रेस पर अंकिता हत्याकांड को लेकर राजनीति करने का आरोप
- बोले-सरकार ने आरोपियों को पहले ही दिलाई है सजा

संवाददाता, चम्पावत/अल्मोड़ा

चम्पावत में कांग्रेस का पुतला फूंकते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में भाजपा ने कांग्रेस पर सियासत करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस का पुतला दहन किया। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपा जोशी के नेतृत्व में भाजपा ने चम्पावत में कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करने के बाद पुतला दहन किया।

कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में कांग्रेस लगातार निकृष्ट राजनीति कर रही है। जबकि प्रदेश सरकार ने त्वरित कार्रवाई व मजबूत साक्ष्यों को कोर्ट में प्रस्तुत कर अपराधियों को आजीवन कारावास की सजा दिलाई है। पुतला दहन करने वालों में दर्जा राज्यमंत्री श्याम नारायणा पांडेय, भाजपा जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडेय, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, सरोज चन्द, युवा मोर्चा प्रदेश संयोजक गौरव पांडेय, मंडल अध्यक्ष सुनील पुनेठा, प्रकाश बिनवाल, चंद्रशेखर बगौली, मोर्चो के जिलाध्यक्ष मुकेश जोशी व पवन नाथ, विनीता फर्त्याल, रेखा देवी, सुनीता मुरारी, रूकमणि उनियाल, कैलाश अधिकारी, गीता भट्ट, पुष्पा ओझा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इधर अल्मोड़ा में भी भाजपा महिला मोर्चा ने रविवार को कांग्रेस का पुतला फूंका। इस दौरान कांग्रेस पर अंकिता भंडारी मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया।

नगर के मालरोड स्थित चौघानपाटा में भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस का पुतला फूंक जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस अंकिता भंडारी मामले में निकृष्ट राजनीति कर रही है। वहीं, सरकार और भाजपा की छवि धूमिल करने को शोसल मीडिया के माध्यम से भी षडयंत्र रच रही है।

इस अवसर पर पुतला फूंकने वालों में जिलाध्यक्ष पूनम पालीवाल, मेयर अजय वर्मा, प्रदेश मंत्री किरन पंत, ब्लॉक प्रमुख हिमानी कुंडू, पूर्व जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, पूर्व दर्जा राज्य मंत्री गोविंद पिलख्वाल, विनीत बिष्ट, राजीव गुरुरानी, देवेंद्र भट्ट, रेखा आर्या, सौरभ वर्मा, जगमोहन बिष्ट, कमला तिवारी, पूनम वर्मा, कविता वर्मा, पूनम वर्मा, कविता वर्मा, प्रीति रस्तोगी, प्रीति रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

रविंद्र ने लगाया रक्तदान का शतक लायंस क्लब ने किया सम्मानित

संवाददाता, टनकपुर

टनकपुर में रक्तदान के शतकवीर रविंद्र महर को सम्मानित करते पदाधिकारी।

अमृत विचार: लायंस क्लब टनकपुर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन टनकपुर के उप जिला चिकित्सालय में किया गया। जिसमें क्षेत्र के लोगों के साथ लायंस क्लब के सदस्यों ने भी प्रतिभाग किया। जिसमें 20 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया।

इसमें खटीमा से आए न्यू लाइफ लाइन चैरेटबेल ट्रस्ट के डॉ. सुभाष यादव एवं डॉ. नीलिमा ज्याला व उनकी टीम ने सहयोग किया। रक्तदान शिविर में लायंस क्लब के सदस्यों ने रविन्द्र महर के 100 वीं बार रक्तदान करने पर उन्हें शॉल पहनाकर सम्मानित किया गया। रक्तदान शिविर में लायंस क्लब अध्यक्ष अनुराग अग्रवाल, शिविर संयोजक दीपक छतवाल, संयोजक संजय अग्रवाल, सचिव गौरव अग्रवाल, दीपक जैन, रोहिताश अग्रवाल, वैभव अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, विकास गुप्ता, दीपक शारदा, अर्पित शर्मा, अभिषेक गुप्ता, लायन लेडी सदासा अग्रवाल, शुभी अग्रवाल, नेहा शारदा, नारी शक्ति संस्थान कल्पना अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बोलेरो जीप दुर्घटना, एक ही परिवार के पांच घायल

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: सूखीढांग-डांडा-मीडार (एसडीम) रोड पर सूखीढांग से 20 किमी दूर बुड़म सुकमी के पास एक जीप दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को उपजिला चिकित्सालय टनकपुर भेजा गया है। सभी घायल एक ही परिवार के हैं, जो नानकमत्ता से रमक जा रहे थे।

घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को 108 एबुलेंस से अस्पताल भेजा। घायलों में मोहन चंद्र भट्ट (42) पुत्र केशव दत्त, प्रेम बल्लभ जोशी (65) पुत्र डुंगर देव, प्रियांशु (13) पुत्र मोहन चंद्र, चंद्रबल्लभ जोशी (74) पुत्र खिमानंद, देवकी देवी (68) पत्नी चंद्रबल्लभ जोशी शामिल हैं। सभी रमक गांव के रहने वाले हैं। सूखीढांग क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता पंडित शंकर दत्त जोशी ने बताया कि दुर्घटना दोपहर करीब साढ़े 12 बजे के हुई। बोलेरो जीप से बुड़म सुकमी के पास ऊपर से गुजर रही रोड से लुढक कर नीचे सड़क तक पहुंच गई। टांग के ग्राम प्रधान चंद्रशेखर गड़कोटी की सूचना पर 108 एंबुलेंस से घायलों को टनकपुर उप जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पतात के डाक्टर मो. उमर ने बताया कि सभी का प्राथमिक उपचार किया गया। जिसके बाद स्वजन पांचों घायलों को खटीमा ले गए हैं। सभी की हालत खतरे से बाहर है।

ब्रेल लिपि ने किया दृष्टिबाधितों के जीवन में बदलाव: जिलाधिकारी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में ब्रेल लिपि दिवस पर प्रतियोगिता में अव्वल रहे प्रतिभागी प्रमाण पत्रों के साथ।

अमृत विचार: राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ उप शाखा की ओर से रविवार को लुई ब्रेल दिवस मनाया। इस दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर लुई ब्रेल को याद किया गया।

नगर के रैमजे इंटर कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीएम अंशुल सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि ब्रेल लिपि ने दृष्टिबाधित व्यक्तियों के जीवन में शिक्षा, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का नया मार्ग प्रशस्त किया है। समाज का दायित्व है कि दिव्यांगजनों को समान अवसर प्रदान किए जाएं और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए संवेदनशील और सहयोगात्मक वातावरण तैयार किया जाए। कहा कि दिव्यांग भी साधारण जीवन बिता सकते हैं। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं भी आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। यहां कार्यक्रम में मेयर अजय वर्मा, स्वामी माधवाधनंद, वरिष्ठ अधिवक्ता पीसी तिवारी, चंद्रमणी भट्ट, नीरज पंत, मोहन कांडपाल, देवेंद्र फर्त्याल, प्रताप सत्याल, मनोज सनवाल, जमशेद सिंह चौहान, श्याम सुंदर लोहनी, दीवान सिंह नयाल, हेम जोशी, शंकर दत्त भट्ट, गोपाल गैड़ा, चंचल दुर्गापाल, पुष्पा गैड़ा, आनंद सिंह रावत समेत कई लोग मौजूद रहे।

अल्मोड़ा की नम्रता ने 'मेरा पीक' पर फहराया तिरंगा

संवाददाता, अल्मोड़ा

'मेरा पीक' पर नम्रता साह।

अमृत विचार: अल्मोड़ा की नम्रता साह ने नेपाल स्थित 6,476 मीटर ऊंचे 'मेरा पीक' को फतह कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सात सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय अभियान दल में शामिल नम्रता इस शिखर पर पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय महिला रहीं।

'मेरा पीक' की चढ़ाई कम ऑक्सीजन और चुनौतीपूर्ण बर्फीले रास्तों के लिए जानी जाती है। नम्रता ने न केवल इन बाधाओं को पार किया, बल्कि महिला सशक्तीकरण की मिसाल भी पेश की। नगर के ग्राम पंचायत खत्याड़ी निवासी नम्रता एक सेना अधिकारी की पत्नी और सात वर्षीय पुत्र की माता भी हैं। उन्होंने इससे पहले साल 2025 में उन्होंने एवरेस्ट बेस कैंप और काला पत्थर शिखर पर भी सफल चढ़ाई की थी। उस समय भी वे 14 सदस्यीय दल में एकमात्र महिला प्रतिभागी थी।

उनकी इस उपलब्धि पर उनके गृह क्षेत्र खत्याड़ी समेत पूरे अल्मोड़ा में जश्न का माहौल है।

एक साल में सवा तीन करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जब्त

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: मादक पदार्थों की रोकथाम और तस्करी करने वालों के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। जिले भर में पुलिस ने बीते एक साल में 95 तस्करों की गिरफ्तारी की है। साथ ही पुलिस तस्करों के कब्जे से सवा तीन करोड़ रुपये से अधिक का मादक पदार्थ बरामद कर चुकी है। इसमें स्मैक, चरस, गांजा व शराब शामिल है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा के निर्देशन में पुलिस अपराधों को रोकने के लिए लगातार प्रयासरत है। अकेले अल्मोड़ा जिले में ही इसी साल अब तक बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़े जा चुके है। इस साल अब तक अल्मोड़ा जिले में पुलिस ने ऐसे अपराधों के कई मामले दर्ज कर 95 तस्कर गिरफ्तार किए है। वहीं, सवा तीन करोड़ से अधिक के मादक पदार्थों को जब्त किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पींचा ने बताया कि जिले को नशा मुक्त करने के प्रयास लगातार जारी है। बीते साल इसमें काफी हद तक सफलता भी मिली है। बाहर ले जाने वाले मादक पदार्थ और जिले में आने वाले नशे को पुलिस ने पकड़ा है। ताकि, युवा पीढ़ी नशे की गर्त में जाने से बच सके। कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है।

अब तक बरामद किए गए मादक पदार्थ

स्मैक	248.53 ग्राम
चरस	14.757 किग्रा
गांजा	881.30 किग्रा
अफीम	1.14 किग्रा

हैंडपंप खराब होने से भिंगराड़ा में जल संकट

लोहाघाट, अमृत विचार: पाटी विकासखंड के भिंगराड़ा अमृतसर मार्केट में मोडेक्स प्रणाली का एकमात्र हैंडपंप खराब हो जाने से क्षेत्र में पेयजल संकट गहरा गया है। इससे परेशान ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेज कर शीघ्र समस्या के समाधान की मांग की है।

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पेयजल का एकमात्र स्रोत यह हैंडपंप था, जो अब खराब चल रहा है। पेयजल की कमी से मजबूर होकर वह प्राकृतिक जल स्रोत नदी, नालों से पानी लाकर अपनी दिनचर्या चला रहे हैं। ग्रामीणों ने शीघ्र हैंडपंप की मरम्मत कराने की गुहार लगाई है। इस दौरान चंद्रशेखर जोशी, चंदन राम, दीपक शर्मा, जगदीश सिंह, पुष्कर सिंह, प्रकाश सिंह सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

सिटी ड्रेनेज प्लान के लिए 65.65 करोड़ स्वीकृत

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जनपद चम्पावत में आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण एवं जल संरक्षण को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री धामी द्वारा शारदा घाट परियोजना के अंतर्गत सिटी ड्रेनेज प्लान (फेज–1) के निर्माण के लिए 65.65 करोड़ रुपए की योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन से शहरी जल निकासी व्यवस्था में व्यापक सुधार होगा, जिससे जलभराव की समस्या का प्रभावी समाधान, स्वच्छता स्तर में वृद्धि तथा पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने जनपद चम्पावत में सहायक नदी व धारा उपचार (कालसन भोलेश्वर) के अंतर्गत समग्र जल संरक्षण, जल संवर्द्धन एवं मृदा संरक्षण व पुनरोद्धार कार्यों के लिए 3.39 करोड़ रुपये की स्वीकृति भी प्रदान की है।

यह स्वीकृति जलागम प्रबंधन के अंतर्गत दी गई है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पुनर्जीवन को बढ़ावा मिलेगा। इन महत्वपूर्ण स्वीकृतियों से जनपद में शहरी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार, जल संसाधनों का संरक्षण तथा समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी।

अमृत विचार

सोमवार, 5 जनवरी 2026

अगर आप नीचे की ओर देख रहे हैं, तो आपको कभी इंद्रधनुष नहीं मिलेगा।

–चार्ली चैपलिन, हॉलीवुड अभिनेता

क्या शक्ति ही नीति है

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला पर कब्जा अप्रत्याशित नहीं था, इसकी पृष्ठभूमि बहुत पहले से तैयार की जा रही थी, लेकिन जिस तरह एक संप्रभु देश वेनेजुएला के खिलाफ प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई करके इसे अंजाम दिया गया, वह केवल शक्ति-प्रदर्शन का नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय कानून, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और नैतिकता का गंभीर मामला बन गया है। किसी भी स्थिति में एक संप्रभु राष्ट्र पर जब तक वह संयुक्त राष्ट्र चार्टर में परिभाषित आत्मरक्षा या सामूहिक सुरक्षा की शर्तों का उल्लंघन न कर रहा हो, बल प्रयोग नाजायज़ है। ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस को इस कारगुजारी के लिए विश्वास में नहीं लिया। इस तरह यह न केवल अमेरिकी लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को, जिसकी लाठी उसकी भैंस का यह संदेश देता है।

वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ लंबे समय से असंतोष रहा है और विपक्षी आंदोलनों को अमेरिकी समर्थन के आरोप भी लगते रहे, तो क्या अमेरिका कूटनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक दबाव के जरिए सत्ता परिवर्तन की कोशिश नहीं कर सकता था। सैन्य कार्रवाई बताती है कि शायद धैर्य और बहुपक्षीयता की जगह त्वरित नियंत्रण और संसाधनों, खासतौर पर तेल पर कब्जे को प्राथमिकता देने में जल्दबाजी की गई। यह स्थिति 2003 में ईराक पर हुई कार्रवाई और सद्दाम हुसैन के खिलाफ युद्ध की याद दिलाती है, जहां 'विनाशकारी हथियारों' के आरोप बाद में कमजोर साबित हुए। विचारधारा आधारित शत्रुता को व्यावहारिक नीति के रूप में अपनाने की कीमत अंततः क्षेत्रीय अस्थिरता, आतंकवाद और मानवीय संकट के रूप में चुकानी पड़ी। वेनेजुएला के मामले में भी यही खतरा है। सैन्य कार्रवाई के दौरान नागरिक ठिकानों को नुकसान पहुंचा और निर्दोष लोग मारे गए हैं। निःसंदेह यह अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। 'नार्को-टेरर' जैसे आरोपों को सिद्ध करने का दायित्व भी हमलावर पर ही होता है; केवल आरोप लगाकर किसी देश की संप्रभुता को रौंदा नहीं जा सकता। यह भी संदिग्ध है कि वेनेजुएला का राजनीतिक नेतृत्व और आम जनता 'अमेरिकी शक्ति ही नीति है' की सोच और उसके प्रभुत्व को सहजता से स्वीकार कर लेगी।

चिली को छोड़ कर विश्व और दक्षिण अमेरिका के अधिकांश देशों द्वारा इस कार्रवाई की आलोचना यह दिखाती है कि क्षेत्रीय राजनीति में अमेरिका के प्रति अविश्वास और बढ़ेगा। स्थानीय हिंसा और अस्थिरता का चक्र तेज़ होने की आशंका भी प्रबल है। यदि मामला अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय तक जाता है, तो अमेरिका पर यह आरोप भी लगेगा कि वह अपने प्रभाव से न्याय को प्रभावित करने की कोशिश कर सकता है। यह स्थिति वैश्विक व्यवस्था के लिए खतरनाक संकेत होगा। भारत के लिए यह प्रकरण महत्वपूर्ण सबक देता है। नई दिल्ली को स्पष्ट रूप से अंतर्राष्ट्रीय कानून, संप्रभुता और शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में खड़ा रहना चाहिए। किसी भी महाशक्ति की एकतरफा सैन्य कार्रवाई का समर्थन न करते हुए, भारत को बहुपक्षीयता, संवाद और कूटनीति को ही वैश्विक शांति का आधार मानने की अपनी नीति पर दृढ़ रहना चाहिए। यही भारत के दीर्घकालिक हित और वैश्विक जिम्मेदारी दोनों के अनुरूप होगा।

प्रसंगवश

हीर के लिए नहीं रही अब उतनी पीर

प्रेम प्रकृति की ऐसी देन है, जो किसी मर्यादा को नहीं मानता। कहा तो यहां तक गया है कि समुद्र को स्याही और पृथ्वी को कागज मानकर भी प्यार की दस्तानें लिखी जाएं, तो यह दोनों भी कम पड़ सकते हैं। इसके लिए लिंग, आयु, अनुभव, अमीर-गरीब के बीच की सीमाएं कोई मायने नहीं रखतीं। प्रेम के इसी मासूम स्वभाव के कारण दुनिया में कोई भी ऐसा दिल नहीं, जहां यह न पनपता हो। कोई भी ऐसा दिमाग नहीं, जहां इसे बुरा माना जाता हो। केवल कुछ परिस्थितियों को छोड़कर, जहां यह मानव समाज द्वारा स्थापित वर्जनाओं को तोड़ता है। इन परिस्थितियों में मासूम माने जाने वाला प्यार उद्दंड कहलाने लगता है और अक्सर हिंसा का कारण बन जाता है।

यह तय है कि प्रेम नहीं होता तो सृष्टि की संरचना ही असंभव थी, पर बीते कुछ सालों से प्रेम की भावना और उसके स्वरूप पर व्यापक बदलाव देखने को मिला है। प्रेमी अब इतिहास कम और भूगोल में ज्यादा दिलचस्पी लेने लगे हैं। प्यार अब बाजार में बदल रहा है और बाजारवाद ने प्रेम की परिभाषा ही नहीं, बल्कि प्रतीक भी बदल डाले हैं।

दीपक नौगांई

शिक्षक

प्रेम के बाजारीकरण ने अंतर संबंधों की दुनिया को बहुत प्रभावित किया है। प्रेम अब निजता की जगह अखबारी विज्ञापन बनता जा रहा है। प्रेम के नाम से बाजार सजा है, तो चतुर व्यापारी इसे पूरी शिद्दत के साथ भुनाने में लगे हैं। फैशन की तरह ओढ़े जाने वाले प्रेम में प्रेयसी का नाम अब गर्लफ्रैंड हो गया है। 21वीं सदी का प्यार भी एक नया रूप ले चुका है और दिल चुराने का मजा जैसे बीते दिनों की बात हो गई है। प्रेम में धीरे-धीरे पग बढ़ाने और उसका मजा लेने के दिन अब नहीं रहे, बल्कि तुरत-फुरत प्यार करने और जल्द ही भूल जाने का जमाना है। युवा हर महीने अपने ब्वायफ्रैंड और गर्लफ्रैंड बदलने से भी नहीं कतराते। उनका एक दूसरे के प्रति प्यार भावनात्मक न होकर मात्र शारीरिक आकर्षण रह गया है।

मोबाइल क्रांति के युग में प्यार करने के कुछ अलिखित नियम हैं। हमेशा साथ निभाने का वायदा कतई नहीं, दूसरे शब्दों में कहें तो इस पीढ़ी के प्रेमियों का मूल मंत्र है, 'तू नहीं तो और सही'। प्यार में अब पहले जैसी निरंतरता और गंभीरता नजर नहीं आती। मौजूदा दौर में जब भावनाओं और संवेदनाओं के लिए जगह सिकुड़ती जा रही हो, तब युवा पीढ़ी के लिए प्यार फटाफट उपभोग की वस्तु बनकर रह गया है। फास्ट फूड की तरह प्यार में भी अब इंतजार के झंझटों की गुंजाइश नहीं, इसलिए प्यार, साल तो क्या महीना पूरा होते-होते खत्म हो जाता है।

एक जमाना था जब माशूका की बस एक झलक पाने के लिए आशिक घंटों चिलचिलाती धूप में छत पर खड़े रहते थे। सिर्फ दो घड़ी की मुलाकात के लिए उनके घर से निकलने का बेसब्री से इंतजार हुआ करता था। तब प्यार का इजहार आंखों से होता था, पर आज सारी देह बोलती है, लेकिन उसमें जज्बात नहीं होते। मोहब्बत के मायने बदल गए हैं। तौर तरीके भी बदल गए हैं और मोहब्बत करने का सलीका भी। पत्र के जरिए मोहब्बत और पैगाम पहुंचने की अब जरूरत नहीं रही। मोबाइल के जमाने में सवाल ही नहीं उठाता कि आशिक या माशूक कहीं दूर छिटक कर चला जाए। वर्जनाएं तोड़ रहे इस प्रेम के तरीके यह साबित करने के लिए काफी हैं कि इस सदी में हमने यह कौन सी राह पकड़ ली है। दैहिक पहलू के हावी होने से प्यार की परिभाषा और अर्थ दोनों बदल गए हैं। दरअसल नई पीढ़ी रोमांस के मामले में या तो अत्यधिक उत्तेजित होती है या संवेदनहीन।

सोमनाथः अटूट आस्था के एक हजार वर्ष

नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम् में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है... 'सौराष्ट्रेसोमनाथं च...' यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है: 'सोमलिङ्गंनरोदृष्ट्वासर्वपापैः प्रमुच्यते। लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥' अर्थात् सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था।

वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है, क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस पर बड़ा आक्रमण कर मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था।

सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनः निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण संपन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ, वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे।

1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है, तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है, जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है। हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था, जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे।

1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था, लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं, जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया और हर बार, पीढ़ी-दर-पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया। उसे जीवंत किया।

महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं के भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है।

ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें। 1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नई में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, "दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे।

इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार-बार नष्ट किए गए और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा।"

आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दीवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंततः 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे।

वर्ष 2026
सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है, क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस पर बड़ा आक्रमण कर मंदिर को ध्वस्त कर दिया था।

आमने

राज्य में लुटेरों के गिरोह पनप गए हैं और वही लोग सत्ता में आपके साथ हैं और अब समय आ गया है कि पीसीएमसी में भ्रष्टाचार के इस राक्षस को जलाकर राख कर दिया जाए।

–अजित पवार

अध्यक्ष

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी

सामने

मुझे लगता है कि अजित पवार का यह बयान चुनाव के माहौल को देखते हुए दिया गया है। अजित पवार को पहले खुद अपने गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। अगर हम आरोप लगाने पर उतर आए, तो उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

–रविंद्र चव्हाण

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष, महाराष्ट्र

वेनेजुएला राष्ट्रपति का अपहरण व ट्रंप की हिटलरी

आचार्य श्रीहरि

लेखक

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनजुएला प्रकरण ने दुनिया को डरा दिया है। उन्होंने दुनिया में जिसकी लाठी, उसकी भैंस की कहावत को सच कर दिया है। ट्रंप ने वेनेजुएला पर सैनिक हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी का अपहरण करा लिया। अपहरण कर निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिका लाया गया है। कहने का अर्थ यह है कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अमेरिका के कब्जे में हैं। अमेरिका ने घोषणा की है कि उसके सैनिकों ने बहुत सफल कार्रवाई की है। आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया है। सिर्फ वेनेजुएला के राष्ट्रपति भवन को सैनिक निशाना बनाया गया और सावधानीपूर्वक सैनिक कार्रवाई में मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया।

अमेरिका ने यह भी घोषणा की है कि निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी के साथ न्याय किया जाएगा, अन्याय नहीं किया जाएगा। उनके गुनाहों की उन्हें सजा जरूर दी जाएगी, पर उन्हें टैंकों या फिर गोलियों से नहीं उड़ाया जाएगा। उन्हें तत्काल फांसी नहीं दी जाएगी। उन्हें सजा के लिए स्वतंत्र न्यायिक व्यवस्था के अंदर अवसर दिया जाएगा, जहां पर उन्हें बेगुनाही साबित करनी होगी। अमेरिका के प्रमुख शहर न्यूयार्क में सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट है। इसी सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मादुरो और उनकी पत्नी पर मुकदमा चलेगा।

अमेरिका के इस कदम का दुनियाभर में विरोध भी तीव्र हुआ है। ट्रंप की दादागिरी और हिटलर शाही भी स्पष्ट हुई है। खासकर रूस और कोलंबिया ने अमेरिका को निशाना बनाया है और कहा है कि यह अंतर्राष्ट्रीय चार्टर का घोर उल्लंघन है और दुनिया की शांति के लिए बेहद खतरनाक है। कमजोर और विकासशील देशों पर अमेरिकी दबाव और शस्त्र हमले की आशंका भी तेज होती है। अमेरिका के इस कदम से दुनिया में अराजकता फैलेगी और विश्व युद्ध जैसी स्थितियां भी उत्पन्न होंगी। खासकर संयुक्त राष्ट्रसंघ और विश्व न्यायालय की साख और विश्वसनीयता कसौटी पर आ गई है। इस प्रकरण पर सिर्फ आलोचना करने मात्र से संयुक्त राष्ट्र संघ और विश्व न्यायालय की विश्वसनीयता बचने वाली नहीं है। बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मादुरो का गुनाह क्या है? डोनाल्ड ट्रंप ने किन कारणों और किन उद्देश्यों से निकोलस को गिरफ्तार करने और उन्हें सजा देने जैसे खतरनाक कदम उठाने के लिए प्रेरित और मजबूर हुए हैं?

डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार और अधिकारी इस खतरनाक कदम के प्रबंधन के लिए आगे आए हैं और रणनीतियां बनाई हैं। अपना पक्ष भी उजागर किया है। अमेरिका के अटार्नी जनरल पामेला बॉन्डी ने साफ तौर पर निकोलस के गुनाह गिनाए हैं और कहा है कि निकोलस अमेरिका के लिए खतरनाक दुश्मन हैं। निकोलस ने अमेरिका की संप्रभुत्ता के संहार के लिए साजिशें की हैं। साजिशों को लगातार आगे बढ़ाते रहे हैं। अमेरिकी युवाओं का संहार करने के लिए उसने कार्य किए हैं, अमेरिका में लगातार मादक द्रव्यों को अवैध निर्यात कर रहे थे, तस्करी कर रहे थे। अमेरिका के इन आरोपों को वेनेजुएला के उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने खारिज किया है और कहा है कि वेनेजुएला अपनी संप्रभुत्ता की रक्षा करने के लिए वह सब करेगा जो आवश्यक है। डेल्सी रोड्रिग्ज ने यह भी कहा है कि हमने अमेरिका का सामना करने के लिए सैनिक शासन लागू कर दिया है और हर मोर्चे पर हमारे सैनिक डटे हुए हैं। दुनिया का एक वर्ग यह मानता है कि यह खेल तेल का है। वेनेजुएला के पास प्रचुर मात्रा में तेल है। तेल का इतना बड़ा भंडार है कि पानी से भी वहां पर तेल सस्ता है।

अमेरिका प्रारंभ से ही वेनेजुएला के तेल भंडार पर कब्जा करना चाहता था और तेल भंडार में हिस्सेदारी चाहता था। अमरिका ने जिस तरह से अरब के देशों के तेल भंडार पर हिस्सेदारी सुनिश्चित की थी और अपनी कंपनियां वहां बैठाई थीं तथा लाभर्थी बना था, उसी प्रकार की स्थिति वेनेजुएला के अंदर चाहता था, लेकिन वेनेजुएला की तत्कालीन कम्युनिस्ट सरकार ने अमेरिका की यह इच्छा पूरी नहीं की और अमेरिका के सामने तन कर खडा हो गया। अब अमेरिका की वेनेजुएला तेल नीति क्या होगी? अमेरिका अब वेनेजुएला के तेल निर्यात को प्रतिबंधित कर सकता है। वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था पहले से ही खराब है। अब वेनेजुएला की आर्थिक स्थिति और भी खराब होगी। वेनेजुलला की जनता भूखे मरने के लिए विवश होगी।

क्या अमेरिका निकोलस मादुरो को फांसी पर लटकाएगा या फिर सजा सुनिश्चित करेगा? अंतर्राष्ट्रीय संहिता के अनुसार अमेरिका ऐसा नहीं कर सकता है। इस तरह के विवाद के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ और विश्व न्यायालय की व्यवस्था है। पर प्रश्न यह उठता है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ और विश्व न्यायालय के प्रति अमेरिका का कोई समर्पण है, अमेरिका की कोई प्रतिबद्धता है? इसका उत्तर नहीं में ही है। अगर संयुक्त राष्ट्र संघ और विश्व न्यायालय के प्रति अमेरिका का समर्पण होता, विश्व न्यायालय के प्रति प्रतिबंद्धता होती तो फिर निकोलस मादुरो का अपहरण ही अमेरिका नहीं करता?

अमेरिका अब भरोसेमंद देशों से सामान मंगाने की नीति पर काम कर रहा है। चीन से दूर जाने की इस प्रक्रिया में भारत एक मुख्य भागीदार बन सकता है।

सोशल फोरम

जीवन शुरू होने के नए तथ्य

जीवन की शुरुआत को लेकर हम अब तक एक आसान और सुरक्षित कहानी कहते आए हैं। कुछ रसायन मिले, एक कोशिका बनी और फिर धीरे–धीरे जटिलता आकार लेने लगी। यह कहानी आराम देती है, क्योंकि इसमें किसी गहरे अर्थ या अंतर्निहित क्रम को स्वीकार करने की ज़रूरत नहीं पड़ती, लेकिन अब पहली बार, विज्ञान ने उस सटीक क्षण को देखा है, जहां जीवन शुरू होता है और जो दृश्य सामने आया, उसने इस सरल कथा को असहज कर दिया है।

प्रो. आलोक खरे

बरेली कॉलेज

एमआईटी के वैज्ञानिकों ने मानव निषेचन के उसी क्षण का अवलोकन किया, जब शुक्राणु अंडाणु से मिलते ही विकास की प्रक्रिया शुरू होती है। उन्होंने वहां कोई बिखरी हुई रासायनिक हलचल नहीं देखी। इसके बजाय, ठीक उसी पल अंडाणु की सतह पर एक समन्वित जैव-रासायनिक तरंग फैलती दिखाई दी। यह धीरे-धीरे होने वाली प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि एक साथ सक्रिय हुआ संकेत, मानो किसी ने स्विच ऑन कर दिया हो, जो एक निष्क्रिय कोशिका को पूरे मनुष्य की संभावना में बदल देता है।

सबसे आश्चर्यजनक बात यह नहीं थी कि विकास शुरू होता है। सबसे आश्चर्यजनक बात यह थी कि वह कितनी व्यवस्था के साथ शुरू होता है। MIT ने पाया कि यह तरंग किसी बेतरतीब ढंग से नहीं फैलती। उसकी गति, उसका फैलाव और उसकी लय एक पहचाने जाने योग्य पैटर्न में बंधी हुई थी। यह पैटर्न रासायनिक दुर्घटना जैसा नहीं, बल्कि गणितीय था।

और यह गणित नया नहीं था। वही अनुपात, वही लय, जो हमें प्रकृति की सुंदर रचनाओं में बार-बार दिखाई देती है। सूरजमुखी के बीजों की सर्पिल सजावट में, शंख के खोल की घुमावदार बनावट में, पेड़ों की शाखाओं के फैलाव में और आकाशगंगाओं की घूमती भुजाओं में। इसे हम फिबोनाची अनुक्रम कहते हैं। एक सरल गिनती, जहां हर नया अंक अपने पहले के दो अंकों के जोड़ से बनता है।

प्रकृति जैसे इसी भाषा में बोलती हो। और अब, पहली बार, यही भाषा जीवन के बिल्कुल पहले क्षण में भी दिखाई दी। इस अवलोकन का अर्थ गहरा है। इसका अर्थ यह नहीं कि जीवन को कोई बाहर से डिज़ाइन कर रहा है। इसका अर्थ यह है कि क्रम चेतना से पहले मौजूद होता है। मस्तिष्क बनने से पहले, तंत्रिका तंत्र उभरने से पहले, सोचने की क्षमता आने से पहले— व्यवस्था पहले से उपस्थित रहती है। जीवन यहां किसी संयोग की तरह नहीं आता। वह दिशा लेकर आता है। वह बनता नहीं, वह खुलता है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

आपदाओं से भारत को 170 अरब डॉलर का नुकसान

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट और पत्रिका डाउन टू अर्थ के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से नवंबर 2025 के बीच 334 में से 331 दिन ऐसे रहे, जब देश के किसी न किसी हिस्से में अत्यधिक मौसमीय घटना दर्ज की गई। यानी पूरे साल का लगभग 99 प्रतिशत समय। अगर 2024 से तुलना करें तो पिछले साल यह आंकड़ा 295 दिनों का था। इन आपदाओं में 4400 से अधिक लोगों की जान गई और करीब 1.74 करोड़ हेक्टेयर फसल बर्बाद हो गई, जो बदलते जलवायु संकट की भयावह तस्वीर पेश करती है। मानसून बाढ़ से 2707 लोगों की जान गई। आंध्र प्रदेश में सबसे अधिक 608 मौतें, जबकि मध्य प्रदेश में 537 लोगों की जान गई। प्री-मॉनसून महीनों में ही 990 मौतें हुईं, जो 2022 की तुलना में लगभग तीन गुना थीं। अगस्त में आई बाढ़ के बाद पंजाब के कई जिलों में खेत पूरी तरह तबाह हो गए।

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

भारत दुनिया के उन दस देशों में शामिल है, जो बीते तीन दशकों में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। पर्यावरण थिंक टैंक जर्मन वॉच की नई रिपोर्ट क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 के मुताबिक, 1995 से 2024 के बीच भारत में करीब 4.30 मौकों पर प्राकृतिक रूप से असहनीय मौसम की घटनाओं ने 80 हजार से अधिक लोगों की जान ली और 1.3 अरब से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया।

इन आपदाओं से भारत को लगभग 170 अरब डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। यह रिपोर्ट ब्राजील के बेलेम शहर में आयोजित कॉप 30 सम्मेलन में जारी की गई। इसमें कहा गया कि भारत में लगातार बढ़ती बाढ़, चक्रवात, सूखा और भीषण गर्मी जैसी घटनाएं जलवायु परिवर्तन के गंभीर असर को रेखांकित करती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की स्थिति लगातार खतरे जैसी है, यानी ये घटनाएं अब अलग-अलग नहीं, बल्कि बार-बार दोहराई जा रही हैं। इससे विकास की उपलब्धियों पर असर पड़ रहा है और करोड़ों लोगों की आजीविका खतरे में है। भारत की विशाल जनसंख्या और मानसूनी पैटर्न पर निर्भरता इसे खासतौर पर संवेदनशील बनाती है। रिपोर्ट बताती है कि हर साल करोड़ों लोग किसी न किसी रूप में भीषण मौसम की चपेट में आते हैं।

साल 2024 में अकेले भारी मानसूनी बारिश और अचानक आई बाढ़ों ने गुजरात, महाराष्ट्र और त्रिपुरा में करीब 80 लाख लोगों को प्रभावित किया। पिछले वर्ष दुनियाभर में सबसे ज्यादा नुकसान बाढ़ और तूफानों से हुआ, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर का नुकसान पहुंचाया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यदि जलवायु परिवर्तन से निपटने की रफ्तार सुस्त रही तो वर्ष 2100 तक दुनिया का तापमान लगभग 2.6 से 2.8 डिग्री तक बढ़ सकता है, लेकिन अगर नेट जीरो से जुड़े वादे पूरे कर लिए जाएं तो यह 1.9 डिग्री तक गिर सकता है। इसके तहत सभी देशों को अपने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पादन को घटना है।

भारत में हाल ही के वर्षों में देश में आने वाले चक्रवाती तूफानों की आवृत्ति बहुत तेजी से बढ़ी है। बात चाहे तौकते तूफान की करें या अम्फान की। वैश्विक तपन में वृद्धि के कारण तूफान और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं में भी बढ़ोतरी हो रही है। जलवायु परिवर्तन पर सरकार की ओर से कुछ साल पहले एक कार्य योजना तैयार कराई गई थी। उसमें चिंता जताई गई थी कि वर्ष 2021 से 2050 के दौरान समुद्री तापमान में 1.8 से 2.4 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। जलवायु-संबंधी आपदाओं का संचयी प्रभाव गंभीर आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा है तथा भारत के विकास पथ को खतरे में डाल रहा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

भारत का ज्वेलरी ट्रेंड बड़े, भारी निवेश वाले आभूषणों से आगे बढ़कर पहनने लायक, एक्सप्रेसिव लग्जरी की ओर कदम रख चुका है। आज का उपभोक्ता ऐसे ज्वेलरी पीस चुन रहा है, जो एक्सेसिबल, वर्सेटाइल और पर्सनल हों, जो मॉडर्न लाइफ स्टाइल, सस्टेनेबिलिटी और व्यक्तिगत स्टाइल के साथ सहजता से मेल खाएं। इस बदलाव की अगुवाई लैब-ग्रोन हीरे कर रहे हैं, जो किफायती होने के साथ-साथ एथिकल भी हैं और रोजमर्रा की जिंदगी में चमक जोड़ते हैं। वहीं सोने, रत्नों और डिजाइन में हो रहे इनोवेशन फ्यूजन एस्थेटिक्स, इनक्लूसिविटी और डेली-वियर ज्वेलरी की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं।

-फीचर डेस्क

स्मार्ट लग्जरी की पहचान बनकर उभर रहे लैब ग्रोन हीरे

लैब ग्रोन हीरे (LGDs) भारतीय ज्वेलरी बाजार में 'स्मार्ट लग्जरी' की पहचान बनकर उभर रहे हैं। हीरे अब सिर्फ खास मौकों तक सीमित नहीं रह गए, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनते जा रहे हैं। खदान से निकले हीरों की तुलना में 60-80 प्रतिशत तक किफायती होने और एक जैसी केमिकल संरचना के कारण, भारतीय उपभोक्ता ऑफिस वियर, गिफ्टिंग और हल्के डेली एक्सेसरीज़ के लिए तेजी से LGDs को अपना रहे हैं। लैब-ग्रोन हीरों को लेकर पहले जो झिझक थी, वह अब लगभग खत्म हो चुकी है। इस साल का भी भारत न सिर्फ LGDs के प्रोडक्शन, बल्कि खपत एक बड़ा ग्लोबल हब बनने की ओर बढ़ रहा है। 'आर्टिफिशियल' होने का पुराना कलंक अब 'एथिकल लग्जरी' की सराहना में बदल चुका है। यह बदलाव मुख्य रूप से मिलेनियल्स और जेन-जी खरीदारों द्वारा संचालित है, जो रीसेल वैल्यू से ज्यादा साइज, चमक और सस्टेनेबिलिटी को महत्व दे रहे हैं।

नियो-हेरिटेज गोल्ड: परंपरा का लाइट अवतार

पारंपरिक टेंपल ज्वेलरी अब 'नियो-हेरिटेज' रूप में लौट रही है- लाइट, खोखले-सोने के डिजाइन जो भारी वजन के बिना बारीक कारीगरी को बनाए रखते हैं। लक्ष्मी सिक्के, मोर और मंदिर प्रेरित मोटिफ्स अब सिर्फ उत्सवों तक सीमित नहीं, बल्कि वर्कप्लेस और कैजुअल ब्रंच डेट्स के लिए भी उपयुक्त हो गए हैं। सोना भारतीय ज्वेलरी की आत्मा बना हुआ है, लेकिन उसका वजन बदल रहा है। सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर होने के चलते 3D कास्टिंग और इलेक्ट्रोफॉर्मिंग जैसी तकनीकों से ऐसे पीस तैयार किए जा रहे हैं, जो देखने में बड़े, लेकिन पहनने में बेहद हल्के हैं।

स्टैकिंग का गोल्डन रूल
- 14, 16 और 18 इंच के नेकलेस लेयर्स
- पतली बैंड्स के साथ स्टेटमेंट रिंग
- टेनिस ब्रेसलेट + बैंगल + स्मार्टवॉच

रत्न डोपामाइन: रंगों की वापसी
पूरी तरह सफेद हीरों से हटकर 2026 में 'डोपामाइन डेकोर' ट्रेंड ज्वेलरी में प्रवेश कर चुका है। रूबी, पन्ना, नीलम और स्पिनेल अब सिर्फ एक्सेंट नहीं, बल्कि स्टेटमेंट पीस बन रहे हैं।

ट्रेंडिंग रत्न
- टैन्जानाइट- बैंगनी-नीला, मल्टी-टोन आकर्षण
- मॉर्गेनाइट- रोज गोल्ड के साथ परफेक्ट 'मिलेनियल पिंक'
- पीला नीलम- आधुनिक कट्स में वापसी

ज्वेलरी का नया ट्रेंड
हीरे की चमक और लग्जरी लाइफ स्टाइल

हीरे की खपत में बड़े बदलाव

सभी के लिए सॉलिटेयर: कैरेट सॉलिटेयर अंगूठियां और स्टड, जो कभी अल्ट्रा-लग्जरी माने जाते थे, अब एंट्री-लेवल लग्जरी खरीद बन चुके हैं।

- **फैंसी कट्स का उभार:** राउंड ब्रिलियंट से आगे बढ़कर ओवल, एमराल्ड और रेडिएंट कट्स ट्रेंड में हैं, जो मॉडर्न लुक के साथ कैरेट वजन को भी बेहतर तरीके से हाईलाइट करते हैं।
- **रोजमर्रा की ड्यूरेबिलिटी:** बेजल सेटिंग्स और फ्लश माउंट्स जैसे प्रैक्टिकल डिजाइन साड़ियों और ऑफिस वियर के साथ बिना अटकाव के पहने जा सकते हैं।

पेस्टल पोल्की और कुंदन: ब्राइडल ज्वेलरी का सॉफ्ट एरा

इस साल ब्राइडल ज्वेलरी को एक नया, सॉफ्ट मेकओवर मिल रहा है। गहरे लाल और हरे रंगों की जगह अब मिंट, पाउडर ब्लू और ब्लश पिंक जैसे पेस्टल शेड्स ले रहे हैं। ये रंग भारी ब्राइडल सेट्स को शादी के बाद की पार्टियों और फ्यूजन इवेंट्स के लिए भी पहनने लायक बनाते हैं। बिना कटे हीरों के साथ मॉर्गेनाइट, रोज क्वार्ट्ज़ और हल्के रंग के एमराल्ड जैसे सेमी-प्रीशियस स्टोंस ज्वेलरी को ज्यादा वर्सेटाइल बना रहे हैं।

स्टैक और लेयर मैक्सिमलिस्ट मिनिमलिज्म

मिनिमलिज्म अब 'मैक्सिमलिस्ट मिनिमलिज्म' बन चुका है। महिलाएं मेटल्स, टेक्सचर और लंबाई को मिक्स कर पर्सनल स्टाइल स्टेटमेंट बना रही हैं। मैचिंग सेट्स की जगह अब रिंग स्टैक्स, लेयर्ड नेकलेस और मिक्स्ड-मेटल लुक्स पसंद किए जा रहे हैं।

ओटीटी प्लेटफार्म

बुगोनिया

मैं बात करूंगा एक हॉलीवुड फिल्म की जो मुझे काफी पसंद आई। नए डायरेक्टरों में Yorgos Lanthimos की फिल्में अलग हटके और अनूठी होती हैं। इनकी फिल्मों में एक अलग ही अजीब सी दुनिया होती है। फिल्मों को देखकर महसूस होता है कि किसी दूसरे ही ग्रह के प्राणी ने इन फिल्मों को डायरेक्ट किया होगा। शुरुआत में आपको इनकी फिल्में पसंद नहीं आ सकती हैं, एक्वायर्ड टेस्ट है, लेकिन जब एक बार आपको इनकी फिल्म पसंद आ गई, तो आप ढूंढ-ढूंढ कर इनकी सारी फिल्में देख लेंगे।

बात करते हैं बुगोनिया की, ये कोरियन फिल्म सेव दी ग्रीन प्लेनेट का रीमेक है, लेकिन ट्रीटमेंट काफी अलग है, दोनों फिल्म काफी अलग महसूस होती है। इस फिल्म को किसी फिक्स जॉनर में नहीं रख सकते, ब्लैक कॉमेडी, साइंस फिक्शन, मेटाफोरिक कुछ भी कह सकते हैं।

मोटे तौर पर मैं थीम बता देता हूं। कहानी और कहानी के रूपक आप फिल्म देखकर खुद डिसाइड करेंगे तो ज्यादा मजा आएगा।

कहानी है दो लोग की, जिन्हें कांस्पीरेसी थ्योरी पसंद है और उसपे पूरा विश्वास भी करते हैं। उन्हें लगता है एक दवा कंपनी की सीईओ एलियन है, जो पृथ्वी खत्म कर सकती है। इसलिए वो उसका किडनैप करना चाहते हैं। एक कहानी तो पर्दे पे चलते रहती है, लेकिन जब फिल्म खत्म होगी, तो एक दूसरी कहानी आपके दिमाग में चलने लगेगी। अलग-अलग मीनिंग निकलकर आने लगेंगे। अलग-अलग लोग अलग-अलग थ्योरी लगाएंगे। फिल्म के माध्यम से डायरेक्टर क्या बताना चाह रहे हैं ये आप डिस्कस करेंगे और असली मजा यही है। फिल्म आप देखिए और बताइएगा आपके अनुसार फिल्म क्या कहना चाह रही है, किस सोच पे कमेंट किया है डायरेक्टर ने। सब के पर्सपेक्टिव के अनुसार अलग-अलग उत्तर होंगे। फिल्म में लैंथीमोस के फेवरेट Ema stone और Jesse Plemons एक बार फिर से हैं। दोनों ने एक्टिंग बहुत बढ़िया की है। एमा स्टोन को तो फिल्म के लिए सही में बाल मुंडवाना पड़ा था। इन दोनों को बेस्ट एक्टर में एक नॉमिनेशन मेरी तरफ से। फिल्म की सिनेमेटोग्राफी भी पसंद आई। अगर आपको हटके फिल्में पसंद है, तो फिर ये फिल्म देखिए।

समीक्षक-प्रशांत विपुल

2026 की फिल्में : बड़े सितारे, बड़ी कहानियां

2025 का साल भारतीय सिनेमा के लिए बेहद खास रहा। छावा, धुरंधर और सैयारा जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा तूफान खड़ा किया कि रिकॉर्ड-दर-रिकॉर्ड टूटते चले गए। दर्शकों की भीड़, हाउसफुल शो और चर्चाओं से भरे सिनेमाघर इस बात के गवाह बने कि बड़े पर्दे का जादू अब भी कायम है। अब जब 2025 का शोर थम गया है, तो फिल्म इंडस्ट्री की निगाहें पूरे जोश के साथ इस नए साल पर टिक गई हैं। निर्माता, निर्देशक और बड़े सितारे सबने कमर कस ली है। वजह साफ है : इस साल कई ऐसी बहुप्रतीक्षित और मेगा बजट फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो पहले से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा कर चुकी हैं। देशभक्ति से भरपूर कहानियां हों, ऐतिहासिक गाथाएं, एक्शन से लबरेज ड्रामा या फिर बड़े सितारों की दमदार वापसी, 2026 का फिल्मी कैलेंडर हर स्वाद के दर्शकों के लिए कुछ न कुछ खास लेकर आ चुका है। कई फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है, तो कई पोस्ट-प्रोडक्शन के आखिरी दौर में हैं। आज हम आपको उन बड़ी फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो इस साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं।

बॉर्डर 2- देशभक्ति की मशहूर फ्रेंचाइजी बॉर्डर का सीक्वल 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगा। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ जैसे सितारे नजर आएंगे।

टॉक्सिक- मार्च 2026 में बॉक्स ऑफिस पर बड़ा क्लैश देखने को मिलेगा, जब टॉक्सिक और धुरंधर-2 आमने-सामने होंगी। 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। फिल्म में यश, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी।

इक्कीस- श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी इक्कीस पहले दिसंबर 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट बदलकर 1 जनवरी को फिल्म रिलीज की है। फिल्म में दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र, अगस्त्य नंदा और जयदीप अहलावत अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। इसके अलावा सिमर भाटिया भी फिल्म का हिस्सा हैं। थ्रिल और ड्रामा के शौकीन लोगों के लिए यह साल की शुरुआती बड़ी पेशकश मानी जा रही है।

मर्दानी-3 - रानी मुखर्जी की लीड रोल वाली फिल्म मर्दानी 3 अगले महीने यानी 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बैटल ऑफ गलवान- सलमान खान स्टारर बैटल ऑफ गलवान अप्रैल 2026 को रिलीज होगी। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में हैं।

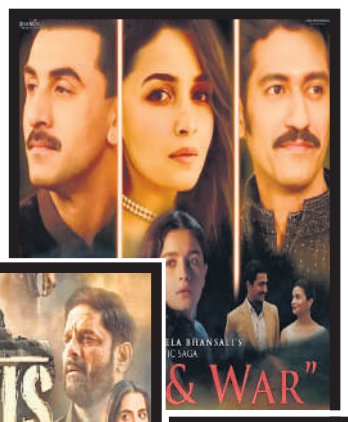

रिपिट- संदीप रेड्डी वांगा की एक्शन ड्रामा रिपिट में प्रभास लीड रोल में हैं, जबकि तृप्ति डिमरी फीमेल लीड हैं। ये भी फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

धुरंधर-2- धुरंधर की सफलता के बाद अब इसका दूसरा भाग तैयार है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं, जबकि सारा अर्जुन फीमेल लीड हैं। फिल्म में अर्जुन रामपाल, आर. माधवन और संजय दत्त भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। धुरंधर इस साल मार्च में रिलीज होने की उम्मीद है।

लाहौर-1947- राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित और आमिर खान द्वारा प्रोड्यूस की जा रही लाहौर 1947 में सनी देओल, करण देओल और प्रीति जिंटा अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म भी इसी साल रिलीज होगी। हालांकि इसकी आधिकारिक रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

लव एंड वॉर संजय लीला भंसाली की भव्य प्रेम कहानी लव एंड वॉर इस साल अगस्त में रिलीज होगी। फिल्म में रणबीर कपूर, विक्की कौशल और आलिया भट्ट लीड रोल में हैं।

किंग- शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग भी इसी साल भी रिलीज होगी। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और अरशद वारसी भी नजर आएंगे। रिलीज डेट अभी घोषित नहीं हुई है।

रामायण- नितेश तिवारी की रामायण इस साल नवंबर में रिलीज होगी। फिल्म में रणबीर कपूर राम, यश रावण और साई पल्लवी सीता के किरदार में नजर आएंगी। सनी देओल, रवि दुबे और काजल अग्रवाल भी फिल्म का हिस्सा हैं।

जिंदगी का सफर

भारत की पहली पिनअप गर्ल बेगम पारा

सिनेमा के इतिहास में कुछ चेहरे सिर्फ पर्दे पर नहीं टिकते, वे समय की दीवारों पर छप जाते हैं। बेगम पारा ऐसा ही एक नाम हैं। भारत की पहली पिनअप गर्ल- एक ऐसा संबोधन, जो सिर्फ सौंदर्य का नहीं, बल्कि साहस और समय से आगे निकल जाने की कहानी कहता है।

साल 1951 में दुनिया कोरिया युद्ध की आग में झुलस रही थी। उसी दौर में अमेरिका की प्रतिष्ठित लाइफ मैगजीन में एक भारतीय अभिनेत्री की तस्वीरें छपीं- बेगम पारा की। ये तस्वीरें भारतीय समाज के उस समय के मानकों के हिसाब से बेहद बोल्ड थीं। भारत में वे पहले से जानी-पहचानी थीं, लेकिन लाइफ मैगजीन के बाद उनकी पहचान सरहदों से बाहर फैल गई। कहा जाता है कि कोरिया युद्ध में तैनात अमेरिकी सैनिक उनके इतने दीवाने थे कि हर बैरक में बेगम पारा की मुस्कराती हुई तस्वीर टंगी मिलती थी। यहीं से जन्म हुआ-भारत की पहली पिनअप गर्ल का। 25 दिसंबर 1926 को झेलम में जन्मी बेगम पारा के पिता मियां अहसान-उल-हक न्यायधीश थे- आधुनिक सोच वाले, अनुशासनप्रिय। बार-बार तबादलों के कारण बेगम पारा की पढ़ाई अलीगढ़ के हॉस्टल में हुई। यहीं उनकी व्यक्तित्व की नींव पड़ी-आत्मविश्वास और स्वतंत्र।

मुंबई की फिल्मी दुनिया में उनका प्रवेश संयोग नहीं, नियति जैसा था। भाभी प्रोतिमा दासगुप्ता स्वयं अभिनेत्री थीं। प्रभात पिक्चर्स के बाबूराव पै की नजर जब बेगम पारा पर पड़ी, तो 1944 की फिल्म चांद से उनका सफर शुरू हो गया। अगले पंद्रह वर्षों में उन्होंने लगभग 28 फिल्मों में काम किया- छमिया, झरना, पगले, शहनाज, सुहागरात- हर फिल्म में एक गरिमा, एक ठहराव। फिल्मों के बीच उन्हें प्रेम मिला नासिर खान के रूप में। 1958 में विवाह हुआ और इसके साथ ही उन्होंने स्वेच्छा से सिनेमा को अलविदा कह दिया। यह निर्णय दबाव से नहीं, आत्मिक संतोष से लिया गया था। जीवन ने आगे कठिन इम्तिहान लिए। पति का असामयिक निधन, अधूरी फिल्म, आर्थिक संकट सब कुछ सहते हुए भी बेगम पारा टूटी नहीं। पाकिस्तान गईं, लेकिन वहां की रूढ़िवादिता उन्हें रास नहीं आई। वे लौट आईं- अपने देश, अपनी मिट्टी में। करीब पचास साल बाद सांवरिया में उनकी संक्षिप्त वापसी मानो इतिहास का नमन था। 10 दिसंबर 2008 को बेगम पारा इस फानी दुनिया से फना चली गईं, लेकिन एक तस्वीर, एक दौर और एक दास्तान हमेशा के लिए छोड़ गईं।

गुजरात में सीओ2 का भंडारण करेगी ओएनजीसी

नई दिल्ली। तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) की योजना गुजरात के गांधार तेल क्षेत्र के खाली कुओं में कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) का भंडारण करने की है। यह कंपनी के पहले कार्बन संग्रहण एवं भंडारण (सीसीएस) पायलट और इसकी अकार्बनीकरण रणनीति में बड़ा कदम है। इस परियोजना में दो छोड़े गए तटवर्ती कुओं का उपयोग किया जाएगा, ताकि उप-सतही हाइड्रोकार्बन जलाशयों में प्रतिदिन 100 टन सीओ2 का भंडारण हो सके।

अमृत विचार

हल्द्वानी, सोमवार, 5 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2250, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1980, जय जवान 1975, सचिन 2010, सूरज 1975, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1855, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2170, चक्र टिन 2300, ब्लू 2085, आशीर्वाद मस्टर्ड 2295, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4260, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 900, बासमती- 5000, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2200, साबुत चना दाल- 2000, मूंग साबुत- 4400, राजमा- 8200-11000, दाल उड़द- 5200, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2000, उड़द साबुत- 4200, काबुली चना- 8000, अरहर दाल- 10100, लोबिया/करमानी- 1600

वेनेजुएला के तेल भंडार पर अमेरिकी नियंत्रण से भारत को होगा फायदा

लंबे समय से लंबित भारत के एक अरब डॉलर के बकाये की हो सकती है वसूली

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों और उद्योग सूत्रों के अनुसार, वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर अमेरिकी नियंत्रण अथवा उसके पुनर्गठन से भारत को प्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है। इस घटनाक्रम से काफी समय से लंबित भारत के एक अरब अमेरिकी डॉलर के बकाये की वसूली हो सकती है और प्रतिबंधों से प्रभावित वेनेजुएला में भारतीय संस्थाओं द्वारा संचालित तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल का उत्पादन भी बढ़ सकता है।

उल्लेखनीय है कि भारत एक समय वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल का प्रमुख आयातक था और अपने चरम काल में प्रतिदिन चार लाख बैरल से अधिक का आयात करता था। 2020 में अमेरिकी प्रतिबंधों और अनुपालन जोखिमों से यह आयात बाधित हो गया था। भारत की प्रमुख विदेश तेल अन्वेषण एवं उत्पादन कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) पूर्वी वेनेजुएला के सैन क्रिस्टोबल तेल क्षेत्र का संयुक्त संचालन करती है। अमेरिकी प्रतिबंधों से आवश्यक तकनीक, उपकरण और सेवाओं तक पहुंच बाधित होने से उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और व्यावसायिक रूप से उपयोगी भंडार लगभग फंस गए।

वेनेजुएला सरकार ने इस परियोजना में ओवीएल की 40% हिस्सेदारी पर 2014 तक देय 53.6 करोड़ डॉलर का लाभांश नहीं चुकाया है। इसके बाद की अवधि के लिए भी समान राशि बकाया है, किंतु ऑडिट की अनुमति न मिलने से इनका निपटान लंबित है। विश्लेषकों के अनुसार, यदि अमेरिका तेल भंडार को अपनी निगरानी में लेता है, तो प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है। ओवीएल गुजरात और अन्य क्षेत्रों से रिग एवं अन्य उपकरण भेजकर उत्पादन में वृद्धि कर सकती है। इस समय यह उत्पादन घटकर मात्र 5,000 से 10,000 बैरल प्रतिदिन रह गया है। अधिकारियों का अनुमान है कि यदि उन्नत उपकरण और अतिरिक्त तेल कुओं का उपयोग किया जाए, तो उत्पादन बढ़कर 80,000 से 1,00,000 बैरल प्रतिदिन हो सकता है। इसके लिए आवश्यक रिग ओएनजीसी के पास पहले से उपलब्ध हैं।

- प्रतिबंधों से प्रभावित भारतीय संस्थाओं की ओर से संचालित तेल क्षेत्रों से कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ेगा

वैश्विक बाजार में आएगी स्थिरता आयातक देशों को होगा लाभ

ओवीएल ने पूर्व में अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) से विशेष लाइसेंस के तहत प्रतिबंधों में छूट की मांग की थी, जैसा कि शेवरॉन को दिया गया था। केप्लर के वरिष्ठ शोध विश्लेषक निखिल दुबे ने कहा कि प्रतिबंधों में ढील से व्यापार प्रवाह तेजी से बहाल हो सकता है और वेनेजुएला का कच्चा तेल फिर से भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंच सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, नयारा एनर्जी, इंडियन ऑयल और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी के पास कच्चे तेल को संसाधित करने की उन्नत क्षमता मौजूद है। वेनेजुएला के तेल की वापसी से वैश्विक बाजार में कीमतों में स्थिरता आएगी और भारत जैसे आयातकों को रणनीतिक लाभ मिलेगा।

भारतीय व्यापार पर कोई असर नहीं : जीटीआरआई

नई दिल्ली। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि अमेरिका और वेनेजुएला के बीच विवाद का भारत के वेनेजुएला के साथ व्यापार पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के लिए इसका आर्थिक या ऊर्जा क्षेत्र पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं होगा, क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत-वेनेजुएला व्यापार पहले ही काफी घट चुका है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का वेनेजुएला से कच्चे तेल का आयात 81.3% घटकर 2.55 अरब डॉलर रह गया, जबकि कुल व्यापार भी मामूली स्तर पर ही रहा। भारत का वेनेजुएला को दवा सहित अन्य उत्पादों का निर्यात 9.53 करोड़ डॉलर का रहा। भारत और वेनेजुएला के बीच व्यापार अब घटता जा रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण अमेरिकी प्रतिबंध और व्यापारिक गतिविधियों में कमी है।

आम बजट में पूंजीगत व्यय के 10% बढ़ने की उम्मीद : एलएंडटी

मुंबई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) आर शंकर रमन को उम्मीद है कि 2026-27 के बजट में पूंजीगत व्यय 10% बढ़ सकता है। निजी पूंजीगत व्यय बढ़ने में सुस्ती की चिंताओं के बीच रमन ने कहा कि उन्हें राज्य के उच्च व्यय से निजी निवेश के लिए संसाधनों की कमी का डर नहीं है। प्रणाली में पर्याप्त नकदी इस तरह के निवेश का समर्थन करेगी।

रमन ने बताया, यदि भारत को 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनना है, तो बुनियादी ढांचे को बड़ी भूमिका निभानी होगी। उम्मीद है कि वे इसके लिए बजट में पर्याप्त संसाधन आवंटित करेंगे। 2025-26 के आम बजट में पूंजीगत व्यय के लिए 11 लाख करोड़ से अधिक की प्रतिबद्धता पर रमन ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा कुछ हफ्तों में पेश किया जाने वाला नया बजट इसी तर्ज पर होगा। वह संभवतः 10 प्रतिशत की वृद्धि करेंगी।

तंबाकू उत्पादों पर कर वृद्धि से तस्करी का जोखिम

नई दिल्ली, एजेंसी

- विशेषज्ञों ने सरकार को राजस्व के हानि होने की जताई आशंका
- बोले- सिगरेट अधिक महंगा बनाने से मांग कम नहीं होगी, बल्कि अवैध उत्पाद बढ़ेगा

विशेषज्ञों का कहना है कि तंबाकू पर उत्पाद शुल्क की नई संरचना के साथ करों में अभूतपूर्व वृद्धि से सिगरेट के अवैध व्यापार में उछाल आ सकता है। इससे देश को कर राजस्व की हानि भी हो सकती है। वित्त मंत्रालय ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम में संशोधनों को अधिसूचित किया। 1 फरवरी से प्रभावी होने वाले प्रावधानों में सिगरेट की लंबाई के आधार पर प्रति 1,000 स्टिक 2,050 रुपये से 8,500 रुपये तक उत्पाद शुल्क लगाया गया है। यह शुल्क 40% जीएसटी के अतिरिक्त होगा। सिगरेट की विभिन्न श्रेणियों में कुल कर वृद्धि 60-70% तक होगी। इस समय कुल कर भार लंबाई के आधार पर 50-55% है।

थिंक चेंज फोरम के महासचिव रंगनाथ तन्नीरु ने कहा कि जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर के स्थान पर अवगुण वाली वस्तुओं पर उत्पाद शुल्क लगाने के प्रस्तावित बदलाव से तंबाकू उत्पादों और सिगरेट की तस्करी बढ़ने की चिंता पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि सिगरेट को अधिक महंगा बनाने से मांग कम नहीं होगी, बल्कि यह तस्करी और अवैध उत्पादों की ओर मुड़ जाएगी, जिससे राजस्व को नुकसान होगा। उल्लेखनीय है कि भारत में अवैध तंबाकू की हिस्सेदारी कुल तंबाकू बाजार का लगभग 26% है, जो इसे दुनिया भर में तस्करी वाले तंबाकू का चौथा सबसे बड़ा बाजार बनाती है।

ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने शोध रिपोर्ट में कहा कि सिगरेट पर उच्च करों का मकसद खपत कम करना है, लेकिन ऐसा करने से अवैध सिगरेट की बिक्री बढ़ जाती है। टोबैको इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (टीआईआई) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए जेफरीज ने कहा कि इस उद्योग निकाय ने सरकार से समीक्षा का अनुरोध किया है, क्योंकि कीमतों में बड़ा अंतर होने से अवैध सिगरेटों को बढ़ावा मिल सकता है।

कोयला आयात बढ़ा, आगामी माह में गिरावट संभव

- इस्पात मिलों के भंडार को फिर से तैयार करने से हुई आयात में वृद्धि

नई दिल्ली। भारत का कोयला आयात नवंबर में 28.1% बढ़ा, हालांकि घरेलू संसाधनों की उपलब्धता बढ़ने से आने वाले महीनों में इसमें गिरावट आने की उम्मीद है। इस्पात कंपनी सेल और टाटा स्टील के संयुक्त उद्यम एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों से यह जानकारी मिली, जो एक बी2बी ई-कॉमर्स मंच है। आंकड़ों के मुताबिक नवंबर 2025 में आयात सालाना आधार पर बढ़कर 2.5 करोड़ टन हो गया, जो नवंबर 2024 में 1.95 करोड़ टन था। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और सीईओ विनय वर्मा ने कहा, नवंबर में आयात की मात्रा में वृद्धि मुख्य रूप से इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों के भंडार को फिर से तैयार करने के कारण हुई। कुछ खरीदारों ने नई पोजीशन ली क्योंकि समुद्र के रास्ते आने वाले कोयले की कीमतें कमजोर बनी हुई थीं। हालांकि, आने वाले महीनों में हम घरेलू उपलब्धता बढ़ने से आयात में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं। नवंबर 2025 के कुल आयात में नॉन-कोकिंग कोल का आयात 1.42 करोड़ टन रहा।

बीमा क्षेत्र में गलत बिक्री एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है : इरडा

नई दिल्ली। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने अपनी ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि बीमा क्षेत्र में गलत बिक्री एक गंभीर चिंता का विषय है और बीमा कंपनियों को इसकी वजह का पता लगाने के लिए मूल कारण विश्लेषण करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, जीवन बीमा कंपनियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों की कुल संख्या वित्त वर्ष 2024-25 में स्थिर रही है। यह संख्या 2023-24 में 1,20,726 थी, जो 2024-25 में 1,20,429 रही। हालांकि, अनुचित व्यावसायिक व्यवहार (यूएफबीपी) के तहत दर्ज शिकायतों की कुल संख्या वित्त वर्ष 2023-24 के 23,335 से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 26,667 हो गई है। कुल शिकायतों में यूएफबीपी संबंधी शिकायतों की हिस्सेदारी गत वित्त वर्ष के 19.33% की तुलना में 2024-25 में बढ़कर 22.14% हो गई है।

लग्जरी वाहन खंड में ईवी की पैठ जीएसटी सुधारों के बाद तीन प्रतिशत तक घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईवी और आईसीई के बीच कीमत का अंतर बढ़ा
- आईसीई गाड़ियां लागत के मामले में बेहतर विकल्प

लग्जरी कार खंड में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की पैठ में जीएसटी 2.0 सुधारों के बाद 3% की गिरावट हुई है। उद्योग से जुड़े लोगों ने बताया कि अब इंटरनल कंबशन इंजन (आईसीई) संस्करण वाली गाड़ियां स्वामित्व की कुल लागत के मामले में बेहतर विकल्प दे रही हैं। वैसे तो ये रुझान किफायती और मध्यम खंड में भी दिखाई दे रहे हैं, लेकिन ऐसा शुरुआती लक्जरी खंड में खासतौर से देखा जा रहा है, जहां नई जीएसटी दरों के तहत ईवी और आईसीई के बीच कीमत का अंतर बढ़ गया है।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ संतोष अय्यर ने बताया, अगर मैं अक्टूबर और नवंबर (2025) को देखूं, तो व्यापक बाजार के साथ ही लग्जरी में भी यह 2 से 3% घटा है। अब ईवी की तुलना में आईसीई का टीसीओ बहुत बेहतर है। जब ये समीकरण बदलेगा, हम ईवी की पैठ में बदलाव देख सकते हैं। यह उतार-चढ़ाव शुरुआती लग्जरी ईवी खंड में ज्यादा है, और मर्सिडीज-बेंज इंडिया के ज्यादातर ईवी मॉडल अत्यधिक लग्जरी खंड के हैं। मर्सिडीज-बेंज इंडिया की कुल बिक्री में ईवी की हिस्सेदारी 8% है, लेकिन 1.5 करोड़ रुपये से अधिक की गाड़ियों में यह 20%है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने कहा, जीएसटी ने हमारे आईसीई पोर्टफोलियो को और अधिक आकर्षक बनाया है, लेकिन हम ईवी की मांग में भी मजबूत और निरंतर गति देख रहे हैं। आज ग्राहक केवल कीमत से प्रेरित नहीं हैं। वे स्थिरता, गाड़ी चलाने की कम लागत और भविष्य के लिए तैयार तकनीक को महत्व देते हैं। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने आईसीई मॉडल पर जीएसटी कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया है, जिससे कीमतों में औसतन 6.7% की कमी आई है।

राष्ट्रीय

सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के एक साल बाद भी अदालतों में कोई तदर्थ न्यायाधीश नहीं

25 उच्च न्यायालयों में से किसी ने भी नियुक्ति के लिए नहीं की नामों की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट से एक वर्ष पहले लंबित मामलों के निस्तारण के लिए मार्ग प्रशस्त किए जाने के बावजूद अब तक किसी भी उच्च न्यायालय में तदर्थ (एड-हॉक) न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं हुई है, क्योंकि उच्च न्यायालयों ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई है। सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया से परिचित लोगों के अनुसार, 25 उच्च न्यायालयों में से किसी ने भी तदर्थ न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए नामों की सिफारिश नहीं की है।

सुप्रीम कोर्ट ने 18 लाख मामलों के लंबित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए 30 जनवरी, 2025 को उच्च न्यायालयों को तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति की अनुमति दी थी, जिनकी संख्या न्यायालय की कुल स्वीकृत संख्या के 10% से अधिक नहीं होनी चाहिए। केंद्रीय विधि मंत्रालय को अब तक किसी भी उच्च न्यायालय के कॉलेजियम से तदर्थ आधार पर नियुक्त के लिए कोई सिफारिश प्राप्त नहीं हुई है। संविधान का अनुच्छेद 224ए उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों के प्रबंधन के लिए सेवानिवृत्त जजों को तदर्थ न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त करने की अनुमति देता है। प्रक्रिया के अनुसार, उच्च न्यायालय के कॉलेजियम विधि मंत्रालय के न्याय विभाग को उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किए जाने वाले उम्मीदवारों के नाम या सिफारिशें भेजते हैं। इसके बाद विभाग उम्मीदवारों के बारे में जानकारी करता है और फिर उन्हें उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम को भेज देता है। इसके बाद उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम अंतिम निर्णय लेता है और सरकार को चयनित व्यक्तियों को नियुक्त करने की सिफारिश करता है। राष्ट्रपति नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर करते हैं। तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया स्थायी जैसी रहेगी, सिवाय इसके कि राष्ट्रपति नियुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त की जाएगी।

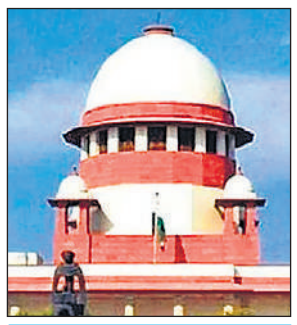

- सुप्रीम कोर्ट ने 18 लाख लंबित मामलों पर चिंता जताते हुए गत वर्ष दी थी अनुमति

एक मामले को छोड़कर सेवानिवृत्त जजों को तदर्थ न्यायाधीश नियुक्त करने का कोई उदाहरण नहीं

अधिकारियों ने बताया कि एक मामले को छोड़कर, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को तदर्थ उच्च न्यायालय न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने का कोई पूर्व उदाहरण नहीं है। उच्च न्यायालयों में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति पर 20 अप्रैल, 2021 को दिए गए फैसले में उच्चतम न्यायालय ने कुछ शर्तें लगाई थीं। हालांकि, बाद में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बी.आर. गवई (एक अन्य पूर्व प्रधान न्यायाधीश) और सूर्यकांत (वर्तमान प्रधान न्यायाधीश) की विशेष पीठ ने कुछ शर्तों में ढील दी और कुछ को स्थगित रखा। पूर्व प्रधान न्यायाधीश एस.ए. बोब्डे द्वारा लिखित इस फैसले में, लंबित मामलों को निस्तारित करने के लिए सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को दो से तीन साल की अवधि के लिए तदर्थ न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त करने का निर्देश दिया गया था।

अजय माकन बनाए गए मनरेगा बचाओ संग्राम के संयोजक

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मनरेगा बचाओ संग्राम के प्रबंधन और निगरानी के लिए रविवार को समन्वय समिति का गठन किया, जिसके संयोजक अजय माकन होंगे। कांग्रेस 'विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम' को वापस लेने और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को बहाल करने की मांग को लेकर 10 जनवरी से 45 दिन के राष्ट्रव्यापी 'मनरेगा बचाओ संग्राम' की शुरुआत करेगी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मनरेगा बचाओ संग्राम के कार्यान्वयन की निगरानी, मार्गदर्शन और प्रबंधन के लिए समन्वय समिति का गठन किया है। पार्टी के कोषाध्यक्ष माकन को समिति का संयोजक बनाया गया है, जबकि वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, संदीप दीक्षित, उदित राज और प्रियंक खरगे इसके सदस्य होंगे।

गुरमीत राम रहीम को फिर मिली 40 दिन की पैरोल

चंडीगढ़। अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के मामले में 20 साल जेल की सजा काट रहे और हरियाणा के रोहतक स्थित सुनारिया जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को रविवार को फिर से 40 दिन की पैरोल मिल गई। सिंह को पिछले साल अगस्त में 40 दिन की पैरोल मिली थी। डेरा प्रमुख और तीन अन्य को 16 साल पहले पत्रकार की हत्या में 2019 में दोषी ठहराया गया था। सिंह को पिछले साल अगस्त में पैरोल पर 21 दिन की फरलो और जनवरी में 30 दिन की पैरोल भी दी गई थी।

वीबी-जी राम जी योजना मनरेगा से है बेहतर : चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी

- कांग्रेस के मनरेगा बचाओ संग्राम को लेकर केंद्रीय मंत्री ने की टिप्पणी
- बोले- 10,51,000 शिकायतें मिलीं मशीन से काम और धनराशि की हुई हेरा-फेरी

ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि कांग्रेस विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (वीबी-जी राम जी) योजना को लेकर गलत सूचना फैला रही है। शिवराज ने वीबी-जी राम जी योजना के खिलाफ राष्ट्रव्यापी अभियान की घोषणा के लिए कांग्रेस की आलोचना की और पूछा कि राहुल गांधी सदन में इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान मौजूद क्यों नहीं थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' की घोषणा की है। यह वास्तव में भ्रष्टाचार बचाओ अभियान है। शिवराज ने आरोप लगाया, ग्राम सभाओं की ओर से किए गए सामाजिक ऑडिट में 10,51,000 से अधिक शिकायतें मिलीं। एक ही काम दोहराया गया, काम मशीन से कराया गया, नहरों एवं सड़कों की सफाई के नाम पर धन की हेरा-फेरी की गई। 30 फीसदी मजदूर 60 साल से अधिक उम्र के थे। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत 8,48,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि उपलब्ध कराई गई, जबकि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान दो लाख करोड़ से अधिक दिए गए।

कांग्रेस झूठी, कह रही- मजदूरों को नहीं मिलेगा काम

शिवराज ने कहा कि कांग्रेस झूठ की फैक्टरी है। अब वह कह रही है कि मजदूरों को काम नहीं मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि 'विकसित भारत-जी राम जी' के तहत मजदूरों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी। शिवराज ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में इस योजना के लिए 1,51,282 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे, जिसमें से 95,600 करोड़ धनराशि केंद्र के हिस्से की होगी। उन्होंने कहा कि 125 दिन के लिए पर्याप्त धन है। इससे गांवों का विकास भी सुनिश्चित होगा।

स्थगन मांगने की संस्कृति की कोर्ट ने की निंदा

नई दिल्ली, एजेंसी

- वकील के अनुपस्थिति पर लगे 20,000 के जुर्माने को माफ करने वाली याचिका पर की सुनवाई

दिल्ली हाईकोर्ट ने स्थगन की संस्कृति की आलोचना करते हुए कहा है कि अंधाधुंध तरीके से स्थगन का अनुरोध किया जाता है और यह सोचना गलत है कि अनुरोध करने पर मामले में स्थगन प्रदान कर दिया जाएगा। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा एक मामले में वकील के अनुपस्थिति रहने के लिए लगाए गए 20,000 रुपये के जुर्माने को माफ करने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह जुर्माना पिछले साल मई में उच्च न्यायालय की एक अन्य पीठ द्वारा लगाया गया था।

उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता की इस दलील पर गौर किया कि उसकी वकील अधीनस्थ अदालतों में अन्य मामलों में व्यस्त होने से इस मामले में पेश नहीं हो सकीं। याचिकाकर्ता ने कहा कि उनकी वकील दो बच्चों की एकल मां हैं और उन्हें अपने जीवन में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अदालत ने 10 दिसंबर के आदेश में कहा, दुर्भाग्य से, अदालतों में स्थगन की संस्कृति विकसित हो गई है और यह गलत धारणा बन गई है कि मामला चाहे जो भी हो, अनुरोध करने पर स्थगन प्रदान किया जाएगा।

लालू की याचिका पर आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा राजद नेता लालू प्रसाद यादव की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करने की संभावना है, जिसमें उन्होंने आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम) घोटाला मामले में उनके और उनकी पत्नी राबड़ी देवी, पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव तथा 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय किए जाने संबंधी विशेष अदालत के आदेश को चुनौती दी है। पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री ने इस आदेश को हाल में चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। यह मामला 5 जनवरी को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

केरल : सतीशन के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश

तिरुवनंतपुरम। केरल सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) ने पुनर्वास परियोजना पुनर्जनी के सिलसिले में विदेश से धन जुटाने में कथित अनियमितताओं को लेकर राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की है।

एफसीआरए उल्लंघन

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वीएसीबी की सतीशन के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश वाली रिपोर्ट मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को सौंप दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सतर्कता विभाग ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के कथित उल्लंघन का हवाला देते हुए सीबीआई जांच की सिफारिश की है। इसमें कहा गया है कि सतीशन ने केंद्र सरकार से निजी यात्रा के लिए अनुमति लेकर विदेश यात्रा की और विदेश में कथित तौर पर धन जुटाया, जिसे बाद में केरल के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया।

वैन नहीं, एम्बुलेंस में हुआ अपराध : पुलिस

फरीदाबाद, एजेंसी

सामूहिक बलात्कार का मामला

- दोनों आरोपी निजी अस्पताल की एम्बुलेंस में चालक और सहायक थे
- एक आरोपी उत्तर प्रदेश के मथुरा व दूसरा झांसी का निवासी

युवती से सामूहिक बलात्कार के मामले में पुलिस ने नया खुलासा करते हुए रविवार को दावा किया कि आरोपियों ने यह अपराध किसी वैन में नहीं, बल्कि निजी अस्पताल की एम्बुलेंस में अंजाम दिया था। जांच कर रहे वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, दोनों आरोपी एक निजी अस्पताल की एम्बुलेंस में चालक और सहायक थे।

उन्होंने बताया कि एक आरोपी उत्तर प्रदेश के मथुरा व दूसरा झांसी का निवासी है तथा दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। घटना के छह दिन बाद पीड़िता अब भी अस्पताल में भर्ती है। इस बीच, पीड़िता का कथित वीडियो सामने आया है, जो संभवतः घटना के बाद का है। वीडियो में वह बताती है कि लिफ्ट देने के बाद आरोपियों में से एक ने उसके खाते में 600 रुपये डाले थे। वीडियो में पीड़िता यह कहती सुनाई देती है, मैं उन्हें पहले नहीं जानती थी। जैसे ही मैं गाड़ी में बैठी, उनमें से एक ने मेरे पेटीएम खाते में 600 रुपये भेज दिए। उन्होंने गाड़ी लॉक कर दी और मेरा मोबाइल छीन लिया। मैं चिल्लाई, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। अधिकारी ने बताया कि महिला के स्वस्थ होने के बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष आरोपियों की पहचान कराई जाएगी। पुलिस के मुताबिक, युवती सोमवार शाम फरीदाबाद के सेक्टर-23 स्थित सहेली के घर गई थी। वहां से लौटते समय दोनों आरोपियों ने उसे लिफ्ट दी और चलते वाहन में दुष्कर्म के बाद सड़क पर फेंक दिया।

राज्य महिला आयोग ने मामले का लिया संज्ञान

हरियाणा राज्य महिला आयोग ने महिला से हुए सामूहिक बलात्कार की घटना का रविवार को संज्ञान लिया। आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया ने फरीदाबाद पुलिस आयुक्त सतेंद्र गुप्ता से घटना और कार्रवाई की जानकारी मांगी है। भाटिया ने कहा, मैंने पीड़िता के परिवार से बात की है और हम उसे हर संभव सहायता प्रदान करेंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाली नागरिक से एक करोड़ की चरस जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार कर उसके पास से एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत की लगभग 11 किलोग्राम चरस बरामद की है। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी अमर कॉलोनी इलाके में प्रतिबंधित पदार्थों की आपूर्ति में शामिल एक मादक पदार्थ तस्कर की गतिविधियों के बारे में मिली सूचना के आधार पर की गई। पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने कहा कि सूचना के आधार पर पुलिस ने एक जनवरी शाम को एक व्यक्ति को बैग ले जाते हुए रोका। तलाशी लेने पर बैग के अंदर पॉलीथिन के कई पैकेट में मादक पदार्थ मिला।

नेपाल में 4.3 तीव्रता का आया भूकंप

काठमांडू। नेपाल के उदयपुर जिले में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी के हताहत होने या किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप मापन तथा अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप के झटके शनिवार रात 10 बजकर 51 मिनट पर महसूस किए गए, जिसका केंद्र उदयपुर जिले के बागापाटी क्षेत्र में था। भूकंप के झटके आसपास के जिलों में भी महसूस किए गए। इससे पहले शनिवार सुबह पश्चिमी नेपाल के ताप्लेजुंग जिले में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

रूस बनाएगा परमाणु ऊर्जा अंतरिक्ष इंजन

मॉस्को। रूस के सरकारी परमाणु ऊर्जा निगम रोसाटॉम के महानिदेशक एलेक्सी लिखाचेव ने कहा है कि रूस की महत्वाकांक्षा 2030 तक परमाणु ऊर्जा से चलने वाले अंतरिक्ष इंजन का एक नमूना तैयार करने की है। लिखाचेव ने कहा कि चंद्र स्टेशन और मेगावाट-श्रेणी के रॉकेट इंजन पर काम करने के लिए रोस्कोस्मोस के साथ हमारी साझेदारी अंतरिक्ष खोज को आगे बढ़ाएगी। कहा कि परमाणु ऊर्जा चालित अंतरिक्ष इंजन का प्रोटोटाइप 2030 तक तैयार होने की पूरी उम्मीद है।

ईरान हिंसा में 15 हुई मृतकों की संख्या

दुबई। ईरान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के कारण भड़के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने रविवार सुबह बताया कि ईरान के 31 प्रांतों में से 25 प्रांतों में 170 से अधिक स्थानों पर प्रदर्शन हुए हैं। जिसमें मरने वालों की संख्या 15 हो गई है और 580 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ईरान के सर्वोच्च नेता ने दंगाइयों पर सख्ती की बात कही है।

गणतंत्र दिवस पर दुबई की सैर कराएगा आईआरसीटीसी

- विभिन्न राज्यों के पर्यटक एक साथ होंगे शामिल

जयपुर, एजेंसी

भारतीय रेलवे के उपक्रम इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर दुबई के लिए एक विशेष टूर पैकेज की घोषणा की है। इस यात्रा की मुख्य विशेषता यह है कि विभिन्न राज्यों के भारतीय नागरिक एक साथ दुबई में प्रवास कर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत की एकता और सांस्कृतिक विविधता का संदेश देंगे।

यह यात्रा गणतंत्र दिवस के अवसर पर शुरू होगी। कोच्चि, बेंगलुरु, अहमदाबाद, मुंबई, इंदौर, जयपुर, दिल्ली, चंडीगढ़ और लखनऊ सहित देश के विभिन्न शहरों से पर्यटक इस पैकेज को बुक कर सकेंगे। आईआरसीटीसी इन सभी पर्यटकों को दुबई में एकत्रित कर एक संयुक्त भारतीय समूह के रूप में भ्रमण कराएगा। चार रात और पांच दिन के इस टूर पैकेज का मूल्य 94,730 रुपये प्रति व्यक्ति तय किया गया है। इसमें हवाई यात्रा, श्री-स्टार होटल में आवास, वीजा शुल्क, भोजन, वातानुकूलित डीलक्स बस से भ्रमण शामिल है।

जब महाशक्तियों ने बदली सरकारें

वेनेजुएला से इराक तक तख्तापलट

वेनेजुएला को लेकर हालिया घटनाक्रम के बाद एक बार फिर वैश्विक राजनीति में हस्तक्षेप का मुद्दा केंद्र में आ गया है। कई देशों ने अमेरिका की कार्रवाइयों को खुली दादागीरी करार दिया है और कहा है कि किसी संप्रभु राष्ट्र के आंतरिक मामलों में इस तरह का दबाव या सैन्य कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका या अन्य शक्तिशाली देशों पर किसी देश की सरकार गिराने, सत्ता परिवर्तन कराने या राजनीतिक दिशा बदलने के आरोप लगे हों। शीत युद्ध से लेकर आज तक दुनिया के कई हिस्सों में ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहां बाहरी हस्तक्षेप के बाद सरकारें बदलीं, तख्तापलट हुए और लंबे समय तक अस्थिरता बनी रही।

तेल और क्षेत्रीय प्रभाव का खेल

लैटिन अमेरिका, मध्य पूर्व, अफ्रीका और एशिया सहित कई क्षेत्रों में यह पैटर्न दोहराया गया। कभी कारण साम्यवाद का डर बताया गया, कभी लोकतंत्र की रक्षा, तो कभी आतंकवाद या मानवाधिकार। लेकिन आलोचकों का कहना है कि इन सभी तर्कों के पीछे अक्सर रणनीतिक हित, संसाधनों पर नियंत्रण और भू-राजनीतिक वर्चस्व की इच्छा रही है। वेनेजुएला के मामले में भी यही सवाल उठ रहा है कि क्या यह केवल लोकतंत्र का मुद्दा है या फिर तेल और क्षेत्रीय प्रभाव का खेल।

अंतर्राष्ट्रीय कानून

- संप्रभुता का सिद्धांत : संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार हर देश को अपनी राजनीतिक व्यवस्था चुनने का अधिकार है। किसी भी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप निषिद्ध
- बल प्रयोग पर रोक : आत्मरक्षा के अलावा किसी भी देश पर दूसरे देश की सैन्य कार्रवाई को अवैध माना गया है। बल प्रयोग के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनुमति जरूरी होती है।
- लेकिन मानवीय आधार, आतंकवाद विरोध और लोकतंत्र बहाली का तर्क देकर हस्तक्षेप किए जाते हैं।

दूसरे देश में केस नहीं

सामान्य नियमों के तहत मौजूदा राष्ट्राध्यक्ष को राजनयिक प्रतिरक्षा प्राप्त होती है, ऐसे में उसके ऊपर दूसरे देश में सीधे मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है लेकिन अंतर्राष्ट्रीय अपराधके मामले में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय या अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय में केस चलाया जा सकता है।

जब बाहरी हस्तक्षेप से बदली सत्ता

- ईरान में 1953 में प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसाद्देक का तख्तापलट कर शाह को सत्ता दी गई। इसके पीछे कारण यह था कि ईरान के तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण किया गया था जिससे पश्चिमी देशों के हित में नहीं था।
- ग्वाटेमाला में बाहरी हस्तक्षेप से 1954 में लोकतांत्रिक सरकार का पतन यहां भूमि सुधार के लिए नए नियम बनाए गए जिससे अमेरिकी कंपनियों के हित प्रभावित होने लगे।
- चिली में वर्ष 1973 में राष्ट्रपति साल्वाडोर अयेंदे की समाजवादी नीतियों के विरोध में तख्तापलट किया गया। यहां भी अमेरिका द्वारा समर्थित सैन्य कार्रवाई हुई ।
- पनामा में वर्ष 1989 में मैनुअल नोरिएगा को सत्ता से हटाया गया। उन पर मादक पदार्थ तस्करी को बढ़ावा देने का अमेरिका का आरोप था। उनको हटाने के बाद कहा गया कि पनामा में लोकतंत्र की बहाली की गई है।
- इराक में भी अमेरिकी हस्तक्षेप से वर्ष 2003 में सद्दाम हुसैन की सत्ता का अंत हुआ। बताया गया था कि इराक सामूहिक विनाश के हथियारों का निर्माण कर रहा है।
- लीबिया में 2011 में सत्ता पर काबिज मुअम्मर गद्दाफी का पतन हुआ। नाटो का तर्क था कि यह वहां के नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी था।

वेनेजुएला पर कार्रवाई के विरोध में अमेरिका में सड़कों पर उतरे लोग

वाशिंगटन, शिकागो, लॉस एंजिल्स सहित 100 से अधिक शहरों में दिखा आक्रोश

- अमेरिका के साथ वेनेजुएला में भी कई शहरों में हुआ विरोध प्रदर्शन

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका और वेनेजुएला में कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। कारागास में मादुरो की आजादी की मांग को लेकर अमेरिकी झंडा जला दिया।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने वाली अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के विरोध में रविवार को सैकड़ों लोग मैनहट्टन की सड़कों पर उतरे। यह मार्च वाशिंगटन, बोस्टन, लॉस एंजिल्स, अटलांटा, शिकागो और मियामी जैसे 100 से अधिक अमेरिकी शहरों में होने वाले वेनेजुएला पर कोई युद्ध नहीं प्रदर्शनों का हिस्सा था।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में एकत्र हुए प्रदर्शनकारियों के हाथों में वेनेजुएला से हाथ हटाओ, कैरिबियन से अमेरिका बाहर निकले, वेनेजुएला के तेल के लिए कोई युद्ध नहीं और अमेरिकी साम्राज्यवाद के खिलाफ वेनेजुएला की रक्षा करो लिखे हुए पोस्टर थे। भीड़ में वेनेजुएला की रक्षा करो, मादुरो को आजाद करो के नारे भी गूंज रहे थे। वहीं वेनेजुएला में भी प्रदर्शन हुए और लोगों ने राष्ट्रपति मादुरो को मुक्त करने की मांग की।

मार्च में शामिल न्यूयॉर्क के निवासी करेन ने कहा कि यह युद्ध मादक पदार्थों के बारे में नहीं है, यह वेनेजुएला के तेल के बारे में है। आपको वेनेजुएला में कदम रखने और वहां हमला करने का अधिकार कैसे है? ऐसा महसूस होता है जैसे हम अपराधियों की तरह काम कर रहे हैं। यह एक अन्यायपूर्ण कार्रवाई है। पाकिस्तान के एक कॉलेज छात्र हसन ने कहा कि विदेशों में अमेरिका के नेतृत्व में सरकार बदलने के प्रयास नए नहीं हैं, लेकिन कम से कम पहले यह नकाब पहनकर किया जाता था, जैसे मध्य पूर्व में लोकतंत्र बहाल करने के नाम पर। उन्होंने कहा कि हालांकि, आज इसने नकाब उतार दिया है। यह काफी स्पष्ट रूप से तेल और प्राकृतिक संसाधनों के बारे में है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उनके देश ने वेनेजुएला पर हमला किया है और उसके राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ लिया है।

कैरेबियाई क्षेत्र में हवाई यातायात बाधित

वाशिंगटन। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़कर न्यूयॉर्क ले जाए जाने के अमेरिकी सैन्य अभियान का असर कैरेबियाई क्षेत्र में हवाई यातायात पर भी पड़ा और कई उड़ानों को रद्द कर दिया गया। प्यूर्टो रिको, अरूबा और वेनेजुएला के उत्तर में स्थित लेसर एंटिल्स समूह के 12 से अधिक द्वीपों के लिए उड़ाने प्रभावित रहीं। व्यवधान कई दिनों तक जारी रह सकता है।

ममदानी ने कहा, वेनेजुएला पर अमेरिकी हमला युद्ध की कार्रवाई

न्यूयॉर्क। अमेरिकी शहर न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने वेनेजुएला के खिलाफ चलाए गए अमेरिकी अभियान एब्सोल्यूट रिजॉल्व को युद्ध की कार्रवाई और अंतर्राष्ट्रीय व संघीय कानून का उल्लंघन बताया है। ममदानी ने कहा कि सत्ता परिवर्तन की यह खुलेआम कोशिश न केवल विदेशों में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को प्रभावित करती है, बल्कि इसका सीधा असर न्यूयॉर्क निवासियों पर भी पड़ता है, जिनमें वेनेजुएला के हजारों नागरिक भी शामिल हैं। मेयर ने वेनेजुएला के नागरिकों और हर न्यूयॉर्क वासी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते कहा कि उनका प्रशासन स्थिति की निगरानी करना जारी रखेगा और इससे संबंधित दिशा-निर्देश जारी करेगा। ममदानी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि एक संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमला करना युद्ध की कार्रवाई और संघीय व अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। गौरतलब है कि मादुरो को न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर (एमडीसी) में भेजा गया है। यह सेंटर अपनी खराब स्थितियों के कारण घिनौना और भयानक बताया जाता है।

उ. कोरिया ने समुद्र में दागी बैलिस्टिक मिसाइल, तनाव

सियोल। उत्तर कोरिया ने समुद्र में रविवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया की सेना ने यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि सेना को सुबह सात बजकर 50 मिनट पर उत्तर कोरिया की राजधानी के इलाके से कई बैलिस्टिक मिसाइलें प्रक्षेपित किए जाने का पता चला। मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तट की ओर से दागी गईं। ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि उन्होंने अपनी निगरानी व्यवस्था को मजबूत कर लिया है और उत्तर कोरिया के मिसाइल प्रक्षेपणों के संबंध में अमेरिका व जापान के साथ लगातार सूचनाओं का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी उत्तर कोरिया द्वारा संदिग्ध मिसाइल प्रक्षेपण किए जाने की सूचना दी है। इस प्रक्षेपण के कारण किसी प्रकार का नुकसान होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की आगामी कांग्रेस से पहले हथियारों का प्रदर्शन करने की ताजा घटना है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया कांग्रेस से पहले रक्षा क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां दिखाने के लिए हथियार परीक्षणों में तेजी ला सकता है। पर्यवेक्षक नजर रख रहे हैं कि क्या उत्तर कोरिया अमेरिका के प्रति कोई नई नीति निर्धारित करेगा।

सीरिया में आईएस के ठिकानों पर ब्रिटेन व फ्रांस का हमला

फ्रांस और ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों के हमले में मध्य सीरिया में इस्लामिक स्टेट समूह का एक क्षतिग्रस्त भूमिगत ठिकाना जहां हथियार छिपाकर रखने की आशंका थी।

दमिश्क (सीरिया), एजेंसी

- हवाई हमले में हथियार भंडारण के गुप्त केंद्रों को बनाया गया निशाना

ब्रिटेन और फ्रांस के युद्धक विमानों ने मध्य सीरिया में एक भूमिगत ठिकाने पर हवाई हमला किया, जहां इस्लामिक स्टेट समूह के सदस्यों द्वारा हथियार और विस्फोटक जमा किए जाने का संदेह है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि ये हमले शनिवार शाम को सीरिया के होम्स प्रांत में ऐतिहासिक शहर पल्मायरा के ठीक उत्तर में पहाड़ों में स्थित ठिकानों पर हुए। ब्रिटेन और फ्रांस अमेरिका के नेतृत्व वाले उस गठबंधन का हिस्सा हैं जो एक दशक से अधिक समय से आईएस आतंकवादियों से लड़ रहा है।

मंत्रालय ने बताया कि ब्रिटिश सेना ने टाइफून एफजीआर4 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। संयुक्त हमले में फ्रांसीसी विमान भी शामिल थे। ब्रिटिश वायु सेना ने ठिकाने तक जाने वाली कई सुरंगों को निशाना बनाने के लिए निर्देशित बमों का इस्तेमाल किया। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जॉन हीली ने कहा कि यह कार्रवाई ब्रिटेन के नेतृत्व और मध्य पूर्व में आईएस और उसकी हिंसक विचारधाराओं के किसी भी उभार को खत्म करने के लिए अपने सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।सीरिया सरकार की ओर से इन हमलों पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं आई है। सीरिया पिछले साल के अंत में आईएस विरोधी गठबंधन में शामिल हुआ था। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों का कहना है कि सीरिया और इराक में स्थित अपने पूर्व गढ़ों में आईएस के अभी भी 5,000 से 7,000 सदस्य सक्रिय हैं।

बांग्लादेश में हिंदू व्यापारी की हत्या मामले में तीन गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी

- शरीयतपुर जिले के एक बाजार में बुधवार को किया गया था हमला

बांग्लादेश के शरीयतपुर जिले में एक हिंदू व्यवसायी पर धारदार हथियार से हमला करने और जलाकर मार डालने के मामले में रविवार को तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। ढाका से लगभग 100 किलोमीटर दूर शरीयतपुर जिले के दामुड्या में केउरभांगा बाजार के पास बुधवार रात को 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास पर हमला किया गया था।

शनिवार को उनकी मृत्यु हो गई। प्रथम आलो अखबार ने कहा कि रैपिड एक्शन बटालियन की एक टीम ने रविवार सुबह ढाका से लगभग 100 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में किशोरगंज से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान दामुड्या के सोहाग खान, रब्बी मोल्या और पलाश सरदार के रूप में हुई है।

आरएबी मदारिपुर कैंप कंपनी कमांडर पुलिस अधीक्षक मीर मुनीर हुसैन ने प्रथम आलो को बताया कि आरोपियों को किशोरगंज से मदारिपुर कैंप लाया जा रहा है।

प्रख्यात सिख विद्वान जैतेग सिंह अनंत का निधन

अमृतसर/सरे। प्रख्यात सिख विद्वान, लेखक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित फोटो पत्रकार जैतेग सिंह अनंत का कनाडा के सरे शहर में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से सिख साहित्य, कला और पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। वारिस शाह फाउंडेशन ने कहा है कि जैतेग सिंह अनंत न केवल एक विद्वान थे, बल्कि वे भारत के शीर्ष 10 फोटो कलाकारों में भी गिने जाते थे। अपने पेशेवर करियर के दौरान उन्होंने फोटोग्राफी के क्षेत्र में देश और विदेश में 70 से अधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार अपने नाम किए।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों का गांव पर हमला, 30 की मौत

मीना (नाइजीरिया), एजेंसी

- हमले के बाद कई ग्रामीणों को अगवा कर ले गए बंदूकधारी

उत्तरी नाइजीरिया के नाइजर राज्य के एक गांव पर बंदूकधारियों के हमले में कम से कम 30 ग्रामीणों की मौत हो गई जबकि कई अन्य का अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

नाइजर राज्य पुलिस के प्रवक्ता वासिउ अबियोदुन ने एक बयान में कहा कि बंदूकधारियों ने शनिवार शाम राज्य के बोर्गु स्थानीय प्रशासन क्षेत्र में कसुआन-दाजी गांव पर धावा बोल दिया और निवासियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने स्थानीय बाजार और कई घरों को भी जला दिया। कम से कम दो ग्रामीणों ने मृतकों की संख्या 37 बताई और आशंका जताई कि यह संख्या इससे भी अधिक हो सकती है क्योंकि रविवार तक कुछ लोग लापता थे। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि सुरक्षा बल अब तक इलाके में नहीं पहुंचे हैं जो पुलिस के उस दावे का खंडन करती है कि उन्होंने अपहृत लोगों की तलाश के लिए अधिकारी तैनात किए हैं।

मस्क का एक्स हटाएगा अवैध सामग्री

- उल्लंघन करने वालों पर लगेगा स्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी

एलन मस्क के स्वामित्व वाली सोशल मीडिया साइट एक्स अवैध सामग्री को हटाएगी और ऐसी सामग्री अपलोड करने वाले खातों को स्थायी रूप से निलंबित करेगी। एक्स ने रविवार को बताया कि वह जरूरत के अनुसार स्थानीय सरकारों के साथ काम करेगी। कंपनी के वैश्विक सरकारी मामलों के खाते से यह बयान जारी किया गया।

इससे पहले उसने कहा था कि मंच की एआई सेवा ग्रोक का उपयोग करके अवैध सामग्री बनाने वालों पर भी वैसी ही कार्यवाही होगी, जैसी अवैध सामग्री अपलोड करने वालों पर की जाती है। मस्क ने अनुचित छवियों पर एक पोस्ट के जवाब में एक्स पर कहा कि अवैध सामग्री बनाने के लिए ग्रोक का उपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति को वही परिणाम भुगतने होंगे, जैसा कि अवैध सामग्री अपलोड करने वालों के साथ होता है। एक्स के वैश्विक सरकारी मामलों ने अवैध सामग्री पर मस्क के रुख को दोहराया। कहा गया कि हम एक्स पर बाल यौन शोषण सामग्री सहित अवैध सामग्री के खिलाफ कार्रवाई करते हैं, इसे हटाकर, खातों को स्थायी रूप से निलंबित करके और आवश्यकतानुसार स्थानीय सरकारों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करते हैं। इसमें आगे कहा गया, अवैध सामग्री बनाने के लिए ग्रोक का उपयोग करने या उसे उकसाने वाले किसी भी व्यक्ति को वही परिणाम भुगतने होंगे जैसा कि अवैध सामग्री अपलोड करने वालों के साथ किया जाता है। भारत सरकार ने पाया है कि एक्स पर अश्लील सामग्री अपलोड की जा रही है जो कानूनों का उल्लंघन है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 5 जनवरी, सोमवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 09.56 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

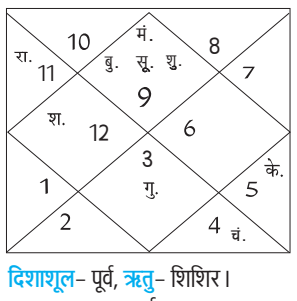

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुष्य 13.25 तक तत्पश्चात आश्लेशा।

मेष — आज विवादों से दूर रहें वरना आपकी छवि खराब हो सकती है। अपनी गलतियों को स्वीकार कर उसमें सुधार कर लेना हितकर होगा। स्वार्थी प्रवृत्ति के मित्रों के कारण आपको परेशानी होगी। जीवनसाथी की सेहत कुछ खराब हो सकती है।

वृष — आज परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहने वाला है। योजनाबद्ध तरीके से आप सभी काम करेंगे। व्यवसाय में आपको अचानक धन लाभ प्राप्त होगा। किसी बड़े प्रोजेक्ट की शुरुआत करने के लिए दिन उत्तम है।

मिथुन — आज आपकी कार्यशैली से लोग बहुत प्रसन्न रहेंगे। लंबे समय से चली आ रही कोई समस्या दूर होगी। काम की अधिकता के बावजूद आप अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। अपने सहकर्मियों पर विश्वास बनाए रखें। नई जॉब के ऑफर मिलने के योग बन रहे हैं।

कर्क — आज अपनी योग्यता को सिद्ध करने के अवसर मिलेंगे, लेकिन आप अपनी लापरवाही से उन अवसरों को खो सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ा गंभीरता दिखाना आवश्यक है। व्यर्थ की यात्राओं में आपका समय व्यर्थ हो सकता है।

सिंह — आज आप दिखावे में अधिक धन खर्च कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप जल्दी में काम समेटने की कोशिश कर सकते हैं। अधिकारी वर्ग आपके प्रति सम्मान का भाव रखेगा। भविष्य को लेकर थोड़े आशंकित रहेंगे। शुभचिंतकों का निरादर न करें।

कन्या — आज किसी मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बन सकती है। व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ होगा। बेरोजगार लोगों को नई जॉब मिल सकती है। इसके कारण आपके आत्मविश्वास में अत्यंत वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को कठिन समस्याओं का हल मिलेगा।

तुला — आज कार्यस्थल में आपकी व्यस्तता बढ़ सकती है। करियर को लेकर योजना बनाने के लिए बुजुर्गों से सलाह ले सकते हैं। आप गृहकार्यों में अत्यंत व्यस्त रहेंगे। व्यवसाय में कुछ रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक — आज आप लगन और उत्साह से काम करेंगे। गूढ़ विद्याओं में आप रुचि लेंगे। कार्यक्षेत्र में आप अनुशासन का अत्यधिक ध्यान रखेंगे। पार्टनरशिप संबंधी कार्यों में आपको लाभ मिलेगा। मानसिक शांति के लिए आप कुछ समय अकेले में बिताना चाहेंगे।

धनु — आज किसी रिश्तेदार को लेकर परेशान हो सकते हैं। दांपत्य संबंधों में किसी कारण झगड़ा हो सकता है। बच्चों को सिरदर्द की समस्या हो सकती है। महिलाओं को मासिक धर्म संबंधी समस्या होने की संभावना है। आपके खर्चों में वृद्धि होगी।

मकर — आज शेयर मार्केट से आपको बड़ा धन लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। आपकी मनोकामना की पूर्ति होगी। प्रिय मित्रों के साथ आप समय बिताना चाहेंगे। धन का लेन-देन सावधानी पूर्वक करें।

कुंभ — आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। अपनी रुचि के अनुसार काम करने से आपको लाभ होगा। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता रहेगी। तकनीक संबंधी कार्यों में आपको धन लाभ मिलेगा। लंबी दूरी की यात्रा करने के योग बन रहे हैं।

मीन — आज व्यवसाय में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। मित्रों के माध्यम से आपको शुभ सूचना मिल सकती है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में शानदार परिणाम मिलेंगे। गैरकानूनी कार्यों से आपको दूर रहना चाहिए। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं।

सुडोकू-23

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		5		1				7
9				6			1	
	1		2			4	6	
8		7		4		3		
	4		9		6		5	
		1		3		9		8
	8	6			5		7	
	2			7				3
4				2		1		

सुडोकू - 22 का हल

8	3	5	1	9	4	7	6	2
7	1	4	2	3	6	8	9	5
2	6	9	7	8	5	1	4	3
6	5	8	4	1	9	3	2	7
9	2	7	6	5	3	4	8	1
1	4	3	8	7	2	9	5	6
3	9	2	5	4	1	6	7	8
4	7	6	3	2	8	5	1	9
5	8	1	9	6	7	2	3	4

पहले माता-पिता अक्सर चाहते थे कि उनके बेटे विराट कोहली जैसे बनें, लेकिन अब कई लोग चाहते हैं कि उनकी बेटियां स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर जैसी क्रिकेटर बनें। महिला विश्व कप सहित अन्य खेलों में देश की बेटियों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।
-जय शाह

स्टेडियम

हल्द्वानी, सोमवार, 5 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेग लैनिंग यूपी वॉरियर्स की कप्तान बनीं

मुंबई। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग को नौ जनवरी से शुरू होने वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) से पहले रविवार को यूपी वॉरियर्स का कप्तान बनाया गया। यह दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के पहले तीन सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान थीं और उन्होंने टीम को हर बार फाइनल तक पहुंचाया, लेकिन हर बार हार का सामना करना पड़ा। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा कैप्री स्पोर्ट्स की यूपी वॉरियर्स ने 2026 डब्ल्यूपीएल सत्र से पहले ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मेग लैनिंग को फ्रेंचाइजी का कप्तान नियुक्त करने की घोषणा की है। यूपी वॉरियर्स ने लैनिंग को नीलामी में 1.9 करोड़ रुपये में खरीदा था।

सिद्धार्थ रावत पहुंचे फाइनल में

बेंगलुरु। भारत के सिद्धार्थ रावत ने रविवार को बेंगलुरु ओपन में अपने हमवतन नितिन कुमार सिन्हा पर 6-3, 7-5 से शानदार जीत दर्ज करते हुए क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। रावत ने आत्मविश्वास के साथ पहला सेट जीता। सिन्हा ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की और रावत की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल कर ली। लेकिन रावत ने दो महत्वपूर्ण ब्रेक लेकर सीधे सेटों में मैच अपने नाम कर लिया।

मार्टिन की स्थिति में सुधार : गिलक्रिस्ट

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने कहा कि टीम के उनके साथी डेमियन मार्टिन 'मेनिन्जाइटिस' (दिमागी बुखार) से उबरने की प्रक्रिया किसी 'चमत्कारी वापसी' की तरह है। वह अब कोमा से बाहर आने के बाद बात करने में सक्षम है। गिलक्रिस्ट ने बताया कि मार्टिन के मेनिन्जाइटिस से पीड़ित होने का पता चलने के बाद गोल्ड कोस्ट के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह इलाज के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं और अब बात करने में सक्षम हैं।

संभाजी निर्विरोध चुने गए सदस्य के रूप में

मुंबई। मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी के वंशज संभाजी राजे और एक राजनीतिक परिवार से अपूर्वा सामंत को महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के सदस्य के रूप में निर्विरोध चुना गया है। रविवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि खेल जगत में चर्चा के अनुसार, इस घटनाक्रम से राज्य में क्रिकेट प्रशासन को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। रत्नागिरी के विधायक किरण सामंत की बेटी अपूर्वा सामंत एक उच्च शिक्षित युवा उद्यमी के रूप में जानी जाती हैं। सामाजिक और उद्यमशीलता की पहलों में उनकी सक्रिय भागीदारी की व्यापक रूप से सराहना की गई है।

एथलेटिक्स फेडरेशन ने तय किए नए मानक

नई दिल्ली। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने एशियाई खेल 2026 के लिए अपने क्वालिफाइंग के नये मानक जारी किये हैं। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेल होने हैं। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए अब भारतीय टीम में जगह बनाने एथलीटों को मुश्किल लक्ष्य तय करना होगा।

भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा : पीएम

वाराणसी में 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप का वर्चुवली उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। कार्यक्रम में मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। **अमृत विचार**

- **वाराणसी में 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू**
- **28 राज्यों की टीमें कर रहीं प्रतिस्पर्धा, 11 को होगा फाइनल**

वाराणसी, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में सरकार ने देश में खेलों के क्षेत्र में व्यापक बदलाव करते हुए 20 से अधिक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए हैं और भारत 'पूरी मजबूती से' 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है।

वाराणसी में आज से शुरू हुई 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के उद्घाटन कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में कई शहरों में फीफा अंडर-17 विश्व कप और हॉकी विश्व कप समेत 20 से अधिक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भी भारत में ही होने जा रहे हैं। भारत पूरी मजबूती से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है। इसके पीछे प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को खेलने के अधिक से अधिक मौके मिलें।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम और खेलो भारत नीति 2025... इस प्रकार के प्रावधानों से सही प्रतिभा को अवसर मिलेगा, खेल संगठनों में पारदर्शिता बढ़ेगी और साथ ही देश के युवाओं को खेल और शिक्षा दोनों ही क्षेत्र में एक साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने खेलों के क्षेत्र में अपनी सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा, हम स्कूल स्तर पर भी खिलाड़ियों को ओलंपिक का अनुभव देने में जुटे हैं। खेलो इंडिया अभियान की वजह से सैकड़ो युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर आगे आने का मौका मिल रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही सांसद खेल महोत्सव का भी आयोजन हुआ है। इसमें भी करीब एक करोड़ युवाओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। सांसद खेल महोत्सव के दौरान मेरी काशी के भी करीब तीन लाख युवाओं ने मैदान पर अपना दमखम दिखाया। मोदी ने कहा कि वाराणसी में अलग-अलग खेलों से जुड़े स्टेडियम बन रहे हैं। नये खेल परिसर में आसपास के जिलों के खिलाड़ियों को भी प्रशिक्षण का मौका मिल रहा है।

उन्होंने कहा मुझे खुशी है कि काशी बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार हो रही है। वॉलीबॉल की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के जरिए देश के खेल नक्शे पर जगह बनाना भी काशी के लिए बहुत अहम है। प्रधानमंत्री ने वॉलीबाल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल हो रहे खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि देश के 28 राज्यों की टीमें यहां आई हैं। आप सब 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की बहुत सुंदर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय वालीबॉल चैंपियनशिप के दौरान बनारस का जोश हाई हो जाएगा। आप सभी खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाने वाले दर्शक भी मिलेंगे और काशी की आतिथ्य परंपरा को जीने का अवसर भी मिलेगा।

मोदी ने वॉलीबॉल को टीम भावना से जोड़ने वाला खेल बताते हुए कहा मैं तो भारत की विकास गाथा और वालीबॉल में भी बहुत सी समानताएं देखता हूं। वालीबॉल हमें सिखाता है कि कोई भी जीत अकेले नहीं होती है। हमारी जीत हमारे समन्वय, हमारे विश्वास और हमारी टीम की तत्परता पर निर्भर होती है। हर किसी की अपनी भूमिका है।

टी-20 विश्व कप के लिए भारत नहीं आएगी बांग्लादेशी टीम

मुस्तफिजुर को आईपीएल से हटाने के बाद बीसीबी ने निकाली खीज

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को सुरक्षा चिंताओं और सरकार की सलाह का हवाला देते हुए अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया। यह फैसला आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 'रिलीज' करने के बाद लिया गया। बीसीसीआई ने शनिवार को रहमान को 'रिलीज' करने के अपने फैसले के लिए दोनों देशों के बीच मौजूदा संबंधों का स्पष्ट रूप से जिक्र नहीं किया, लेकिन उसने कहा कि यह कदम मौजूदा घटनाओं से प्रेरित है।

रहमान को आईपीएल से अचानक बाहर किए जाने के बाद बीसीबी ने शनिवार रात को एक आपातकालीन बैठक बुलाई और एक दिन बाद घोषणा की कि निदेशक मंडल की पुनः बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि राष्ट्रीय टीम सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगी। बीसीबी ने एक बयान में कहा बोर्ड ने पिछले 24 घंटों के घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए स्थिति की विस्तृत समीक्षा की और भारत में खेले जाने वाले मैचों में बांग्लादेश राष्ट्रीय टीम की भागीदारी से संबंधित मौजूदा परिस्थितियों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा भारत में बांग्लादेश की टीम की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं और मौजूदा स्थिति के आकलन के साथ बांग्लादेश सरकार की सलाह पर विचार करते हुए निदेशक मंडल ने फैसला किया है कि बांग्लादेश राष्ट्रीय टीम वर्तमान परिस्थितियों में टूर्नामेंट के लिए भारत की यात्रा नहीं करेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को इस मुद्दे पर ध्यान देना होगा क्योंकि बांग्लादेश को लीग चरण के अपने चारों मैच भारत में खेलने हैं। पाकिस्तान के साथ हुए समझौते की तरह बांग्लादेश भी चाहता है कि उसके सभी मैच टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिए जाएं।

बीसीबी के बयान के मुताबिक बीसीबी ने विश्व कप के आयोजक आईसीसी से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश के सभी मैचों को भारत के बाहर किसी अन्य स्थान (सह-मेजबान श्रीलंका) में स्थानांतरित करने पर विचार करे। बीसीबी आईसीसी से इस स्थिति को समझने और इस मामले पर तत्काल प्रतिक्रिया की उम्मीद करता है। बीसीबी द्वारा बयान जारी करने से पहले ही सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल ने फेसबुक पर घोषणा कर दी कि बोर्ड ने भारत में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला कर लिया है।

उनके बंगाली भाषा में साझा पोस्ट में लिखा बांग्लादेश विश्व कप खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आज यह निर्णय लिया है। हम भारतीय क्रिकेट बोर्ड की हिंसक सांप्रदायिक नीति के संदर्भ में लिए गए इस निर्णय का स्वागत करते हैं। बीसीबी की आपातकालीन बैठक के बाद नजरुल ने बोर्ड को निर्देश दिया कि वह जय शाह के नेतृत्व वाली आईसीसी से बांग्लादेश के चार लीग मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने का अनुरोध करे।

नजरूल ने फेसबुक पेज पर बंगाली में लिखा खेल मंत्रालय के प्रभारी सलाहकार के रूप में मैंने क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह इस पूरे मामले को लिखित रूप में आईसीसी को स्पष्ट करे। बोर्ड को स्पष्ट करना होगा कि अनुबंध होने के बावजूद अगर कोई खिलाड़ी भारत में नहीं खेल सकता तो बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम विश्व कप खेलने के लिए भारत में सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती है।

मुस्तफिजुर रहमान। एजेंसी

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने घोषित की टीम

ढाका : बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अगले महीने होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए लिटन दास की अगुआई वाली 15 सदस्यीय टीम का एलान किया और यह घोषणा देश के खेल मंत्रालय द्वारा टीम के लीग मुकाबलों को भारत से श्रीलंका में स्थानांतरित करने की मांग करने के निर्देश के कुछ ही घंटों बाद की गई। टी-20 विश्व कप सात फरवरी से आठ मार्च तक भारत और श्रीलंका द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।

टीम : लिटन दास (कप्तान), मोहम्मद सैफ हसन (उप कप्तान), तंजीद हसन, मोहम्मद परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदोय, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, शक महेदी हसन, रिशद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तास्किन अहमद, मोहम्मद शैफुद्दीन, शोरफुल इस्लाम।

भारत में मैच : बांग्लादेश के चार लीग मैच में से तीन वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी), इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में हैं जबकि उनका आखिरी मैच नेपाल (17 फरवरी) के खिलाफ मुंबई में होगा।

बीसीबी के अनुरोध पर विचार कर सकती है आईसीसी

दुबई : इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अपने टी20 वर्ल्ड कप मैचों को भारत से बाहर शिफ्ट करने के अनुरोध पर विचार कर सकती है। विश्व संस्था ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है या मीटिंग नहीं की है, खासकर आज रविवार होने के कारण, लेकिन क्रिकबज को पता चला है कि आईसीसी बांग्लादेश के मैचों को टी20 वर्ल्ड कप के सह-मेजबान श्रीलंका में शिफ्ट करने के लिए तैयार है।

शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से बढ़ी दोनों देशों में तल्खी

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए। शेख हसीना पिछले साल अगस्त में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद भारत आ गई थीं। बांग्लादेश की एक अदालत ने उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। उन पर आंदोलन के दौरान हुई घातक कार्रवाई में कथित भूमिका निभाने का आरोप था, जिसमें कई छात्र मारे गए थे। बांग्लादेश में पिछले दिनों हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा की बढ़ते मामले से स्थिति और बिगड़ गयी है।

बंगाल ने रांची को हराया

ऑगस्टिना गोरजेलानी (37वें मिनट) के गोल की मदद से श्राची बंगाल टाइगर्स (ऑरेंज जर्सी) ने रविवार को यहां महिला हॉकी इंडिया लीग में रांची रॉयल्स (ग्रीन जर्सी) पर 1-0 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ, बंगाल टाइगर्स अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। रांची रॉयल्स लगातार दो जीत के बाद इस मुकाबले में आत्मविश्वास से भरी हुई थी, लेकिन ऑगस्टिना ने पेनल्टी कॉर्नर पर टूर्नामेंट में चौथा गोल करके अपनी टीम को 1-0 बढ़त दिलाई जो निर्णायक रही। ● एजेंसी

रूट और ब्रूक के नाबाद अर्धशतक खराब शुरुआत के बाद उभरा इंग्लैंड

सिडनी, एजेंसी

सिडनी टेस्ट

जो रूट और हैरी ब्रूक के बीच 154 रन की अटूट साझेदारी से इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन रविवार को यहां खराब रोशनी के कारण खेल रोके जाने तक तीन विकेट पर 211 रन बनाए। इस मैच में बोंडी आतंकी हमले के पीड़ितों और 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स' को मैदान पर श्रद्धांजलि दी गई। रूट (नाबाद 72) और ब्रूक (नाबाद 78) उस समय एक साथ आए जब इंग्लैंड की टीम 57 रन तक तीन विकेट गंवाकर संकट में थी। रूट और ब्रूक की यह साझेदारी मौजूदा सीरीज में मेहमान टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। खराब रोशनी और बारिश के कारण चाय के विश्राम से ठीक पहले खेल रोक दिया गया और फिर मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका।

रूट और ब्रूक दोनों ने उसी ओवर में अपने अर्धशतक पूरे किए जिसमें उनकी शतकीय साझेदारी पूरी हुई। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों को पिच से अधिक मदद नहीं मिल रही थी जिससे इस जोड़ी की बदौलत इंग्लैंड ने नियंत्रण बनाया। रूट ने 65 गेंद में अपना 67वां जबकि ब्रूक ने 63 गेंद में 15वां अर्धशतक पूरा किया। ब्रूक ने अपनी पारी के दौरान कुछ मौकों पर जोखिम भी उठाया। इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में जल्दी-जल्दी तीन विकेट खो दिए। बेन डकेट और जैक क्रॉली ने मेहमान टीम को तेज शुरुआत दी थी। मिचेल स्टार्क ने 35 रन के स्कोर पर डकेट (27) को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराके श्रृंखला का अपना 27वां विकेट हासिल किया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने आठ गेंद में दो विकेट लिए। माइकल नेसर ने क्रॉली (16) को पगबाधा किया जबकि स्कॉट बोलैंड ने जैकब बेथेल (10) को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया।

ऑस्ट्रेलिया ने एकादश में एक बदलाव करते हुए ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को झाय रिचर्डसन की जगह इस श्रृंखला में पहली बार खेलने का मौका दिया। वेबस्टर की वापसी से स्पिनर टॉड मर्फी के लिए कोई जगह नहीं थी। यह 1888 के बाद पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया ने एससीजी में किसी विशेषज्ञ स्पिनर को मैदान में नहीं उतारा।

हैरी ब्रूक। एजेंसी

सूडान को हराकर सेनेगल अफ्रीका कप ऑफ नेशन्स के क्वार्टर फाइनल में

रबात (मोरक्को), एजेंसी

सादियो माने की अगुआई में सेनेगल ने शनिवार को टेंगियर में सूडान को 3-1 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशन्स फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वर्ष 2019 और 2022 के अफ्रीका के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर रहे सादियो माने ने निलंबित कप्तान कालिदोउ कोलिबाली की गैरमौजूदगी में उदाहरण पेश करते हुए टीम के अपने साथियों के लिए कई मौके बनाए।

सेनेगल की ओर से पापे गुएये ने दो जबकि स्थानापन्न खिलाड़ी इब्राहिम एमाये ने एक गोल किया। सादियो माने ने पापे के एक गोल और इब्राहिम के गोल में अहम भूमिका निभाई। क्वार्टर फाइनल में सेनेगल की भिड़ंत माली से होगी जिसने कासाब्लांका में ट्यूनीशिया को पेनल्टी शूट आउट में 3-2 से हराया।

गोल करने के बाद फुटबॉल ले जाते सेनेगल के पापे गुएये। एजेंसी

अटलांटा ने रोमा को 0-1 से शिकस्त दी

मिलान। जियान पिएरो गैस्पेरिनी के वापसी मुकाबले में रोमा को शनिवार को यहां सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में अटलांटा के खिलाफ 0-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मैच का एकमात्र गोल 12वें मिनट में जॉर्जियो स्केलविनी ने किया। इस जीत से अटलांटा की टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई। रोमा की टीम इस मुकाबले को जीतकर दूसरे स्थान पर मौजूद इंटर मिलान के बराबर पहुंच सकती थी लेकिन अब उसके चौथे स्थान पर मौजूद यूवेंटस के समान अंक हैं। यूवेंटस को निचली लीग में खिसकने का खतरा झेल रहे लीस ने 1-1 से बराबरी पर रोका।

राइस के दो गोल से आर्सेनल ने बार्नेमाउथ को हराया

लंदन। डेकलान राइस के दो गोल की मदद से आर्सेनल ने शनिवार को यहां पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बार्नेमाउथ को 3-2 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में छह अंक की बढ़त बना ली।

इंग्लैंड के मिडफील्डर राइस ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर आर्सेनल की जीत सुनिश्चित की। घुटने की चोट के कारण शुरुआत में राइस के खेलने पर संदेह था, लेकिन उन्होंने पिछले मैच से बाहर रहने के बाद वापसी की और दोनों टीम के बीच का अंतर साबित हुए।

आर्सेनल की ओर से गैब्रिएल मेगलहाइस ने भी एक गोल किया। बार्नेमाउथ के लिए इवानिल्सन और एली जूनियर क्रोपी ने गोल दागे। इस जीत से आर्सेनल के 20 मैच में 48 अंक हो गए हैं। नॉटिंघम फॉरेस्ट को 3-1 से हराने वाली एस्टन विला की टीम 42 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

यूनाइटेड कप | **एलेक्जेंडर ने नीदरलैंड्स के खिलाफ जर्मनी को दिलाई जीत**

ज्वेरेव ने जीत के साथ सीजन की शुरुआत की

सिडनी, एजेंसी

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने रविवार को सिडनी में यूनाइटेड कप में नीदरलैंड के खिलाफ जर्मनी को जीत दिलाई, जहां वर्ल्ड नंबर 3 ने टैलन ग्रीक्सपूर को 7-5, 6-0 से हराया। ज्वेरेव की जीत जर्मनी की ईवा लिस द्वारा ग्रुप ऍफ मुकाबले में सुजैन लैमेंस को हराने के बाद आई। ज्वेरेव और ग्रीक्सपूर के मुकाबले के शुरुआती हिस्से में सर्वर को फायदा था, जब तक कि जर्मन खिलाड़ी ने 6-5 पर ब्रेक लेकर पहला सेट जीतने का अहम मौका नहीं भुना लिया।

2026 का अपना पहला मैच खेलते हुए, ज्वेरेव ने उच्च स्तर का प्रदर्शन किया और शायद ही कभी पीछे मुड़कर देखा, दूसरे सेट में सिर्फ सात अंक गंवाए। ज्वेरेव ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा पहला सेट, लय हासिल करना मुश्किल था।एक बार जब मुझे मौके मिले, तो मैंने अच्छा किया और मैं जीत से बहुत खुश हूं। 28 साल का खिलाड़ी अब अपनी लेक्सस एटीपी हेड2हेड सीरीज में ग्रीकस्पूर से 9-2 से आगे है, यह दूसरी बार है जब ज्वेरेव ने एक ही विरोधी के खिलाफ नौ टूर-लेवल जीत हासिल की हैं (ज्वेरेव एड्रियन मैनारिनो से 9-0 से आगे हैं)।

इससे पहले एक दृढ़ निश्चयी लिस ने लैमेंस को 6-2, 6-2 से हराकर 2024 यूनाइटेड कप चैंपियंस को एक मजबूत शुरुआत दी। लिस इस मैच में 2024 में ओसाका में डब्ल्यूटीए टूर ड्रिवन बाय मर्सिडीज-बेंज लेवल पर लैमेंस के खिलाफ अपना एकमात्र मैच हारकर आई थी, लेकिन इस साल की प्रतियोगिता में दोनों देशों के लिए पहले मैच के लगभग पूरे समय तक वह हावी रही, जो लिस का पहला करियर यूनाइटेड कप मैच भी था। पहले पांच गेम में दो बार ब्रेक का आदान-प्रदान करने के बाद, लिस ने 5-2 की बढ़त बनाने के लिए दो महत्वपूर्ण गेम जीते और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उसने छठे गेम में अपने तीसरे ब्रेक पॉइंट पर ब्रेक करने से पहले लैमेंस को 3-3 से बराबरी करने के लिए गेम पॉइंट से वंचित कर दिया, और 15/40 से पीछे होने के बावजूद फॉलो-अप होल्ड हासिल किया। यह एक घंटे, 39 मिनट के मुकाबले का एक छोटा सा हिस्सा था। मैच के 14 में से नौ गेम ड्यूस तक गए, और लिस ने उनमें से सात जीते। शायद सबसे महत्वपूर्ण गेम दूसरे सेट में जर्मन खिलाड़ी का 1-1 का होल्ड था, जिसके दौरान उसने चोट के डर को दूर किया।

पहले सेट में 5-2 से आगे रहते हुए छाले के लिए मेडिकल टाइमआउट लेने के बाद, लिस एक और बार गिरी जिससे उसका घुटना हिल गया।

यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के मैच के दौरान कनाडाई विक्टोरिया म्बोको के खिलाफ शॉट लगातीं चीन की लिन झू। एजेंसी